प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग से सीधा.. 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बैटल ऑफ गलवां के बाद सलमान खान... 11

वर्ष - 01, अंक - 127 | गाजियाबाद / शनिवार 09 अगस्त 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

बेहद खास संयोग में आज मनेगा 'राखी' का त्योहार

● 297 साल बाद बना है यह संयोग, भद्रा से मुक्त रहेगा पर्व ● देशभर में सबसे पहले महाकाल को अर्पित की जाएगी राखी

उज्जैन (एजेंसी)। कल 9 अगस्त को देशभर में रक्षाबंधन खास संयोग के साथ मनेगा। भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक का ये पर्व इस बार श्रवण नक्षत्र, सौभाग्य योग, करण, मकर राशि में चंद्रमा और पूर्णिमा तिथि में मनाया जाएगा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, ऐसा योग 297 साल बाद बना है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला ने कहा- ग्रहों की वर्तमान स्थिति 1728 में बने दुर्लभ संयोग को दोहरा रही है। रक्षाबंधन पर 8 ग्रह उन्हीं राशियों में रहेंगे, जिनमें 1728 में थे। इनमें सूर्य कर्क, चंद्र मकर, मंगल कन्या, बुध कर्क, गुरु और शुक्र मिथुन, राहु कुंभ और केतु सिंह राशि में रहेंगे। ऐसे अद्‌भुत योग शताब्दियों में एक बार ही बनते हैं। जिससे इस बार का रक्षाबंधन और भी पुण्य फलदायी माना जा रहा है। वहीं, देशभर में सबसे पहले शनिवार तड़के

3 बजे बाबा महाकाल को राखी अर्पित की जाएगी। यह खास राखी हर वर्ष पुजारी परिवार की महिलाएं ही तैयार करती हैं। वे बाबा महाकाल को अपना भाई मानकर ये राखी बनाती हैं। महाकाल को अर्पित की जाने वाली राखी इस बार मंदिर समिति के अमर पुजारी के परिवार की महिलाएं बना रही हैं। वे तीन दिन से इसमें जुटी हैं। मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग कर राखी पर भगवान गणेश को विराजित किया गया है। मान्यता है कि हिंदू रीति-रिवाज से मनाए जाने वाले सभी पर्वों की शुरुआत महाकाल मंदिर से ही होती है। भगवान महाकाल को राखी बांधने के बाद सवा लाख लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। ये लड्डू शुद्ध देसी घी, बेसन, शक्कर और ड्रायफ्रूट्स से तैयार किए जा रहे हैं।

ब्रिटेन के गुरुद्वारों में खालिस्तान शब्द रखने की अनुमति

जालंधर (एजेंसी)। ब्रिटेन के चैरिटी आयोग ने स्पष्ट किया है कि गुरुद्वारों में खालिस्तान शब्द वाले बोर्ड या बोर्ड रखना देश के चैरिटी नियमों के खिलाफ नहीं है। यह फैसला स्लौ स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे के मामले की विस्तृत जांच के बाद आया है। जहां लगभग 5 दशक से दो खालिस्तान बोर्ड लगे हुए हैं। यह मामला

2019 में तब उठा था जब एक भारतीय पत्रकार ने गुरुद्वारे के अंदर लगे बड़े खालिस्तान बोर्ड की शिकायत आयोग से की थी। चैरिटी आयोग (ब्रिटेन में धार्मिक स्थलों की निगरानी करता है) ने इस पर जांच शुरू की थी। आयोग के अनुसार किसी राजनीतिक दल या राज्य का प्रचार करना उनके दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

यूपी के 24 जिलों में बाढ़ 1245 गांव पानी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ समेत 10 शहरों में शुक्रवार को तेज बारिश जारी है। लखनऊ में लगातार बारिश का आज 7वां दिन है। वाराणसी-बिजनौर में 12वीं तक, लखनऊ-जौनपुर में 8वीं तक स्कूल बंद हैं। राज्य के 24 जिलों के 1245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 360 मकान ढह चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश में 450 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इनमें नेशनल हाईवे 305 और 5 शामिल हैं। राज्य में अब तक (20 जून से 7 अगस्त तक) बारिश की जुड़ी घटनाओं में 202 लोगों की मौत हो चुकी है। झारखंड में यह आंकड़ा 431 है। बिहार के मुंगेर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। यहां चंडिका स्थान मंदिर में 6 फीट पानी भरने के बाद उसे बंद किया गया। बेगूसराय में बाढ़ के कारण 118 स्कूल अगले आदेश तक बंद हैं।

सुप्रीम कोर्ट की बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक

मथुरा (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थायी रोक लगा दी। शुक्रवार को कोर्ट ने कहा- बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को सस्पेंड किया जा रहा है। कोर्ट ने अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली

याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर किया है। दरअसल, 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के धन का उपयोग कॉरिडोर विकास के लिए और मंदिर के आसपास की 5 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने की अनुमति दी। शर्त यह थी कि अधिग्रहित भूमि ठाकुरजी के नाम पर पंजीकृत होगी।

राहुल का फिर दावा: वोट चुराकर प्रधानमंत्री बने मोदी

● कहा-25 सीट 35 हजार या कम अंतर से जीती बीजेपी ● राहुल बोले-ईसी इलेक्ट्रानिक डेटा दे, तो साबित कर दूंगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार 25 सीट के मार्जिन से प्रधानमंत्री बने हैं। 25 सीट ऐसी हैं, जिन्हें भाजपा ने 35 हजार या कम वोट से जीतीं। अगर हमें इलेक्ट्रानिक डेटा मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि मोदी चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल ने कहा- चुनाव आयोग को पिछले 10 साल की देश की सारी इलेक्ट्रानिक वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी देनी चाहिए। ये सब नहीं देंगे तो क्राइम है। भाजपा को चुनाव चोरी करने दे रहे हैं। पूरे देश को चुनाव आयोग से वोटर्स का डेटा मांगना चाहिए। राहुल गांधी

ने कर्नाटक के बेंगलुरु में फ्रीडम पार्क में आयोजित कांग्रेस की वोट अधिकार रैली में ये बात कही। उनके साथ कांग्रेस के

राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी रैली में शामिल हुए। बेंगलुरु पहुंचने से पहले राहुल ने एक्स पोस्ट में लिखा- वोट चोरी केवल चुनावी घोटाला नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र के साथ बड़ा विश्वासघात है। देश के गुनहगार सुन लें, वक्त बदलेगा, सजा जरूर मिलेगी। राहुल ने गुरुवार को भी आरोप लगाया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 फर्जी वोट बनाए गए, जिससे भाजपा को फायदा हुआ। भाजपा-ईसी की मिलीभगत से यह धांधली हुई, जिसने पीएम मोदी को तीसरी बार सत्ता में पहुंचाया। कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में 6.50 लाख वोट हैं। उसमें से 1 लाख 250 वोट चोरी किए गए, मतलब 6 में से 1 वोट इन्होंने चोरी किए।

खाटूश्याम मंदिर से केवल 1.5 किलोमीटर दूर होगी ट्रेन

● रींगस से केवल 15 मिनट में पहुंच सकेंगे

सीकर (एजेंसी)। खाटूश्याम (सीकर) में रेलवे कनेक्टिविटी के लिए काम शुरू हो गया है। पिछले साल रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस प्रोजेक्ट की घोषणा की

थी। बुधवार (6) को लोकसभा में रेल मंत्री ने बताया कि रींगस-खाटूश्यामजी रेललाइन पर करीब 254 करोड़ रुपए खर्च होंगे। साल 2025-26 के लिए 43 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो चुका है। बाबा श्याम की नगरी में बनने वाला स्टेशन मंदिर से केवल 1.5 किलोमीटर की दूरी पर होगा।

शाह-नीतिश ने किया माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन

● गृहमंत्री ने रखी पहली ईंट, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी थे उनके साथ

कार्यक्रम में दिखाई गई अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी की पूजा की तस्वीर

सीतामढ़ी (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह और नीतिश कुमार ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा- मां जानकी ने बारिश भेजकर आशीर्वाद दिया है। मां जानकी का आशीर्वाद पूरे भारत के लिए शुभ होगा। 890 रुपए की लागत से यहां मां जानकी का भव्य मंदिर बनेगा। आज सीतामढ़ी के साथ पूरे

बिहार के लिए सौभाग्य का दिन है। ये सिर्फ एक मंदिर नहीं है ये मिथिलांचल और बिहार के सौभाग्य की शुरुआत है। लालू जी रेल मंत्री थे तो हर साल रेलवे के लिए 1132 करोड़ रुपए खर्च करते थे। मोदी जी ने साल 2025-26 के लिए 10 हजार 66 करोड़ का बजट रेल के लिए रखा है। मूसलाधार बारिश के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मंदिर की पहली ईंट रखी।

नीतिश कुमार ने कहा- बजट में बिहार को बहुत कुछ मिला

सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि हम अब लोगों को फ्री बिजली देने जा रहे हैं। मैंने सभी जिलों में जाकर देखा है, जहां कमी दिखी है उसे पूरा करेंगे। 430 नई योजनाओं की स्वीकृति की गई है। इसमें 50 हजार करोड़ रुपए लग रहे हैं। केंद्र सरकार ने बजट में बिहार का ध्यान रखा है। बाढ़ के लिए मदद की गई है। नीतिश कुमार ने कहा कि पहले बिहार में कुछ नहीं था। हम लोग आए तो हमने सभी लोगों के लिए काम करना शुरू किया। सीतामढ़ी के ही सूरजभान प्रसाद ने बताया कि इस मंदिर के विकास की बहुत जरूरत थी। मंदिर के निर्माण के बाद सीतामढ़ी का भी विकास होगा। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम नीतिश की भी तारीफ की। अयोध्या में राम मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा और उनके परिवार की देखरेख में ही मंदिर का निर्माण होगा।

ट्रम्प का भारत से ट्रेड डील पर बातचीत से इनकार

बोले-पहले टैरिफ का मसला सुलझे, तब ही होगी बात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से ट्रेड डील पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रम्प ने कहा कि जब तक टैरिफ विवाद का हल नहीं निकल जाता, बातचीत शुरू नहीं होगी। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भारत से ट्रेड डील पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल इसी महीने भारत आने वाला है। ट्रम्प भारत पर अब तक 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने 30 जुलाई को 25 फीसदी टैरिफ लगाया था, जो 7 अगस्त से लागू हो गया है। वहीं, 6 अगस्त को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और बढ़ा दिया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा।

ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि रूसी तेल की खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। रूस इस पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में कर रहा है। इधर, अमेरिकी विदेश विभाग ने 7 अगस्त की रात जारी बयान में भारत को एक रणनीतिक साझेदार बताया। मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने यह जानकारी दी।

यूपी में चलती बस पर पेड़ गिरा, 5 लोगों की मौत

बाराबंकी (एजेंसी)। यूपी के बाराबंकी में रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक टीचर और दो ब्लॉक की अधिकारी समेत 4 महिलाएं शामिल हैं। एक की हालत गंभीर है। हादसे से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें बस में फंसी एक महिला वीडियो बना रहे युवक पर भड़कती नजर आ रही है। महिला ने कहा- हम मर रहे हैं और आप वीडियो बना रहे हैं। अगर आकर पेड़ की डाल हटवाने में मदद करते, तो हम लोग बाहर निकल आते। 60 लोगों से भरी बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। शुक्रवार सुबह 11 बजे हरख चौराहे के पास बस के

अंदर फंसी महिला बोली-हम मर रहे,आप वीडियो बना रहे

सामने एक जानवर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में बस पहले बिजली के पोल से टकराई, फिर पेड़ से जा भिड़ी। इसके बाद पेड़ बस के ऊपर गिर गया। इसका भी वीडियो सामने आया है। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर राहगीर और आसपास के लोग जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। बुलडोजर बुलाकर पेड़ हटवाया। करीब डेढ़ घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। बस में सवार यात्रियों को पुलिस ने दूसरी बस से भेजा। पेड़ इतना भारी था कि बस की पूरी छत पिचक

गई। हादसे में मृतकों की पहचान बाराबंकी निवासी शिक्षा मल्होत्रा (टीचर), मीना श्रीवास्तव, जूही सक्सेना, रकीबुल निशा (55) और बस चालक संतोष सोनी(38) के रूप में हुई है। जूही सक्सेना हरख ब्लॉक में सहायक विकास अधिकारी (सांख्यिकी) थीं, जबकि मीना श्रीवास्तव हरख ब्लॉक में ही सहायक विकास अधिकारी (वेलफेयर) के पद पर तैनात थीं। बस हादसे में बचीं प्राथमिक स्कूल कुम्हारावा की टीचर शैल कुमारी वर्मा ने बताया- ट्रेनिंग का आज अंतिम दिन था। बीईओ सर का मैसेज आया था कि ट्रेनिंग में आना है। मैसेज के बाद ही हम लोग निकले थे। मेरे साथ शिक्षा मल्होत्रा जो कि कादीपुर स्कूल में तैनात थीं। टीचर आयूषी जो कि प्राथमिक स्कूल मंसारा में तैनात हैं। हम तीनों लोग साथ में ही बस में बैठे थे। मैं ड्राइवर के पीछे वाली सीट पर थी, शिक्षा मल्होत्रा चालक के पास केबिन वाली सीट पर बैठी थीं। हादसे के बाद मैंने सबसे पहले अपने पति को कॉल की। मैं पेड़ और बस की सीट के बीच में फंसी गई थी। मेरी पीठ पर गहरे घाव हो गए हैं। किसी तरह बच गई। करीब डेढ़ बाद हम लोग निकाले जा सके।

धराली त्रासदी

80 एकड़ से मलबा हटाने में 3 जेसीबी लगीं, 100-150 लोगों के दबे होने की आशंका

हाईटेक मशीनें पहुंचने में लगेंगे अभी और 4 दिन

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरकाशी के धराली गांव में आई आपदा का चौथा दिन था। अभी भी 100 से 150 लोग लापता हैं, वे मलबे में दबे हो सकते हैं। पूरी तरह से रेस्क्यू शुरू होने में 4 दिन का समय और लग सकते हैं। धराली के 80 एकड़ में 20 से 50 फीट तक मलबा फैला है। इसे हटाने के लिए सिर्फ 3 जेसीबी मशीनें लगी हैं। मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश के लिए हाईटेक थर्मल सेंसिंग उपकरण और बड़ी मशीनें चाहिए, लेकिन ये सभी 60 किमी दूर भटवाड़ी में रास्ता न खुलने की वजह से 2 दिन से अटका हुआ है। उत्तरकाशी से गंगोत्री तक एक ही सड़क है, जो धराली से गुजरती है। हर्षिल से धराली की 3 किमी की सड़क 4 जगह पर 100 से 150 मीटर तक खत्म हो चुकी है। भटवाड़ी से हर्षिल तक तीन जगह लैंडस्लाइड और एक पुल टूटा है। ऐसे में धराली तक सड़क खुलने में

3-4 दिन और लग सकते हैं। उत्तरकाशी जिले के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आ गई। तेज रफ्तार पानी के साथ आए मलबे ने 34 सेकेंड में धराली गांव को जमींदोज कर दिया था। अब तक 5 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। 70 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि सैटेलाइट से हादसे वाली जगह की पहले और बाद की तस्वीर क्लिक की गई। जिससे त्रासदी के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में काफी मदद मिली। उत्तरकाशी जिले से अब तक 566 लोग सुरक्षित निकाले गए हैं, जबकि धराली और हर्षिल में फंसे करीब 300 लोगों को बचाने का काम जारी है। राज्य सरकार के मुताबिक, सेना डॉग स्क्वॉड, ड्रोन और ग्राउंड-रेडार से खोज और बचाव कर रही है।

रेलवे लाइनों पर विशेष सफाई अभियान, 200 टन कूड़ा हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को कूड़े से आज़ादी अभियान के तहत दिल्ली नगर निगम ने आज रेलवे लाइनों पर बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पहल पर 1 अगस्त 2025 से शुरू हुए इस अभियान के सातवें दिन नगर निगम ने भारतीय रेलवे के सहयोग से पांच क्षेत्रों—मध्य, करोल बाग, सिविल लाइंस, नरेला और केशवपुरम—में स्थित रेलवे ट्रैक से लगभग 200 टन कूड़ा हटाया। अभियान के दौरान नरेला क्षेत्र के स्वतंत्र नगर रेलवे लाइन, केशवपुरम के जे.जे. कॉलोनी चौकी नंबर 4, अशोक विहार के लाल बाग, आजादपुर, मीत नगर, साबोली सहित कई स्थानों पर सघन सफाई की गई। साथ ही, आसपास के निवासियों को रेलवे ट्रैक पर कूड़ा न फेंकने की अपील करते हुए जागरूक किया गया। निगम ने नागरिकों से आग्रह किया कि कूड़ा केवल निगम के ऑटो टिपर या ढलाव घरों में ही डालें। नगर निगम का कहना है कि यह अभियान नागरिकों और विभिन्न हितधारकों के सहयोग से लगातार चल रहा है। सफाई में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम जनता भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है, जिससे यह पहल राजधानी में स्वच्छता की दिशा में एक जनआंदोलन का रूप ले रही है।

पश्चिम क्षेत्र में भव्य मेगा वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम क्षेत्र में नगर निगम द्वारा भव्य मेगा वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाना और नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना था। कार्यक्रम के दौरान बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया और सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर वातावरण को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उप महापौर जय भगवान यादव ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें और अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखें। अभियान में मेयर राजा इकबाल सिंह, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, आयुक्त अश्विनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त वीर सिंह यादव, उद्यान समिति के अध्यक्ष हरीश, वार्ड पार्षद शशी तलवार सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, समाजसेवी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

लूटपाट के मामले में पांच नाबालिग आरोपितों को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में उत्तर पश्चिमी जिले के महेन्द्रा पार्क थाना पुलिस ने लूटपाट के मामले में शामिल पांच नाबालिग आरोपितों को पकड़ा है। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन सेट और वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) भीष्म सिंह ने बताया कि आदर्श नगर निवासी शिकायतकर्ता जाकिर अली ने की ओर से दी गयी शिकायत में यह बताया गया था कि पांच अगस्त की रात करीब 9 बजे जब वह आज़ादपुर सब्ज़ी मंडी की ओर जा रहे थे, तभी पांच लड़के पीछे से आए और उनका मोबाइल फोन मांगा। जब उन्होंने इंकार किया, तो दो लड़कों ने उन्हें पकड़ लिया और तीसरे ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान चौथे लड़के ने उनकी जेब से मोबाइल निकाल लिया और सभी मौके से फरार हो गए। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरु की। पुलिस की टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे 20 से 25 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की गहनता से जांच की। हालांकि, वारदात स्थल पर कोई कैमरा नहीं था, लेकिन पास के टमाटर मंडी क्षेत्र से फुटेज प्राप्त हुई, जिसमें आरोपित वारदात के बाद भागते नजर आए। इसके बाद मंडी क्षेत्र के तमाम एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स की छानबीन की गई।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में एसएमसी चुनाव अब 19 अगस्त को

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 08 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के चुनाव एक बार फिर टाल दिए गए हैं। शिक्षा निदेशालय ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए नई तारीख 19 अगस्त तय की है। पहले ये चुनाव 6 अगस्त को होने थे। शिक्षा निदेशालय के अनुसार, अभिभावक 11 अगस्त तक सादे कागज पर नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन की जांच और अंतिम सूची 13 अगस्त तक जारी होगी, जबकि मतदाता सूची 14 अगस्त तक तैयार की जाएगी। मतदान 19 अगस्त को सुबह 8 से 11 बजे और दोपहर 1 से 4 बजे के बीच होगा।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू की नई परंपरा, जनसेवा सदन में सफाईकर्मियों को राखी बांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक नई परंपरा की शुरुआत की है। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम के सफाईकर्मियों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। यह कार्यक्रम जनसेवा सदन में रखा गया, जहां कई सफाईकर्मियों को बुलाया गया था। सीएम रेखा गुप्ता ने इन सफाईकर्मियों के हालचाल जाने और उन्हें राखी बांधी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ÷मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में पधारे स्वच्छताग्रहियों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। उन्हें राखी बांधी और हम सब ने साथ मिलकर 'स्वच्छ दिल्ली, सुंदर दिल्ली' के संकल्प को फिर से दोहराया।'

रेखा गुप्ता ने आगे लिखा, 'दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में स्वच्छताग्रहियों की सक्रियता सचमुच प्रशंसनीय है। ये न सिर्फ हमारी स्वच्छता मुहिम के सहभागी हैं, बल्कि उसकी असली ताकत, उसकी रीढ़ हैं। उनकी मेहनत दिल्ली को नया रूप देने का निस्वार्थ प्रयास है। उनके समर्पण और अथक प्रयासों को दिल से सलाम।' इस सम्मान से नगर निगम के सफाईकर्मी भी खुश नजर आए। इस मौके पर सफाईकर्मियों ने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि पहली बार मुख्यमंत्री ने सफाईकर्मियों का इतना मान सम्मान किया है।' एक कर्मचारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का भरोसा दिया है। सफाईकर्मियों की नई भर्ती के विषय पर भी बात हुई है।

दिल्ली सरकार ने 1 अगस्त से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय राजधानी में सफाई अभियान चलाया है। इसमें खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हिस्सा लिया। दिल्ली के लगभग सभी मंत्री और विधायक भी इस स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी दिल्लीवासियों से इस स्वच्छता अभियान में जुड़ने का अनुरोध भी किया। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हम सभी दिल्लीवासी 1 अगस्त से लेकर 31 अगस्त तक एक स्वच्छता अभियान चलाएंगे और दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाएंगे।

दिल्ली में प्रॉपर्टी टैक्स वसूली पर घोटाले का आरोप, कांग्रेस ने की जांच की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी सरकार और भारतीय जनता पार्टी, दोनों पर प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एमसीडी में निजी कंपनियों की एंट्री देकर नए घोटाले की तैयारी कर रही है, जिसकी नींव आम आदमी पार्टी पहले ही रख चुकी है। कांग्रेस ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष 2025 में एमसीडी ने 4000 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य रखा है, जबकि मौजूदा साल में करीब 13 लाख टैक्सदाताओं से 2,163 करोड़ रुपये ही वसूले गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुल 40 लाख संपत्तियां हैं, लेकिन निगम अब 27 लाख संपत्ति मालिकों को सर्वे के नाम पर परेशान कर नोटिस जारी करने की योजना बना रहा है, जिसका कांग्रेस विरोध करती है।

उन्होंने कहा कि 'संपत्तिकर निपटान योजना' के तहत पिछली वर्षों के ब्याज और पेनल्टी माफ करने और एकमुश्त भुगतान की शर्तों को भी समाप्त किया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि अवैध कॉलोनियों के सर्वे की तरह ही हर साल 500 से 1,000 करोड़ रुपये की संभावित अवैध वसूली हो रही है। कांग्रेस का कहना है कि एमसीडी को खुद सर्वे कराकर संपत्तियों का आंकलन करना चाहिए, न कि निजी कंपनियों के भरोसे रहना चाहिए जिनका उद्देश्य सिर्फ मुनाफा कमाना होगा।

यादव ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में एमसीडी की आय बढ़ाना चाहती है तो उसे पहले भ्रष्टाचार खत्म करना चाहिए और 2022 के संकल्प पत्र में किए वादों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि निगम को जियोस्पैटियल सर्विसेज लिमिटेड से डेटा लेकर अपनी क्षमता बढ़ानी चाहिए ताकि संपत्तियों की सही पहचान की जा सके।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि 2023 में लाई गई पाँचवीं म्युनिसिपल वैल्यूएशन कमेटी की रिपोर्ट में भी लक्ष्य से कम टैक्स वसूली के पीछे निगम में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया गया था। इस कमेटी में आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता एन.डी. गुप्ता के पुत्र नवीन एन.डी. गुप्ता भी सदस्य थे।

यादव ने चेतावनी दी कि नया वसूली लक्ष्य पिछले साल से लगभग 1,837 करोड़ रुपये अधिक है और यदि वसूली का ठेका निजी कंपनियों को दिया गया तो इसका 8-10 प्रतिशत, यानी करीब 184 करोड़ रुपये, सीधे निजी कंपनियों की जेब में जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह केजरीवाल सरकार ने शराब नीति में घोटाला किया, भाजपा भी प्रॉपर्टी सर्वे के नाम पर उसी मॉडल से घोटाले की तैयारी कर रही है। उनका कहना है कि इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है और महाराष्ट्र, राजस्थान और ओडिशा में भी भाजपा सरकारें इसी मॉडल पर भ्रष्टाचार कर रही हैं।

दिल्ली में आवारा पशुओं की समस्या पर कपिल मिश्रा और मेनका गांधी की बैठक, व्यापक सुधार योजना तैयार होगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में आवारा पशुओं, कुत्तों के काटने की घटनाओं और रेबीज़ नियंत्रण की गंभीर समस्या पर आज दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा सांसद व पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी के बीच विस्तृत बैठक हुई। बैठक में दिल्ली के सभी ज़ोनों के पशु कल्याण संगठनों, एनजीओ प्रतिनिधियों और नगर निगम अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत में मेनका गांधी ने एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि दिल्ली में अधिकांश एबीसी केंद्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। नसबंदी के बाद जानवरों की उचित देखभाल, घावों की निगरानी और टीकाकरण का फॉलो-अप समय पर नहीं किया जाता, जिससे संक्रमण और बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल पशु कल्याण का ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर मुद्दा है।

मेनका गांधी ने इस समस्या के समाधान के लिए कई सुझाव दिए

-नसबंदी के बाद सभी कुत्तों की माइक्रोचिपिंग अनिवार्य की जाए, ताकि उनकी निगरानी आसान हो सके।

-शहर में फीडिंग ज़ोन तय किए जाएं, जहां स्वयंसेवक और संगठन सुरक्षित तरीके से भोजन उपलब्ध करा सकें।

-अवैध पेट शॉप्स और बिना अनुमति के जानवरों की बिक्री पर सख्त रोक लगाई जाए।

-पशु चिकित्सकों और डॉग कैचर्स को विशेष प्रशिक्षण देकर मानवीय तरीके से पकड़ने और देखभाल करने की प्रक्रिया अपनाई जाए।

कपिल मिश्रा ने बैठक में आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता पर लेगी। उन्होंने कहा, 'हम ज़ोनवार एबीसी केंद्रों की समीक्षा करेंगे, अनुदान राशि बढ़ाएंगे, पारदर्शी डेटा रिपोर्टिंग की व्यवस्था करेंगे और कार्य की नियमित मॉनिटरिंग होगी। साथ ही, डॉग कैचर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रोग्राम शुरू किया जाएगा, ताकि उनकी कार्यशैली मानवीय और सुरक्षित हो।'

बैठक में यह भी तय हुआ कि नगर निगम और एनजीओ मिलकर एक संयुक्त कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिसमें अगले छह महीनों में चरणबद्ध तरीके से सुधार लागू किए जाएंगे। इसमें लक्ष्यों की स्पष्ट समयसीमा, जिम्मेदार विभाग और निगरानी तंत्र शामिल होगा। मेनका गांधी और कपिल मिश्रा दोनों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल इंसानों को कुत्तों के हमलों और बीमारियों से बचाना है, बल्कि जानवरों को भी सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन देना है।

नमो केंद्र प्रतिनिधिमंडल ने एआईयू महासचिव से की मुलाकात, शैक्षणिक अनुबंध पर चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान में भागीदारी और राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में नमो केंद्र ने अपने हालिया एवं आगामी प्रकाशनों, शोध परियोजनाओं और नीति, नेतृत्व एवं राष्ट्रीय विकास पर केंद्रित शैक्षणिक संवाद की जानकारी साझा की। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि शोध-आधारित थिंक टैंक और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच गहरे सहयोग की आवश्यकता है।

नमो केंद्र के अध्यक्ष प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा, ÷नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र 'राष्ट्र प्रथम' और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है। हम राष्ट्रनिर्माण और विकास के समर्थन में शैक्षणिक अनुसंधान और नीतिगत सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एआईयू के साथ हमारी यह बातचीत सार्थक और दूरदर्शी रही।÷ उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त सेमिनार, शोध फेलोशिप और पाठ्यक्रम-आधारित अध्ययन युवाओं व विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय विकास प्रक्रिया से जोड़ सकते हैं। सलाहकार परिषद के सदस्य श्री जावेद रहमानी ने एआईयू को 'राष्ट्रीय महत्व का केंद्र' बताते हुए कहा कि इस तरह के सहयोग से शिक्षा जगत को नई दिशा मिलेगी।

एआईयू महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने नमो केंद्र की शैक्षणिक पहल की सराहना की और कहा कि अनुसंधान संगठनों व शैक्षणिक संस्थानों की संयुक्त पहल शिक्षा, नवाचार और क्षमता निर्माण में भारत की प्रगति को और तेज कर सकती है।

बैठक में नमो केंद्र ने औपचारिक रूप से एआईयू के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव रखा। डॉ. मित्तल ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए नमो केंद्र को मसौदा एमओयू भेजने के लिए कहा, ताकि समिति द्वारा इसकी समीक्षा की जा सके। बैठक का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि दोनों संस्थान ज्ञान-आधारित पहलों पर मिलकर कार्य करेंगे, जिससे भारत के उभरते शैक्षणिक और नीति तंत्र को सशक्त बनाया जा सके।

गौरतलब है कि नमो केंद्र पहले ही दो केंद्रीय विश्वविद्यालयों और कई अन्य संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुका है।

यमुना उफान पर, खतरे के बावजूद खादर में 2,500 लोग घर छोड़ने को तैयार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के चलते यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और यह चेतावनी स्तर को पार कर चुका है। पूर्वी दिल्ली प्रशासन ने यमुना खादर में रह रहे करीब 2,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए चेतावनी दी है, लेकिन अधिकांश लोग घर छोड़ने से इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे तभी निकलेंगे जब पानी सीधे उनकी बस्ती में पहुंच जाएगा।

जून में प्रशासन और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त सर्वे किया था, जिसमें खादर में अवैध रूप से रह रहे लोगों की संख्या 20,000 से घटकर 2,500 रह गई। यह कमी उपराज्यपाल की सख्ती और डीडीए की कार्रवाई के बाद आई। इसके बावजूद कुछ लोग पुराने लोहे के पुल के नीचे, मयूर विहार और डीएनडी के पास झुग्गियों में रह रहे हैं।

बृहस्पतिवार सुबह से प्रशासन ने बोट और कर्मचारियों की मदद से मुनादी करवाई, लेकिन चेतावनी का असर नहीं दिखा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले साल की तरह पानी आने पर ही वे क्षेत्र खाली करेंगे, जबकि 2023 में आई बाढ़ में खादर की झुग्गियां डूब गई थीं।

एसडीएम प्रीत विहार संदीप यादव के मुताबिक, 14 स्थानों पर बोट और गोताखोर तैनात किए गए हैं। पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अमोल श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली में बाढ़ की आशंका नहीं है क्योंकि यमुना में पहले ही कट बनाकर पानी के बहाव को नियंत्रित किया गया है। हालांकि, जलस्तर 206 मीटर पहुंचने पर खादर के लोगों को अस्थायी शिविरों में शिफ्ट किया जाएगा और पुराना लोहे का पुल ट्रेन यातायात के लिए बंद कर दिया जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी पानी नदी के दायरे में है और खतरे की कोई तत्काल स्थिति नहीं है, लेकिन प्रशासन ने अपील की है कि समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएं ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

डूसू चुनाव में सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए डीयू के सख्त नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 08 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन ने डूसू (दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ) चुनावों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। अब एडमिशन के समय हर छात्र को एक हलफनामा देना होगा, जिसमें वह वादा करेगा कि चुनाव प्रचार के दौरान दीवारों पर लिखाई-पेंटिंग या किसी भी तरह की गंदगी नहीं करेगा। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय 1 लाख रुपये का मुचलका (बॉण्ड) भरना अनिवार्य होगा।

डीयू के रजिस्ट्रार विकास गुप्ता ने सभी कॉलेजों और विभागों को निर्देश दिए हैं कि इन नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। नए दिशा-निर्देश कानूनी प्रावधानों, अदालती आदेशों और लिंगदोह समिति की सिफारिशों पर आधारित हैं। यदि कोई उम्मीदवार या उसके समर्थक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते पाए जाते हैं, तो जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस पहल से छात्रों को शुरुआत से ही सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सकेगा। रैगिंग विरोधी हलफनामे की तरह यह नया हलफनामा भी एडमिशन के समय अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कॉलेज परिसर में चुनाव प्रचार सामग्री लगाने के लिए दो निर्धारित स्थान, जिन्हें 'लोकतंत्र की दीवार' कहा जाएगा, बनाए जाएंगे और उनका आकार बढ़ाया जाएगा। इन क्षेत्रों के बाहर पोस्टर लगाना, दीवार लेखन, रैलियां, लाउडस्पीकर और रोड शो करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

भाजपा पर 'फोटो सेशन' का आरोप, अंकुश नारंग बोले - एमसीडी में काम नहीं, सिर्फ दिखावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमसीडी में तैनात मृतक शिक्षकों के परिवारों और करुणा आधारित कर्मचारियों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा न सरकार चला पा रही है, न निगम। उन्हें केवल फोटो सेशन करना आता है।

नारंग ने आरोप लगाया कि भाजपा के मेयर राजा इकबाल सिंह 11 अगस्त को ढोल-नगाड़ों के साथ मृतक शिक्षकों के परिवारों को शिक्षक कल्याण कोष से मिलने वाली राशि देंगे और साथ ही करुणा आधारित कर्मचारियों को दोबारा नियुक्ति पत्र सौंपेंगे, जबकि ये लोग पहले ही 'आप' सरकार के समय नौकरी जॉइन कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, 'यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है कि मृत्यु जैसे संवेदनशील मामलों को भी भाजपा राजनीतिक प्रदर्शन का मंच बना रही है। जिन परिवारों के सदस्य 2016, 2018 और 2020 में गुजर चुके हैं, उन्हें अब जाकर यह राशि दी जा रही है और वह भी शोहरत बटोरने के अंदाज में।'

नारंग ने बताया कि 'आप' सरकार ने 2022 में शिक्षक कल्याण कोष को एकसमान किया था, जिसके तहत सभी शिक्षकों की तनख्वाह से सालाना रू.1,000 काटे जाते हैं और मृत्यु की स्थिति में परिवार को रू.7 लाख की सहायता मिलती है। भाजपा शासन के समय यह राशि उत्तर और पूर्वी एमसीडी में सिर्फ रू.5 लाख थी।

भाजपा की कार्यशैली पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, 'चार इंजन की सरकार के बावजूद दिल्ली जलभराव और गंदगी से जूझ रही है, लेकिन नाले-नालियों की सफाई की जगह भाजपा फोटो खिंचवाने में व्यस्त है।' उन्होंने चुनौती दी कि अगर भाजपा सचमुच काम करना चाहती है तो 'आप' सरकार की तरह 12,000 कर्मचारियों को तुरंत स्थायी करे और नई भर्तियां खोले।

नारंग ने कार्यक्रम को 'ड्रामा' बताते हुए कहा कि यह न तो मेयर को करना चाहिए और न ही एमसीडी के शिक्षा विभाग को। 'भाजपा को पुराने काम दोबारा दिखाने की बजाय जनता के लिए नए काम करने चाहिए,' उन्होंने कहा।

विजेंद्र गुप्ता ने स्कूली बच्चों और सामाजिक संस्था के साथ मनाया रक्षाबंधन, कहा – यह पर्व विश्वास, प्रेम और एकता का प्रतीक

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर दिल्ली विधानसभा में आज स्नेह और उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी स्थित तितिक्षा पब्लिक स्कूल के बच्चों और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सदस्यों के साथ यह पर्व धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम के दौरान तितिक्षा पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने श्री गुप्ता की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। उन्होंने बच्चों को उपहार भेंट किए और उन्हें निष्ठा एवं लगन से पढ़ाई कर देश के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। ब्रह्माकुमारी संस्था की सदस्यों ने भी विधानसभा अध्यक्ष को राखी बांधकर शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक उन्नति का संदेश दिया। श्री गुप्ता ने संस्था के समाज में नैतिक मूल्यों और एकता को बढ़ावा देने के योगदान की सराहना करते हुए कहा, 'रक्षाबंधन केवल परंपरा नहीं, बल्कि यह आपसी सम्मान, करुणा और प्रेमभाव बनाए रखने का संकल्प है। प्रेम ही सबसे बड़ी शक्ति है, और सच्ची रक्षा वही है जब हम ज़रूरत के समय एक-दूसरे के साथ खड़े हों।' अंत में, श्री गुप्ता ने दिल्लीवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और सभी से इस पर्व को प्रेम और आपसी सहयोग की भावना से मनाने का आग्रह किया। उन्होंने आशा जताई कि यह पर्व भाईचारे के बंधन को मजबूत करेगा और दिल्ली को सुरक्षित, प्रगतिशील एवं समावेशी बनाने की दिशा में प्रेरणा देगा।

धर्मवीर सोलंकी अस्पताल ने डीपीएल में संभाली खिलाड़ियों और दर्शकों की सेहत की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों और दर्शकों की सेहत की सुरक्षा अब धर्मवीर सोलंकी अस्पताल के जिम्मे है। लीग के आधिकारिक हेल्थ पार्टनर के तौर पर अस्पताल ने अरुण जेटली स्टेडियम में टूर्नामेंट के पूरे दौरान 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संभाल ली है। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. पंकज सोलंकी के नेतृत्व में अस्पताल की अनुभवी टीम मैदान और स्टैंड्स दोनों में मौजूद रहेगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल उपचार संभव हो सके। टूर्नामेंट के दौरान अब तक 02 अगस्त 2025 तक 347 लोगों को चिकित्सा सुविधा दी जा चुकी है। इसमें खिलाड़ियों से लेकर दर्शक तक शामिल हैं। डॉ. पंकज के मुताबिक, स्टेडियम के अलग-अलग हिस्सों में सात मेडिकल स्टेशनों की व्यवस्था की गई है और हर स्टेशन पर प्रशिक्षित डॉक्टर, नर्स और जरूरी मेडिकल उपकरण मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ एक अवसर नहीं, बल्कि एक चुनौती है जिसे हमारी पूरी टीम उत्साह के साथ निभा रही है। हमारी प्राथमिकता मैदान पर मौजूद हर व्यक्ति की सुरक्षा है।' खेल आयोजनों में समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता आयोजन की सफलता का अहम हिस्सा मानी जाती है। इस दृष्टि से यह साझेदारी न केवल डीपीएल के स्तर को बढ़ाती है, बल्कि दिल्ली में खेल और स्वास्थ्य सेवाओं के तालमेल का उदाहरण भी पेश करती है। 31 अगस्त 2025 तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान धर्मवीर सोलंकी अस्पताल की टीम चौबीसों घंटे तैयार रहेगी। डॉ. पंकज का मानना है कि यह कदम खेल संस्कृति में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है। उन्होंने कहा, 'यह पहल खेल देखने और खेलने का अनुभव सभी के लिए सुरक्षित और बेहतरीन बनाने के लिए है।'

कुलजीत सिंह चहल ने नवयुग स्कूल में बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने आज नवयुग स्कूल, मंदिर मार्ग में विद्यार्थियों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक रक्षाबंधन का पर्व मनाया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में शिक्षा निदेशक कृतिका चौधरी, विद्यालय की प्राचार्या, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। बच्चों ने स्वागत गीत और देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर माहौल को भावनाओं और उत्साह से भर दिया। रंग-बिरंगी राखियों से प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संदेश देते हुए विद्यार्थियों ने उपाध्यक्ष को राखी बांधी, जिसके बाद उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद स्वरूप चॉकलेट और उपहार वितरित किए। विद्यालय परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता को देखकर श्री चहल ने उनकी सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राखी केवल धागा बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी का उत्सव है जो प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करता है। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने शिक्षा निदेशक के साथ विद्यालय का निरीक्षण किया, शिक्षकों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। बच्चों ने कहा कि उपाध्यक्ष को राखी बांधना उनके लिए गर्व और सौभाग्य का क्षण था और उनका स्नेह इस पर्व को अविस्मरणीय बना गया।

आईएमएस गाज़ियाबाद में प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग पर मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन, देशभर से जुटे मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी के दिग्गज

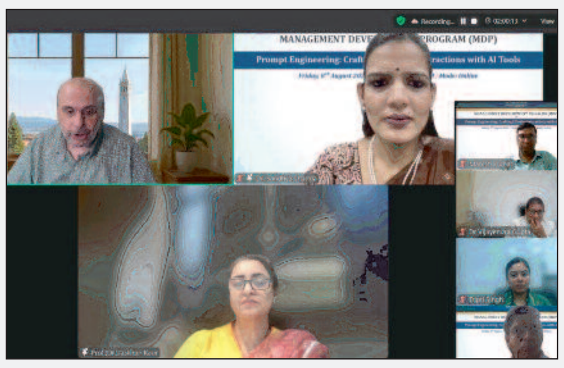

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस गाजियाबाद में एमडीपी सेल की ओर से प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग क्राफ्टिंग इफेक्टिव इंटरेक्शन्स विथ एआई टूल विषय पर भव्य मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में एआई की बढ़ती अहमियत, उसके सही उपयोग और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के जरिए प्रभावी परिणाम पाने की तकनीकों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि आने वाले वर्षों में शिक्षा, रिसर्च से लेकर बिजनेस तक हर क्षेत्र में एआई की मौजूदगी महसूस होगी, ऐसे में तकनीकी समझ और सही प्रॉम्प्ट तैयार करने की कला सबसे बड़ा कौशल बन जाएगी। सत्र में जेनेरेटिव एआई के कार्य, उसके विश्लेषणात्मक पहलू और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के व्यावहारिक प्रयोगों को भी विस्तार से समझाया गया। देश के हैदराबाद, जयपुर, मेरठ, दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, गौतम बुद्ध नगर, गुरुग्राम और रायपुर सहित कई शहरों से 150 से अधिक मैनेजर, प्रोफेशनल, शिक्षक, शोधकर्ता और विद्यार्थी इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में शामिल हुए। उद्घाटन आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया, निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर तथा मुख्य अतिथि और वक्ता रोहित गुप्ता, जॉन गोडेल, महेश चंद, स्टेफेन साइमन और विपुल जैन ने किया। संचालन डॉ. तृप्ति सिंह, डॉ. संध्या शर्मा, प्रो. मनीष कुमार और प्रो. आशीष भटनागर ने संभाला। समापन पर डॉ. तृप्ति सिंह ने सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का आभार जताया। मेरा युवा भारत का पर्यावरण प्रेम, हापुड़ में एक पेड़ माँ के नाम पहल से गूंजा आईएमआईआरसी कॉलेज परिसर

मेरा युवा भारत का पर्यावरण प्रेम, हापुड़ में एक पेड़ माँ के नाम पहल से गूंजा आईएमआईआरसी कॉलेज परिसर

हापुड़ (शिखर समाचार) धरती माँ और जननी को एक साथ सम्मान देने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत (माई भारत) हापुड़ इकाई ने शुक्रवार को आईएमआईआरसी कॉलेज भैंना में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का भव्य आयोजन किया। मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र सिंह तोमर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। माई भारत गाज़ियाबाद के उपनिदेशक देवेंद्र कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के मार्गदर्शन में चल रहे इस राष्ट्रीय अभियान के मूल भाव को साझा करते हुए कहा कि माँ की ममता और पेड़ की छाया दोनों जीवन को संवारते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि पौधारोपण सिर्फ संख्या बढ़ाने का कार्य नहीं, बल्कि यह प्रकृति और मातृत्व को नमन करने का अवसर है। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया गया। महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. तोमर ने घोषणा की कि जिन छात्र-छात्राओं ने लगाए गए पौधों की संपूर्ण देखरेख की जिम्मेदारी निभाई, उन्हें पढ़ाई पूर्ण होने पर विशेष सम्मान मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता में हिमिशा ने प्रथम, पायल चौहान ने द्वितीय और शालू ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन पर सभी अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट किए गए और उपस्थित युवाओं व गणमान्य लोगों ने सामूहिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की सफलता में रविंद्र, तालिब और सौरभ का विशेष योगदान रहा, जबकि संचालन प्रकाश तिवारी ने कुशलता से संभाला।

नोएडा में साइबर ठगों का बड़ा खेल, महिला से 42.50 लाख उड़ाए

नोएडा (शिखर समाचार) जलवायु विहार निवासी एक महिला को शेयर बाजार में निवेश से मुनाफा कमाने का सपना दिखाकर साइबर ठगों ने 42.50 लाख रुपये की भारी चपत लगा दी। आरोपियों ने व्हाट्सएप के जरिए महिला से संपर्क साधा, विश्वास में लिया और धीरे-धीरे मोटी रकम हड़प ली। रकम मिलते ही ठगों ने सभी संपर्क तोड़ डाले। पीड़िता के पति रजनीश कुमार त्रिपाठी के अनुसार अगस्त 2024 में शुरू हुई बातचीत में आरोपियों ने खुद को एक नामी कंपनी से जुड़ा बताते हुए महिला को शेयर बेचने और निवेश पर ऊंचा रिटर्न दिलाने का भरोसा दिलाया। लालच में आकर महिला ने कई किस्तों में रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिन बैंक खातों में पैसे भेजे गए, उनकी बारीकी से पड़ताल की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कुछ संदिग्धों की पहचान हो चुकी है और जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई हो सकती है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

काकोरी ट्रेन एक्शन महोत्सव का समापन, देशभक्ति के जज्बे से गूंजा हिन्दी भवन

गाज़ियाबाद(शिखर समाचार)। हिन्दी भवन में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन महोत्सव का समापन समारोह देशभक्ति के रंग में सराबोर माहौल के बीच सम्पन्न हुआ। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

मुख्य अतिथि सदर विधायक संजीव शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. सन्तोष कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक प्रदीप कुमार पाण्डेय और सिविल डिफेंस चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत पौधा व प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। आयना डांस एकेडमी की सरस्वती वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित प्रभावशाली नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय की छात्राओं ने नए भारत का चेहरा गीत पर नृत्य और वंदे मातरम् की प्रस्तुति देकर तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि देश को आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों की शहादत अमर है। उनके आदर्श हमें सदैव राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते रहेंगे। मयंक गोयल ने कहा कि क्रांतिकारियों की कुर्बानियों से ही आज हम आजाद हैं, हमें ईमानदारी और निष्ठा से देश की सेवा करनी चाहिए।

समापन पर छात्राओं ने अतिथियों अधिकारियों और सुरक्षा बलों के जवानों को राखी बांधकर भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा श्रीवास्तव और डॉ. पूनम शर्मा ने किया। सहयोगियों व अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

नगर आयुक्त ने शहर के विकास कार्यो को लेकर पार्षदों से की चर्चा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर पार्षदों ने नगर आयुक्त से मुलाकात करते हुए शहर के विकास कार्यों पर चर्चा की, जिसमें आंतरिक वार्डों में होने वाले कार्यों को लेकर रफ्तार से करने के लिए मांग की गई। पार्षदों ने निगम की आय बढ़ाने को लेकर भी वार्ता की, जिसमें 20% बढ़ाई गई छूट की अवधि पर पार्षदों ने संयुक्त रूप से प्रसन्नता जाहिर की। गाजियाबाद नगर निगम की हाउस टैक्स वसूली को लेकर भी सभी पार्षदों तथा निगम अधिकारियों के बीच मंथन हुआ। मौके पर पार्षद गौरव सोलंकी, पार्षद हिमांशु शर्मा पार्षद नीरज गोयल, पार्षद पवन गौतम, पार्षद संतोष, पार्षद शिवम शर्मा, पार्षद देवनारायण शर्मा, पार्षद सुधीर, पूर्व पार्षद जाकिर सैफी पवन गौतम व अन्य उपस्थित रहे। नगर निगम के द्वारा सभी वार्डों में विकास कार्य जारी है, जिनको रफ्तार देने के लिए हाउस टैक्स की वसूली भी बेहद जरूरी है। पार्षदों तथा निगम अधिकारियों द्वारा चर्चा करते हुए करदाताओं को सहूलियत देने के फैसले को सही बताया। बैठक में नगर निगम की आय बढ़ाने के लिए सभी पार्षदों द्वारा अपना-अपना पक्ष भी रखा गया। नगर निगम पर किसी प्रकार की देनदारी ना बढे और धन उपलब्धता हो इसके लिए सभी अधिकारियों को मांग पत्र एकत्रित करने के निर्देश दिए गए। मौके पर अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, नगर स्वास्थ्य प्रभारी डॉ मिथिलेश व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे, जिनको सभी वार्डों में प्रकाश, जल कल, स्वास्थ्य तथा निर्माण संबंधित कार्यों पर विशेष ध्यान देने तथा निरीक्षण करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

शिवा पाठशाला में तिरंगे के रंग, प्रभात फेरी और देशभक्ति गीतों से गूंजा माहौल

हापुड़ (शिखर समाचार) नगर क्षेत्र के कलेक्टर गंज स्थित शिवा प्राथमिक पाठशाला में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के तहत देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। बीएसए के निर्देश पर आयोजित इस अवसर पर प्रभात फेरी, तिरंगा रैली और विभिन्न सांस्कृतिक-शैक्षिक प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आईआईए चैप्टर अध्यक्ष पवन शर्मा और पूर्व अध्यक्ष शान्तुन सिंघल ने विद्यालय प्रांगण से प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा थामे नन्हें कदमों ने क्षेत्र की गलियों में वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारे गूंजाए। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने भी इन नारों के बीच बच्चों के उत्साह का स्वागत किया। रैली के बाद विद्यालय में काकोरी कांड पर आधारित लघु नाटिका, सामूहिक नृत्य और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां हुईं। पवन शर्मा और शान्तुन सिंघल ने बच्चों को 9 अगस्त 1925 की उस ऐतिहासिक घटना का स्मरण कराया, जब क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खजाने को ट्रेन से लूटकर स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी थी। प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल इतिहास की स्मृतियों को जीवित रखते हैं, बल्कि बच्चों में त्याग, बलिदान और देशप्रेम की भावना को भी सशक्त करते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत राखी निर्माण, सैनिक व पुलिसकर्मियों के लिए आभार पत्र लेखन, चित्रकला, पोस्टर प्रतियोगिता और स्वतंत्रता संग्राम व तिरंगे पर प्रश्नोत्तरी आयोजित हुई। सभी प्रतिभागियों को उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आंचल सिंघल, डॉ. हरजीत कौर, नीतू नारंग, सुमन, सोनिया, लक्ष्मी सहित विद्यालय स्टाफ और अभिभावक मौजूद रहे।

प्रताप विहार स्थित एसएसके पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने गाजियाबाद के थाना विजयनगर पुलिस संग मनाया रक्षाबंधन, सुरक्षा और स्नेह का अनूठा संगम

गाजियाबाद (शिखर समाचार) प्रताप विहार स्थित एसएसके पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व इस बार कुछ अलग अंदाज में मनाया गया, जब विद्यालय की होनहार छात्राओं श्रृष्टि, सान्या, अक्षरा, जानवी और ट्विंकल ने विजयनगर थाना के समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपना संरक्षक मान सम्मान दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने थाना विजयनगर प्रभारी निरीक्षक शशि चौधरी की कलाई पर भी राखी बांधी और उनसे हर समय सुरक्षा का वचन लिया, वहीं पुलिस अधिकारियों ने पूरे थाना क्षेत्र में शांति, सौहार्द और जनता की सेवा के प्रति अपने संकल्प को दोहराया।

इस विशेष आयोजन में विद्यालय के शिक्षक चेरी कपूर, सचिन कुमार और शिखा सोलंकी ने छात्राओं के साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। विद्यालय प्रबंधन से गुलशन कुमार (प्रबंधक), डॉ. कमल भाम्बरी (समूह चेयरमैन) और निकीता के. तनेजा (निदेशक) ने भी अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल राखी का पारंपरिक उत्सव मनाना नहीं था, बल्कि इसका मकसद विद्यार्थियों को यह एहसास कराना था कि पुलिस समाज की सुरक्षा के लिए सतत कार्यरत है और हर नागरिक निडर होकर अपनी समस्या लेकर पुलिस के पास आ सकता है। मौके पर अधिकारियों ने बच्चों को समझाया कि पुलिस और जनता के बीच संवाद और सहयोग का रिश्ता समाज को मजबूत बनाता है।

छात्राओं ने स्वयं अपने हाथों से सुंदर राखियां तैयार कीं और मुस्कुराते हुए पुलिसकर्मियों की कलाई पर बांध दीं। इससे थाने का माहौल कुछ पलों के लिए भाईचारे, विश्वास और अपनत्व की भावना से सराबोर हो गया। ऐसे आयोजन न केवल त्योहार की सांस्कृतिक महत्ता को नई ऊंचाई देते हैं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच भरोसे की डोर को और मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। रक्षाबंधन के इस मिलन ने यह संदेश दिया कि जब स्नेह के धागे सुरक्षा के वचन से बंधते हैं, तो समाज में शांति और सौहार्द की नींव और गहरी हो जाती है।

नेशनल हाईवे-9 पर चाइनीज मांझे का कहर, नौकरी से लौट रहे युवक की गर्दन कटी, बाल-बाल बची जान

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना पिलखुवा क्षेत्र के नेशनल हाईवे-9 पर शुक्रवार शाम घर लौट रहे बाइक सवार युवक की जिंदगी उस समय खतरे में पड़ गई, जब अचानक चाइनीज मांझा उसकी गर्दन पर लिपट गया। तेज धारदार मांझे ने गर्दन पर गहरा जख्म बना दिया, जिससे वह खून से लथपथ हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने चार टांके लगाए। मिली जानकारी के मुताबिक पिलखुवा के हैदरनगर निवासी नदीम गांव गालंद में नौकरी करता है। रोजाना की तरह शुक्रवार को भी वह ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह छिजारसी टोल प्लाजा से पहले पहुंचा, एक पतंग का चाइनीज मांझा हवा में लहराते हुए उसकी गर्दन में फंस गया। रफ्तार में चलते हुए बाइक पर मांझा लगते ही उसकी चीख निकल गई और वह लहूलुहान होकर संभलने की कोशिश करने लगा। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से बातचीत की। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद शनिवार सुबह उसे घर भेज दिया।

इधर संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय बंसल अकेला ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पतंग उड़ाने का शौक पुराना है, लेकिन चाइनीज मांझा जानलेवा साबित हो रहा है। इसकी वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन और पुलिस से मांग की कि इस घातक मांझे की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाते हुए बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी की जान इस खतरनाक खेल की भेंट न चढ़े।

गढ़मुक्तेश्वर के खादर में गंगा का जलस्तर बढ़ने से बढ़ा बाढ़ का खतरा, कई गांव पानी से घिरे, प्रशासन सतर्क

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) पहाड़ी इलाकों में हो रही तेज बारिश और बादल फटने की घटनाओं का असर अब गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में साफ दिखाई देने लगा है। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ते हुए खतरे के निशान तक पहुंच गया है, जिससे खादर क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बनने लगे हैं। कुदैनी की मढैया, चक लठीरा, नयाबांस, बख्तावरपुर सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के रास्तों और जंगलों में पानी भर चुका है। निचले इलाकों में बसे घरों तक पानी पहुंचने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। पशुओं के चारे की कमी का डर अब सिर पर मंडराने लगा है।

ब्रजघाट के पास गंगा पार जंगल में स्थित गंगानगर गांव पूरी तरह पानी से घिरकर टापू में बदल गया है। यहां पहुंचने के लिए प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीमें नाव का सहारा ले रही हैं। अधिकारियों ने गांव का दौरा कर हालात का जायजा लिया और लोगों को सभी तरह की सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया। मैदानी और पहाड़ी दोनों ही क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला जारी रहने से जलस्तर में लगातार इजाफा हो रहा है। प्रशासन ने पहले ही एहतियात के तौर पर गढ़ क्षेत्र में पांच बाढ़ चौकियां स्थापित कर दी हैं और तहसील में कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिया गया है। जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय व एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर चुके हैं और गढ़ तहसील प्रशासन को गंगा के जलस्तर व संभावित बाढ़ की स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीएम, तहसीलदार और सीओ सहित स्थानीय प्रशासनिक टीम लगातार गांव-गांव का दौरा कर रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। ट्रैक्टर, भैंसा बुग्गी और नाव जैसे साधनों से गांवों तक पहुंच बनाकर लोगों से संवाद किया जा रहा है।

हालांकि फिलहाल हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन यदि जलस्तर में और वृद्धि हुई तो गंगा खादर के इन गांवों में बाढ़ का खतरा गंभीर रूप ले सकता है। प्रशासन ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और आवश्यक होने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की अपील की है।

बच्ची की जिद पर सीएम योगी ने खाई मिठाई

राखी बंधवाई, सेल्फी ली, सीएम बोले- रक्षाबंधन पर स्वदेशी सामान खरीदें, चाहे महंगे मिलें

संवाददाता

लखनऊ। सीएम योगी ने बच्चियों से राखी बंधवाई। इस दौरान एक बच्ची ने उनसे मिठाई खाने की जिद की। इसके बाद सीएम मुस्कुराए और मिठाई खाई। सीएम ने बच्चियों को चॉकलेट दीं। सीएम के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य भी थे। उन्होंने भी राखी बंधवाई और बच्चियों को पैसे दिए। योगी शुक्रवार को काकोरी एक्शन शताब्दी समापन समारोह में केशव मौर्य के साथ पहुंचे थे। उन्होंने अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा- अगर हम विदेशी वस्तुएं खरीदेंगे तो वह पैसा कहीं न कहीं आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा देता है। इसीलिए हमें स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदनी चाहिए। आने वाले रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दिवाली और अन्य त्योहारों पर उपहार और जरूरत का सामान सिर्फ स्वदेशी खरीदें, चाहे वह महंगे ही क्यों न हों। यह देश की अर्थव्यवस्था और कारीगरों के लिए वरदान होगा। स्कूल की प्रधानाध्यापक अंजलि सक्सेना ने बताया कि मेरे विद्यालय के बच्चों द्वारा सीएम जी को राखी बांधी गई। मेरे लिए गर्व की बात है। सभी स्टाफ बहुत खुश है। हमें एक अच्छा मौका मिला है। बच्चों ने योगी जी को तिरंगा वाली राखी बांधी है। चिया और अश्वनी काकोरी ब्लाक की प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 3 की छात्र हैं। गांव के ही खुशहाल गंज सरकारी स्कूल में दोनों पढ़ने जाती हैं। चिया के पिता मजदूरी करते हैं। वहीं दूसरी बच्ची अश्वनी के पिता भी मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। माता राजेश्वरी हाउसवाइफ हैं। क्रांतिकारियों के सम्मान व्यक्त करते हुए हमारी सरकार ने यह तय किया कि मलिहाबादी आम को पूरी दुनिया में पहुंचाएंगे। यह काकोरी ब्रांड के रूप में सबको काकोरी कांड की याद दिलाएगा। योगी ने कहा- यह अवसर है हमारे बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने का। 15 अगस्त पर हर घर तिरंगा झंडा होना चाहिए। हमें बलिदानियों के प्रति कृतज्ञ रहने के साथ महात्मा गांधी के स्वदेशी

अपनाओ आंदोलन को भी आगे बढ़ाना है। महात्मा गांधी ने जो मंत्र दिया, उसी पर हमें चलते हुए केवल स्वदेशी अपनाना है। मुख्यमंत्री ने मेरठ, झांसी, गोरखपुर और लखनऊ जैसे शहरों में क्रांति की अलख जगाने वाले वीरों को याद किया। कहा कि प्रदेश सरकार शहीद स्मारकों के संरक्षण का कार्य लगातार कर रही है। हर घर तिरंगा अभियान की शुभकामनाएं देते हुए कहा- हमारा दायित्व है कि तिरंगा हर घर पर लहराएं और राष्ट्रभक्ति हर दिल में बसे। हमें उन्हें याद रखना है जिनके बलिदान से हम आजाद हुए।ह्व सीएम योगी ने कहा कि अगर हम विदेशी वस्तुएं खरीदेंगे तो वह पैसा कहीं न कहीं आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा देता है। इसीलिए हमें स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदनी चाहिए। आने वाले रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दीपावली और अन्य त्योहारों पर उपहार और जरूरत का सामान सिर्फ स्वदेशी खरीदें। चाहे वह महंगे ही क्यों न हो। यह देश की अर्थव्यवस्था और कारीगरों के लिए वरदान होगा। मंच पर सीएम योगी और डिप्टी सीएम केशव मौर्य को विधायक ओपी श्रीवास्तव, बीकेटी के विधायक योगेश शुक्ला, मलिहाबाद की विधायक जय देवी ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भेंट की। साथ ही काकोरी एक्शन प्लान का लोगो भी भेंट किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- हमारे वीरों ने आजादी दिलाई। उन्हें भूलकर 14 अगस्त को अलग पाकिस्तान की मांग की गई। देश का विभाजन हो गया। उन्होंने आह्वान किया कि 14 अगस्त को विभाजन दिवस मनाना है ताकि विभाजन की याद बनी रहे। उसके अगले ही दिन 15 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकालकर स्वतंत्रता दिवस भी मनाना है। काकोरी में स्वतंत्रता सेनानियों ने ट्रेन कैसे लूटी थी, कलाकार इसका मंचन कर रहे हैं। सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, मेयर सुषमा खर्कवाल सहित कई अतिथि मौजूद हैं। समारोह में काकोरी शौर्य कांड पर आधारित नाटक दिखाया जा रहा है। इसमें वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने कैसे घटना को अंजाम दिया, इसका प्रदर्शन किया जा रहा है। समारोह स्थल को तिरंगे की थीम पर सजाया गया है। यहां कलाकार काकोरी एक्शन प्लान के 100 साल पूरे होने की थीम के गीत पर अतिथियों के सामने नृत्य प्रस्तुत कर रहे हैं। सीएम सहित सभी अतिथियों के सामने स्कूली बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। इस दौरान कई तरह के करतब भी दिखाए। सीएम योगी ने बच्चों के साथ सेल्फी ली। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक ओपी श्रीवास्तव, बीकेटी के विधायक योगेश शुक्ला, मलिहाबाद की विधायक जय देवी, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सीएम के साथ राज्य के संस्कृति मंत्री, प्रमुख सचिव संस्कृति, वरिष्ठ इतिहासकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम स्थल को देशभक्ति के रंगों में रंगा गया है और हर कोना तिरंगे, पुष्प और क्रांतिकारियों की छवियों से सुसज्जित है। समारोह में 'काकोरी के शेर' नामक नाटक, स्कूली बच्चों की रंगारंग प्रस्तुति, वीर रस से ओतप्रोत कविता पाठ और बैंड परेड दर्शकों को स्वतंत्रता संग्राम की उस ज्वाला से जोड़ेंगे, जिसने ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला दी थी।

पुनर्निरीक्षण नीतिः माकपा ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पदाधिकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा और चुनाव आयोग के मतदाता पुनर्निरीक्षण नीति प्रक्रिया पर रोक की मांग की। शुक्रवार को माकपा के जिलामंत्री कामरेड अयोध्यालाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी तहसील मुख्यालय पहुंचे और अपना ज्ञापन उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। जहां बहुमत के आधार पर अपने जन प्रतिनिधि को चुनने का अधिकार सबको है। नागरिकता एक ऐसा मुद्दा है जिसपर चुनाव आयोग को नहीं गृह मंत्रालय को फैसला लेना है। कोई व्यक्ति नागरिक है या नहीं यह निर्णय गृहमंत्रालय का है न कि चुनाव आयोग का। जन प्रतिनिधित्व कानून के तहत किए जाने वाले संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण मतदाता को हटाना है इसी कानून के तहत मौतों की पुष्टि की अलावा मतदाताओं को नाम हटाने के तमाम प्रस्तावित मामलों में एक नोटिस दिया जाता है ताकि उसे सुनवाई का एक उचित अवसर मिले। विज्ञप्ति में आग्रह किया कि मतदाता बनने या बने रहने के लिए जो 11 दस्तावेज तय है। उसमें से कोई एक दस्तावेज रखा जाय जो मतदाता के लिए 2025 से पहले तय है। माकपा चुनाव आयोग की इस लोकतांत्र विरोधी कार्यवाही का विरोध करती है और उक्त प्रक्रिया पर रोक की मांग करती है ताकि बिहार की तरह से लाखों लोगों को मतदाता सूची से बंचित न किया जाय। इस दौरान एडवोकेट विजय कुमार श्रीवास्तव, बीपी गुप्ता, गेंदा सिंह, इदरीश सिद्दकी, जवाहर शर्मा, कैलाश गिरी, राजेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

बौद्ध संग्रहालय में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का हुआ समापन

संवाददाता

कुशीनगर। जिला प्रशासन के निर्देशन में राजकीय बौद्ध संग्रहालय, संस्कृति विभाग द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम में काकोरी ट्रेन एक्शन की भूमिका पर एक संगोष्ठी और छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुद्ध इंटरमीडिएट कॉलेज, कुशीनगर के प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय व मुख्य वक्ता बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के हिंदी विभाग के

विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव तिवारी ने अपने उद्बोधनों में काकोरी ट्रेन एक्शन के शहीदों के योगदान और इस घटना के ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस तरह इस एक्शन ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक नई ऊर्जा का संचार किया था। इस अवसर पर, काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े क्रांतिकारियों के जीवन परिचय, उनके हस्ताक्षर और उन्हें दी गई सजा के अभिलेखों की छायाप्रतियों को एक छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाया गया। अतिथियों का स्वागत संग्रहालय के तेज प्रताप शुक्ला ने किया और कार्यक्रम का संचालन तरुण शुक्ला ने सफलतापूर्वक किया। इस आयोजन में बीआईसी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ संग्रहालय के हिमांशु, धीरेंद्र मिश्रा, दिनेश दुबे, बेग ललित उपस्थित रहे।

संजीव कुमार गुप्ता व उपेंद्र गोयल ने मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल को दी बधाई

औद्योगिक समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी सौंपा

संवाददाता

लखनऊ। दो दिनी प्रवास के दौरान कई मंत्रालयों से किया संपर्क, समाधान को लेकर दिखा सकारात्मक रुख लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के नए मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल को पदभार ग्रहण करने पर गाजियाबाद के उद्योग जगत की ओर से शुभकामनाएं दी गईं। समरकूल ग्रुप के चेयरमैन एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, उद्योग मंच के प्रदेश अध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता और ऑल इंडिया इंडस्ट्रियलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष उपेंद्र गोयल ने लखनऊ सचिवालय पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य सचिव को बधाई दी। इस अवसर पर दोनों ने प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों, विशेषकर गाजियाबाद के उद्यमियों की समस्याओं से जुड़ा एक विस्तृत ज्ञापन भी मुख्य सचिव को सौंपा। संजीव कुमार गुप्ता और उपेंद्र गोयल बीते दो दिनों से लखनऊ प्रवास पर हैं और इस दौरान उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों एवं मंत्रियों से मुलाकात कर औद्योगिक समस्याओं और निवेश माहौल को लेकर सार्थक चर्चा की। संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि गाजियाबाद सहित प्रदेश के सभी औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। लखनऊ में हुई चचाओं से स्पष्ट है कि शासन स्तर पर इन मुद्दों को गंभीरता से लिया जा रहा है। वहीं, उपेंद्र गोयल ने बताया कि कई वर्षों के बाद अब संगठन सक्रियता के साथ उद्योग जगत की समस्याओं को उचित मंच पर रख रहा है और इसके सकारात्मक नतीजे सामने आने लगे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी। औद्योगिक जगत का मानना है कि शासन-प्रशासन के साथ इस तरह का सीधा संवाद न सिर्फ नीतियों में सुधार लाएगा, बल्कि निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा।

महिला ने ज्वेलरी शोरूम से उड़ाए सोने के झुमके

लखनऊ। ज्वेलरी के शोरूम से झुमके चुराने का सीसीटीवी सामने आया है। एक महिला खरीदारी के बहाने शोरूम में पहुंची। दुकानदार का ध्यान भटकाकर झुमके नीचे जमीन पर गिरा दिया।उसके बाद चुपके से उसे उठाकर चुपचाप निकल गई। पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना गाजीपुर थाना क्षेत्र में स्थित भूतनाथ मार्केट की रिद्धि ज्वेलर्स की है। शोरूम में ग्राहक बनकर पहुंची महिला 1 ग्राम सोने की एक जोड़ी झुमके चोरी करके चली गई। दुकानदार ने थाने में इसकी शिकायत की। पुलिस ने फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गाजीपुर क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले भूतनाथ मार्केट की रिद्धि ज्वेलर्स का शोरूम है। गुरुवार शाम 6 बजे एक महिला ग्राहक बनकर शोरूम में पहुंची। उसने दुकानदार से झुमके दिखाने को कहा। शोरूम ने ट्रे में रखकर उसे झुमके दिखाने शुरू किए। इस दौरान दुकानदार दूसरे गहने निकालने में भी व्यस्त हो गया। महिला ने इसका फायदा उठाते हुए दुकानदार का ध्यान भटका दिया। मौका पाकर 1 ग्राम सोने की 1 जोड़ी झुमके चुरा लिए। उसके बाद बिना खरीदारी किए शोरूम से चली गई। महिला के जाने के बाद दुकानदार को 1 जोड़ी झुमके कम मिले तो उसने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की।

संस्कार-संगम द्वारा कजरी महोत्सव का भव्य आयोजन

संवाददाता

कुशीनगर। परंपरागत लोककलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से कार्यरत अखिल भारतीय सांस्कृतिक संस्था संस्कार-संगम द्वारा कजरी महोत्सव में पारंपरिक कजरी गीतों की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। रविवार को नगर के चित्रतुली मोहल्ले स्थित डॉ. अंबरीश विश्वकर्मा के आवास पर सावन की मनोहारी संध्या में आयोजित कार्यक्रम में का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रों के साथ हुआ। मुख्यअतिथि प्राचार्य डॉ. रविशंकर प्रताप राव ने कहा कि "कजरी हमारी सांस्कृतिक विरासत है, जिसमें स्त्री मन की पीड़ा, प्रेम और प्रकृति झ तीनों का मधुर संगम होता है। कजरी केवल गीत नहीं,

लोक का जीवंत दस्तावेज है।" विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रवक्ता श्री सुरेश गुप्त ने कहा कि "पूर्वी भारत की आत्मा मानी जाने वाली कजरी आज भी गांव की चौपालों, आंगनों और मेड़ों पर जीवित है। ऐसे आयोजन लोकगायन की परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं।" कार्यक्रम में डॉ. अंबरीश विश्वकर्मा ने "काहे तोरे बैरी भईल सईंया." जैसी विरहपूर्ण कजरी से कार्यक्रम की भावभूमि तैयार की। दिनेश तिवारी भोजपुरिया' ने "झूला झुलइबर ना राजा जी आम के डारि पे..." सुनाकर श्रोताओं को गुदगुदाया। सुनंदा शर्मा की प्रस्तुति "नैहर से जियरा हमार मुरझाइल बा..." ने हर किसी की आंखें नम कर दीं। निधि शर्मा ने "बरसन लागल बदरिया सावन की..." जैसी कोमल कजरी से सावन की अनुभूति कराई। वंदना मद्धेशिया ने "कजरी गावत घर-घर गोरिया..." प्रस्तुत कर ग्रामीण लोकजीवन को मंच पर उतार दिया। सरिता मिश्रा की रचना "अइहर पिया अबकी बरस में..." ने प्रेमभाव को जीवंत किया। किरण जयसवाल ने "झूला पड़े नीम के डाली..." गाकर सावन की झूलती हवा को स्वर दिए। सुनंदा विश्वकर्मा को उत्कृष्ट गायन के लिए सम्मानित किया गया। अध्यक्षता कर रहे कृष्णमुरारी धर द्विवेदी ने कहा, "कजरी लोकजीवन की आत्मा है। इसके माध्यम से नारी संवेदना, ऋतु-वेदना और प्रकृति का सौंदर्य प्रकट होता है।" संचालन शिक्षक राजू मद्धेशिया ने भावपूर्ण शैली में किया।कार्यक्रम का समापन सामूहिक कजरी गायन "अइह पिया सावन में..." से हुआ। इस अवसर पर राम नारायण जायसवाल, रमेश मद्धेशिया, अमित मिश्रा, धनंजय राव, धीरज जायसवाल, मनोज सिंह, विवेक विश्वकर्मा, एवं सुभाष मद्धेशिया सहित लोकसंगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन उत्सव

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कसया नगर के स्वयंसेवकों ने श्रीराम जानकी मन्दिर (मठ)पर रक्षाबंधन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया । स्वयंसेवकों ने भगवाध्वज को रक्षासूत्र बांधकर हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति एवं हिन्दू समाज की रक्षा का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता सह प्रान्त ग्राम विकास प्रमुख सत्येंद्र जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मनाये जाने वाले छः उत्सवों में से रक्षाबंधन एक प्रमुख उत्सव है।इस दिन हम सभी ध्वज को रक्षासूत्र बांधकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेते हैं क्योंकि जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा तभी हम सब सुरक्षित रहेंगे। रक्षाबंधन उत्सव प्राचीनतम उत्सव है। आज केवल भाई-बहन का त्योहार रह गया है। पहले पुरोहित गांव गांव अपने यजमान को रक्षासूत्र बांधते थे, गुरू अपने शिष्य को रक्षासूत्र बांधकर गुरूकुल की मयार्दा में रहने का संकल्प कराते थे। सिकंदर की पत्नी ने राजा पोरस को रक्षासूत्र बांधकर अपने पति की जीवनदान मांगी। लक्ष्मी ने बलि को रक्षासूत्र बांधकर अपने पति को पाताल लोक से मुक्त कराया। अध्यक्षता कर रहे जिला संघचालक रामाश्रय प्रसाद ने हिन्दू समाज को छुआछूत से मुक्त करने पर जोर दिया। अतिथि परिचय सह जिला कार्यवाह शैलेष श्रीवास्तव ने कराया। मुख्य शिक्षक सह नगर कार्यवाह बलराम जी रहे तथा एकल गीत नगर प्रचारक आलोक जी गाये। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ओमप्रकाश जायसवाल, सुरेश प्रसाद गुप्त, डाक्टर देवेन्द्र प्रताप, करूणा निधान, जनार्दन, डा विवेक, राजेश वर्मा, मदन मोहन, पयोदकान्त, रवीन्द्र प्रसाद, सुभद्रा मिश्रा, शान्ति श्रीवास्तव , डा सीमा गुप्ता, आरती गुप्ता उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर महिलाओं को तोहफा

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र के जौरा बाजार और दुबौली के निवासियों को एक बड़ी सौगात मिली है। परिवहन विभाग की दो नई बसों को क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों की शुरूआत से अब इन क्षेत्रों के लोग सीधे गोरखपुर तक सुगम यात्रा कर सकेंगे। इस मौके पर विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि यह बस सेवा वर्षों पुरानी मांग थी। क्षेत्रीय जनता को गोरखपुर जैसे बड़े शहर से जोड़ने के लिए हमने लगातार प्रयास किया और आज यह सपना साकार हुआ। यह न केवल आमजन के आवागमन को सरल बनाएगा बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, और रोजगार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में भी सहायक सिद्ध होगा। हमारी प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्र भी सुविधाओं से परिपूर्ण हों और हर नागरिक को सुगमता से आवश्यक सेवाएं मिलें। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र की अन्य जरूरी मांगों को भी सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा, ताकि फाजिलनगर विधानसभा का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित हो सके। पडरौना डिपो के एआरएम जय प्रकाश प्रधान ने बताया की बस जौरा बाजार से सुबह 7 बजे से गोरखपुर के लिये रवाना होंगी, और गोरखपुर से तीन बजे से जौरा बाजार के लिये वापस आयेगी प्रतिदिन चलेगी `कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष प्रभुनंद उपाध्याय ने विधायक सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य हरिशंकर उपाध्याय, डॉ. जेपी सिंह यादव, ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, दिग्विजय सिंह, कुलदीप उपाध्याय, नीलेश उपाध्याय, त्रिलोकी उपाध्याय, संकेत, मनकेत, शानू, बिट्ठू, संजय यादव, शिवकुमार शर्मा उपस्थित रहे।

चकबंदी सीओ के पेशकार को एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार की रिश्वत के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब चकबंदी विभाग में तैनात सीओ के पेशकार को एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते धर दबोचा। पीड़ित जीतू निषाद ने बताया कि चकबंदी पेशकार प्रमोद कुमार उस्से दाखिल खारिज करने के बदले में पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। जिसके बाद उसने एंटी करप्शन में मामले की

लिखित शिकायत की थी, जबकि शिकायत मिलने के बाद टीम ने इस मामले को गम्भीरता से लेते हुये हमीरपुर पहुंचकर पीड़ित से मुलाकात करने के बाद जाल बिछाकर चकबंदी सीओ के पेशकार प्रमोद कुमार को पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों कलैक्ट्रैट कैंपस से धर दबोचा। वही टीम पेशकार प्रमोद कुमार को लेकर सुमेरपुर थाने पहुँची, जबकि पेशकार से मामले की पूंछतांछ करने के साथ ही उसके खिलाफ लिखा पढी कर अपने साथ बांदा लेकर चली गई। वही एंटी करप्शन की इस कार्यवाही से सरकारी कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है।

वाराणसी में सूदखोर से परेशान आभूषण कारीगर ने जान दी

वाराणसी। आभूषण कारीगर ने सूदखोरों से परेशान होकर जान दे दी। सूदखोर कारीगर को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। पुलिस ने गुरुवार रात मां की तहरीर पर चार नामजद सहित 8 पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। शुभम सामंत उर्फ बिट्ठू की मां ने आरोप लगाया कि डेढ़ किलो सोने के एवज में बेटा सूदखोरों को तीन किलो सोना दे चूका था। इसके अलावा पैसे भी दिए थे पर वो बार-बार उसे प्रताड़ित कर रहे थे। कारीगर की एक साल पहले ही शादी हुई थी और उसकी पत्नी 6 माह की गर्भवती है। पूरा मामला वाराणसी कोतवाली थाना क्षेत्र के सोराकुआं का है। पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर निवासी शुभम सामंत उर्फ बिट्ठू चार साल पहले वाराणसी आया था। यहां पर उसने सोरोकुआं में किराए का मकान लेकर भाई नरेंद्र के साथ आभूषण बनाने का काम शुरू किया था।

ग्रेटर नोएडा में जल-सीवर सिस्टम को नया रूप, वन सिटी वन ऑपरेटर की फाइनल डीपीआर अगले माह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति एवं रखरखाव को एक ही ढांचे में लाने की तैयारी अब अंतिम चरण में है। शुक्रवार को प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में वन सिटी वन ऑपरेटर परियोजना पर काम कर रही एजेंसी ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फाइनल डीपीआर सितंबर के मध्य तक हर हाल में तैयार हो जाए, जिससे योजना को जल्द अमल में लाया जा सके। बैठक में जल और सीवर के मास्टर प्लानझ2041 का भी विस्तृत प्रस्तुतिकरण हुआ। एसीईओ ने इस पर तेजी से काम आगे

बढ़ाने के आदेश देते हुए, स्मार्ट वाटर मीटर परियोजना को भी गति देने के निर्देश दिए। योजना के पहले चरण में 10 प्रतिशत कनेक्शनों पर मीटर लगाए जाएंगे, जिससे न केवल जल की बबार्दी रुकेगी, बल्कि सप्लाई का प्रबंधन भी बेहतर होगा। प्रेरणा सिंह ने जल की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने, आपूर्ति के लिए बनाई गई चेकलिस्ट का पालन सुनिश्चित करने और सीवर से जुड़ी शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने पर जोर दिया। बैठक में ओएसडी अभिषेक पाठक, सलाहकार समाकांत श्रीवास्तव, महाप्रबंधक ए.के. सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश गौतम, ए.पी. वर्मा, विनोद कुमार शर्मा, सुधीर कुमार सिंह, मनोज सचान, प्रभात शंकर व प्रबंधक लव शंकर भारती समेत विभाग के अन्य जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे।

सैकड़ो लोगों ने ली भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता

नोएडा (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन भानू ने आज नोएडा के बरौला गांव में संगठन का विस्तार करते हुए कई लोगों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ठाकुर भानु प्रताप सिंह रहे।पंचायत की अध्यक्षता प्रेम सिंह भाटी ने की और संचालन साहित्य कुमार चंचल ने किया। भारतीय किसान यूनियन भानू ने संगठन का विस्तार करते हुए मनोज चौधरी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री,हेमू गुर्जर को राष्ट्रीय महामंत्री,राजवीर मुखिया को राष्ट्रीय सचिव,सुभाष भाटी को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अनिल बेसोंया को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया तथा सैकड़ो लोगों ने भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता ली।मनोज चौधरी ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी मुझे दी उसे ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा।अजब सिंह कसाना ने कहा कि संगठन में आस्था व्यक्त करते हुए आज सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ली और सभी ने एक साथ रहकर संगठन को मजबूत करने की बात कही। वही संगठन मजबूत होने पर प्राधिकरण के खिलाफ संघर्ष करने की बात कही है। मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन किसानों के लिए गरीबों के लिए संघर्ष करता रहता है।इसी को देखते हुए आज बहुत लोगों ने सदस्यता ग्रहण की है।इस मौके पर प्रेम सिंह भाटी,अनिल बेसोंया, राजकुमार नागर,महकार नागर, राजवीर मुखिया, विकास गुर्जर, सुभाष भाटी,सतप्रकाश अवाना, सुनील अवाना,प्रकाश बेसोया, पवन, राजेश शर्मा आदि लोग पंचायत में उपस्थित रहे।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का रंगारंग समापन, छात्राओं की देशभक्ति से गूंजा विद्यालय परिसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी वर्षगांठ पर शुक्रवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सेक्टर-51 नोएडा होशियारपुर में आयोजित महोत्सव का भव्य समापन हुआ। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में शुरू हुए इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें छात्राओं ने हाथों में स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र और देशभक्ति नारों वाली तख्तियां थामकर नगर में उत्साह का संचार कर दिया। विद्यालय सभागार में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ स्थित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, प्रधानाचार्या दीपा भाटी, शिक्षकगण और छात्राएं उपस्थित रहीं। मौके पर पटेल लोक सांस्कृतिक संस्थान, ग्रेटर नोएडा से आए लोकगायक उदयवीर सिंह चौहान और पंडित शिवराम शर्मा ने

अपने ओजस्वी देशभक्ति गीतों से माहौल को भावविभोर कर दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबोधन में काकोरी ट्रेन एक्शन को स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बताते हुए युवाओं को इतिहास से जुड़कर राष्ट्रहित में योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में भाषण, निबंध लेखन, रंगोली और वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जिनमें विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 12 की नाजनीन प्रथम, कक्षा 11 की दीपाली द्वितीय, नंदनी प्रजापति तृतीय और मनीषा को सांत्वना पुरस्कार मिला, जबकि निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 11 की रश्मि प्रथम, खुशबू द्वितीय, नेहा तृतीय और कक्षा 10 की रिया को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

समापन अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, पर्यटन अधिकारी और प्रधानाचार्या ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया। जनपद के विभिन्न विद्यालयों व अन्य स्थानों पर भी शताब्दी महोत्सव का उत्साह देखने लायक रहा, जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि काकोरी के अमर सपूतों की गाथा आज भी नई पीढ़ी के हृदय में देशप्रेम की ज्योत प्रज्वलित कर रही है।

स्वच्छता नियमों की अनदेखी पर ग्रेनो प्राधिकरण की सख्ती, चार सोसाइटियां पर लगाया 2 .42 लाख का जुमार्ना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शहर को स्वच्छ रखने के अभियान में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक और कड़ा कदम उठाते हुए चार आवासीय सोसाइटियों पर कुल 2 लाख 42 हजार रुपये का जुमार्ना ठोक दिया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के सीईओ एन.जी. रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम ने की। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पॉलिसी 2016 के तहत शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेक्टर टेकजोन-4 की विभिन्न सोसाइटियों में कूड़ा निस्तारण व्यवस्था की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान जेएम फ्लोरेंस, गैलेक्सी वेगा, आम्रपाली सेंचुरियन पार्क टैरिस होम और आम्रपाली लेजर वैली में कचरा प्रबंधन में गंभीर खामियां पाई गईं। नियमों के उल्लंघन पर जेएम फ्लोरेंस को 20200, गैलेक्सी वेगा को 40000, आम्रपाली सेंचुरियन पार्क टैरिस होम को 20200 और आम्रपाली लेजर वैली को 161600 का चालान थमाया गया। आम्रपाली लेजर वैली प्रबंधन ने चालान लेने से मना कर दिया, जिसके बाद टीम ने नोटिस सोसाइटी के मुख्य गेट पर चस्पा कर दिया। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि बल्क वेस्ट जनरेटरों पर निगरानी और जुमार्ने की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि स्वच्छता मानकों से कोई समझौता न हो।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

जेवर (शिखर समाचार) । प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पी.टी.एम.) के अवसर पर विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान की संयुक्त प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक दृष्टि, रचनात्मक सोच, अनुसंधान क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया।प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा के संरक्षण तथा विज्ञान विभागाध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार और सामाजिक विज्ञान विभागाध्यक्ष धीरज सिंह के कुशल निर्देशन में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा, कोषाध्यक्ष अमोल कुमार शर्मा एवं विशिष्ट अतिथिगण जॉन रिजवी (प्रधानाचार्य, कमर टेक्निकल इंटर कॉलेज, जेवर), अनिल कुमार (प्रवक्ता, जनता इंटर कॉलेज, जेवर), आमिर (शिक्षक, कमर टेक्निकल इंटर कॉलेज, जेवर),इनाम उल हक फारुकी (पत्रकार, राष्ट्रीय सहारा) तथा अभिभावकगण अशोक कुमार शर्मा (पूर्व प्रवक्ता, रसायन विज्ञान),चौ. दानवीर सिंह

(अभिभावक) एवं मनोज भारद्वाज (अभिभावक) आदि द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत पादप, सम्मान-पत्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया।विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने थर्मामीटर, कैंडल, बबल सोम, बॉयल सिरिंज, हैंड पंप रेस्पिरेशन, मेटल डिस्प्लेसमेंट, इलेक्ट्रॉनिक लाइन, लॉ ऑफ मोशन, प्रोटीन सिंथेसिस, हाइड्रोलिक लिफ्टिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, लेयर्स ऑफ अर्थ, ट्रांसपिरेशन इन प्लांट्स, लाइफ प्रोसेस तथा सोलर एनर्जी जैसे आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए।सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में सिन्धु घाटी सभ्यता, भारतीय दर्शन एवं वेद, कुतुबमीनार, टेराकोटा, मध्यकालीन युग, न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, मानव संसाधन, इंटरियर ऑफ अर्थ, टूर ऑफ टेक्सटाइल, भारतीय संविधान, कागज उद्योग, कागज के उपयोग, ज्वालामुखी, भूमि के प्रकार, वातावरण की परतें तथा गंगोत्री ग्लेशियर जैसे विषयों पर अत्यंत सृजनात्मक एवं शोध-आधारित मॉडल प्रदर्शित किए गए।अभिभावकों और अतिथियों ने छात्र-छात्राओं की गहन विषय-समझ, प्रस्तुति कौशल और नवाचार भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचायक है, बल्कि यह उन्हें वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से समृद्ध बनाने का सार्थक प्रयास भी है। साथ ही उन्होंने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं के टीम वर्क, लगन और रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आशा व्यक्त की कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी विद्यार्थियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक होंगे।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि

विज्ञान प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए नई सोच, नए संकल्प और नवाचार को साकार करने का एक सशक्त मंच है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी कल्पनाशीलता और सृजनशीलता के साथ आगे बढ़ रहे हैं।प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने आयोजन को विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, विचार-समृद्धि और अनुसंधान क्षमता को प्रोत्साहित करने का अनूठा अवसर बताते हुए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों की सराहना की।

दिल्ली के गांधीनगर स्थित डीएवी स्कूल में मना रक्षाबंधन महोत्सव, भाईचारे की अनूठी मिसाल

दिल्ली (शिखर समाचार) शाहदरा ज़िले के गांधी नगर स्थित डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नंबर-1 में रक्षाबंधन महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसने प्रेम, एकता और सामाजिक सद्भाव का सशक्त संदेश दिया। आयोजन में विद्यालय अध्यक्ष नरेश शर्मा, प्रबंधक गिरजेश रस्तोगी, पूर्व निगम पार्षदा कंचन माहेश्वरी, सामाजिक कार्यकर्ता दीपिका जैन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह-बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा और विद्यालय प्रभारी ओमपाल सिंह यादव समेत अनेक विशिष्टजन शामिल हुए। मंच संचालन की जिम्मेदारी उर्वशी तोमर ने संभाली और अपनी भावनात्मक कविता से कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया। आरंभ में गणित शिक्षक सुनील जैन

ने अतिथियों का परिचय कराया, जिसके बाद रेणु जोशी ने रक्षाबंधन के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ता सतीश शर्मा ने पौराणिक कथाओं और चारों युगों की प्रेरक घटनाओं के माध्यम से इस पर्व की महत्ता को विस्तृत रूप से समझाया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष नरेश शर्मा ने शिक्षकों के हितों की रक्षा का भरोसा दिलाया, वहीं प्रबंधक गिरजेश रस्तोगी ने शिक्षकों के सम्मान और अधिकारों पर जोर देते हुए पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूर्व पार्षदा कंचन माहेश्वरी और दीपिका जैन ने रक्षाबंधन को सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बताते हुए इसे रिश्तों की मजबूती का पर्व कहा। आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था संस्कृत अध्यापिका बलविंद्र कोर के निर्देशन में हुई।

समारोह के दौरान शिक्षिकाओं ने अतिथियों और शिक्षकों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र बंधन को नई ऊंचाई दी। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रभारी ओमपाल सिंह यादव ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आयोजन को अत्यंत प्रेरक और स्मरणीय बताया।

जीटी रोड पर ट्रक-कार भिड़ंत, बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) बादलपुर कोतवाली अंतर्गत जीटी रोड स्थित कुड़ीखेड़ा गांव मोड़ के पास एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मंगलवार को उस समय हुई, जब कुड़ीखेड़ा गांव निवासी प्रदीप के पिता सतीश कार से अपने गांव लौट रहे थे। मोड़ के पास अचानक सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और सतीश लहूलुहान हो गए। आनन-फानन में राहगीरों की मदद से घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायल के पुत्र ने ट्रक का नंबर नोट कर बादलपुर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि आरोपी चालक की तलाश तेज कर दी गई है और मामले की जांच जारी है।

कार्यक्रम में महिला से अभद्रता का विरोध करने पर पति पर लाठी-डंडों से हमला, चार पर मुकदमा

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के मेवातियांन मोहल्ले में पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान हुई अभद्रता की घटना ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि महिला के साथ अशोभनीय हरकत और गाली-गलौच का विरोध करने पर चार लोगों ने उसके पति पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। घायल को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त को हिना नामक महिला अपने चचिया ससुर के घर आयोजित कार्यक्रम में शामिल थी। इसी दौरान मोहल्ले के ही जाकिर और साकिर ने उसके साथ अभद्रता करते हुए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। हिना ने इसकी जानकारी अपने पति आसिफ को दी। जब आसिफ ने दोनों से इस व्यवहार पर आपत्ति जताई तो जाकिर, साकिर, हारून और चांद ने मिलकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। पीड़िता की शिकायत पर चारों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रक्षाबंधन पर सेंट हुड कॉन्वेंट की बालिकाओं ने सीमाओं के प्रहरी जवानों के लिए रची भावनाओं की डोर

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) रक्षाबंधन के पर्व से पहले सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल की छात्राओं ने अपनी नन्हीं उंगलियों और स्नेह से देश की सरहदों पर डटे वीर सिपाहियों के लिए विशेष उपहार तैयार किए। विद्यालय परिसर में हुए आयोजन के दौरान छात्राओं ने न केवल रंग-बिरंगी और कलात्मक राखियां बनाई, बल्कि देशभक्ति से सराबोर ग्रीटिंग कार्ड भी सजाए, जिनमें मातृभूमि की रक्षा में जुटे जवानों के प्रति आभार और सम्मान झलक रहा था। प्रतियोगिता में कक्षा एक से लेकर वरिष्ठ वर्ग तक की बालिकाओं ने उत्साह और रचनात्मकता का परिचय देते हुए अपनी कल्पनाओं को साकार किया। किसी ने तिरंगे रंगों से सजी राखी को आकार दिया, तो किसी ने प्रेरणादायक संदेशों से भरे कार्ड को संवारा। इन सृजनात्मक प्रयासों में केवल कला ही नहीं, बल्कि देश के रक्षकों के प्रति गहरी भावनाएं भी गूंथी हुई थीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने इस पहल को छात्राओं के संवेदनशील व्यक्तित्व और देशप्रेम का जीवंत प्रमाण बताते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां न केवल बच्चों को सृजनशील बनाती हैं, बल्कि उनके हृदय में राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और सुदृढ़ करती हैं।

त्योहार पर बसों की कमी से यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें, घंटों धूप में खड़े होकर कर रहे इंतजार

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व पर घर लौटने की आस लिए नगर बस अड्डे पर यात्रियों की लंबी कतारें लगी रहीं, लेकिन रोडवेज बसों के न पहुंचने से उनकी राहें कठिन हो गईं। अधिकतर बसें नगर से गुजरने के बजाय सीधे बाईपास से निकाल दी गईं, जिससे यात्री खुले आसमान के नीचे धूप में पसीना बहाने को मजबूर रहे। नोएडा व ग्रेटर नोएडा में कामकाज करने आए दूरदराज के जिलों के लोग त्योहार से एक दिन पहले अपने गांव लौटना चाह रहे थे, मगर बस सुविधा के अभाव ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। जो कुछ बसें अड्डे से होकर गुजर रही थीं, वे पहले से ही पूरी तरह भरी हुई थीं, जिससे चढ़ने की गुंजाइश तक नहीं बची। यात्री नीलम ने बताया कि वह करीब एक घंटे से अड्डे पर खड़ी हैं, लेकिन अब तक एक भी खाली बस नहीं मिली। उन्होंने कहा कि सरकार ढोल पीटकर बस सुविधा का दावा करती है, मगर हकीकत में यात्री धूप में खड़े-खड़े थक जाते हैं। बुलंदशहर जाने के इंतजार में दो घंटे से खड़े परमानंद ने शिकायत की कि निजी बस चालक 72 रुपये की जगह सौ रुपये किराया मांग रहे हैं। वहीं मैनपुरी के लिए परिवार संग डेढ़ घंटे से इंतजार कर रहीं पूजा का कहना है कि बसों की कमी ने रक्षाबंधन की खुशियों को फीका कर दिया है। त्योहार के मौके पर परिवहन व्यवस्था की यह खामियां यात्रियों के लिए न सिर्फ असुविधा बल्कि धैर्य की कठिन परीक्षा भी साबित हो रही हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को मिला पहला प्रधान महाप्रबंधक, संदीप चंद्रा ने संभाली जिम्मेदारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रशासनिक संरचना को नई दिशा देने के उद्देश्य से पहली बार प्रधान महाप्रबंधक का पद सृजित किया गया है, जिस पर शुक्रवार को संदीप चंद्रा ने औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। वे इससे पहले उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) में तैनात थे और उससे पूर्व नोएडा प्राधिकरण में मुख्य परियोजना अभियंता के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) को नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सफलतापूर्वक लागू करने में उनकी निर्णायक भूमिका रही, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। यातायात प्रबंधन और शहरी अवसंरचना से जुड़े जटिल प्रोजेक्ट्स को क्रियान्वित करने में उनका विशेष अनुभव माना जाता है, जिससे प्राधिकरण को आने वाले समय में नई कार्यसंस्कृति और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

रबूपुरा के नगला कंचन में करंट का कहर: 48 घंटे में दो मौतें, गांव में पसरा मातम

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) क्षेत्र के नगला कंचन (करौली) गांव में बिजली के करंट ने महज दो दिनों के भीतर दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। शुक्रवार शाम गांव के 42 वर्षीय सुनील शर्मा अपने घर में रखे कूलर में लोहे की बाल्टी से पानी डाल रहे थे। अचानक कूलर में करंट फैल गया और वह उसकी चपेट में आकर जोरदार झटका खा गए। तेज करंट से वह बुरी तरह झुलसकर जमीन पर गिर पड़े।

परिजन आनन-फानन में उन्हें जेवर स्थित कैलाश अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने कई घंटों तक उपचार किया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका और देर शाम उन्होंने दम तोड़ दिया। इस हादसे के बाद सुनील के घर में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

गांव में यह घटना 24 घंटे के भीतर दूसरी बार हुई है। इससे पहले गुरुवार को गांव के ही 21 वर्षीय मैकेनिक मुकेश की फ्रिज की मरम्मत करते समय करंट लगने से मौत हो गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं से पूरे गांव में दहशत और मायूसी का माहौल है। लोग बिजली उपकरणों के इस्तेमाल में अब अतिरिक्त सावधानी बरतने की बात कह रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में पुराने बिजली उपकरण और तार अक्सर करंट छोड़ने लगते हैं, जिससे हादसों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दो जिंदगियों के यूं अचानक खत्म हो जाने से नगला कंचन गांव गहरे सदमे में है और हर गली में सन्नाटा पसरा हुआ है।

संपादकीय

2029 की राह : चुनावी राजनीति में बदलते समीकरण

देश एक बार फिर लोकतांत्रिक महाकुंभ की आहट महसूस कर रहा है। 2029 के लोकसभा चुनाव में अभी चार साल का समय है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में जो हलचल है, वह यह संकेत देती है कि चुनावी जंग के लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति ने कई अहम मोड़ देखे हैं किसानों के आंदोलन, बेरोजगारी के आंकड़ों पर बहस, बढ़ती महंगाई, क्षेत्रीय दलों की बढ़ती ताकत और डिजिटल चुनाव प्रचार का प्रभाव। इन सबने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगला चुनाव सिर्फ सरकार बदलने या बनाए रखने की कवायद नहीं होगा, बल्कि यह भारत के सामाजिक-आर्थिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक मोड़ होगा। आज की राजनीति में गठबंधन की राजनीति का महत्व पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मजबूत पकड़ रखते हैं और राष्ट्रीय दलों के लिए उनका सहयोग अनिवार्य हो गया है। 2024 के चुनाव परिणामों ने यह भी दिखा दिया कि किसी एक दल के लिए अकेले बहुमत पाना आसान नहीं रहा। ऐसे में इंडिया बनाम एनडीए जैसी ध्रुवीकरण की स्थिति आगे भी जारी रह सकती है, लेकिन उसके स्वरूप में बदलाव आना तय है। इस बीच, जनता के लिए अहम मुद्दे भी तेजी से बदल रहे हैं। एक ओर युवा बेरोजगारी से परेशान है, तो दूसरी ओर किसानों की आय दोगुनी करने का वादा अब भी अधूरा है। महंगाई, खासकर खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, मध्यम वर्ग की चिंता का सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। इन आर्थिक चुनौतियों के बीच, डिजिटल इंडिया और टेक्नोलॉजी के बढ़ते दायरे ने चुनावी प्रचार के तौर-तरीके पूरी तरह बदल दिए हैं। व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और रीएल-टाइम लाइव स्ट्रीमिंग अब किसी भी राजनीतिक दल के लिए वैकल्पिक नहीं, बल्कि जरूरी हथियार हैं। एक और अहम पहलू है मतदाताओं की बढ़ती राजनीतिक जागरूकता। सोशल मीडिया ने सूचना के प्रवाह को तेज किया है, लेकिन इसके साथ फेक न्यूज और दुष्प्रचार की समस्या भी विकराल रूप ले चुकी है। आने वाले चुनाव में यह देखना होगा कि चुनाव आयोग इस चुनौती से निपटने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है। राजनीति में जातिगत समीकरण भी अभी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने दशकों पहले थे, लेकिन अब इनमें वर्ग, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे भी जुड़ गए हैं। महिलाएं अब सिर्फ वोट बैंक नहीं रह गई हैं, बल्कि वे चुनावी एजेंडा तय करने में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। लैंगिक समानता, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन जैसे मुद्दों पर राजनीतिक पार्टियों को ठोस नीति और क्रियान्वयन का रोडमैप देना होगा, वरना नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा भी चुनावी विमर्श के अहम हिस्से बन गए हैं। चीन के साथ सीमा विवाद, पाकिस्तान के साथ तनाव और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर मतदाता अब सजग है। विपक्षी दल जहां इन मुद्दों पर सरकार की आलोचना करते हैं, वहीं सत्तापक्ष इसे अपनी उपलब्धि के रूप में पेश करने की कोशिश करता है। इन सबके बीच, असली सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल जनता को सिर्फ भावनात्मक नारों और लुभावने वादों से प्रभावित करेंगे या फिर ठोस नीतिगत सुधार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की असली ताकत मतदाता के विवेक में है और 2029 का चुनाव इस बात की अगली बड़ी परीक्षा होगा कि भारत का मतदाता किस दिशा में देश को ले जाना चाहता है। आज जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल अपने एजेंडे में अल्पकालिक लाभ की जगह दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता दें, चाहे वह बुनियादी ढांचा हो, शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या पर्यावरण संरक्षण। अन्यथा, चुनावी उत्साह के बीच असल मुद्दे एक बार फिर नारों की भीड़ में खो जाएंगे। आने वाला समय यह तय करेगा कि क्या भारतीय राजनीति अपने पुराने ढर्रे से निकलकर एक नई परिपक्वता की ओर बढ़ेगी या फिर हम उसी चक्र में फंसे रहेंगे जहां हर चुनाव बस वादों और आरोप-प्रत्यारोप का अखाड़ा बनकर रह जाता है।

~ मौलिक चिंतन ~

केवल वही भरोसा नहीं तोड़ सकता है, जिसके कोई उम्मीद ही न हो।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

संस्थान में लालच से नहीं ईमानदारी से काम करें

संजय गोस्वामी

यदि हम किसी संस्थान में काम करते हैं तो ईमानदारी जरुरी है आज हमें अपने बारे में नहीं संस्थान के बारे में सोचना चाहिए किसी भी चीज को तोड़ना आसान होता है जोड़ना मुश्किल इसी तरह की एक घटना मेरे आँखों के सामने घटी जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है बात करता हूँ एक संस्थान जो चैरिटेबल संस्था थी उसमें पहले सरकार से हिंदी में विज्ञान के प्रचार हेतु अच्छा फंड मिलता था जो अब बन्द होने के कगार पर है ऐसे तो सरकारी संस्था विज्ञान प्रसार तो बन्द हो गई लेकिन हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद अभी जिन्दा है लेकिन हैंगिंग अवस्था में है इसमें दो गुट बन गए जो दुर्भाग्यपूर्ण है दरअसल 2021 में कोरोना का संकट आया और परिषद के साथ एक लोकल इंजीनियरिंग कॉलेज की संस्था विवेकानंद मॅनेग्मेंट कॉलेज, चेम्बूर से एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होना था जो बन्द हो गया लेकिन उसकी पुरी तैयारी कर ली गई बाद में सचिव ने कोषाध्यक्ष से कोई चेक ले लिया और खर्ज कर देने का दावा किया और जो बैग आनेवाला था वो आ गया ऐसा बताया गया लेकिन कोषाध्यक्ष ने बाद में बैग को देखने की इच्छा जताई लेकिन यह कहकर की बैग को डिस्पोजल कर दिया इसपर कोषाध्यक्ष को पैसा गमन करने का आरोप लगाया और दोनों में काफी खींचातानी हुई हालांकि उनका रुख मेरे प्रति एक जगह काम करने से काफी नरम रहा लेकिन उन्होंने इस हेतु ऑनलाइन आमसभा बुलाई और उसमें अधिकतर लोगों ने यह मान ली की बैग डिस्पोजल हो गया उधर एक अलग ही ड्रामा चालू हुआ कि अगले चुनाव में अध्यक्ष के लिए खड़ा होंगे अगले चुनाव में लेकिन लोगों ने समझाया भाई बहुत साल तक आप परिषद में हैं अतः आप खुशी खुशी निकल जाए और दूसरों को मौका दें दरअसल परिषद में लोगों को आने जाने और बड़े बड़े लोगों के साथ बैठने में दिलचस्पी हुई और अब ऐसी स्थिति आई कि एक पद के लिए दो क्या दो से अधिक उम्मीदवार ने नामांकन भरा और बाद में आम सभा में 2016 में पहली बार चुनाव हुए और उस चुनाव में एक कोषाध्यक्ष थे जो तीन टर्म तक थे एक सचिव के लिए जो खड़े थे उन्होंने उसकी भरी सभा में बेइज्जती की कहा आप 2या तीन टर्म तक रहें हैं अतः आप उसी पद के लिए नहीं खड़ा हों लेकिन उन्होंने नहीं सुना, और चुनाव अधिकारी ने भी देखते हुए कहा आप तीन बार खड़ा हों चूंके हैं अतः आप नहीं हों सकते लेकिन चुनाव अधिकारी के साथ मुझे आमसभा ने मदद करने को कहा उस समय मैंने चुपके से कहा की चुनाव अधिकारी जी कहने से नहीं होता सबूत के आधार पर फैसला होता है तभी उन्होंने अपनी कुर्सी का महत्व समझते हुए उन्होंने उनसे सबूत माँगा और अचानक सबूत जुटाना मुश्किल था क्योंकि उसे कहाँ पता था कि इतनी जल्दी कोई सबूत भी मांग लेंगे और आमसभा ने चुनाव अधिकारी के फैसला को सही मानते हुए उसे चुनाव में खड़ा होने की अनुमति दि बाद में मुझे लगा उनकी संख्या बल कमजोर है क्योंकि जो सचिव के लिए खड़ा होने वाले थे वो उस उम्मीदवार का समर्थन कर दिया जिसने उनके खिलाफ कोषाध्यक्ष के खड़ा होने पर सवाल उठा दिए थे और फिर जैसे तैसे लास्ट मिनट में एक मित्र आया और उनके पक्ष में वोट कर दिया और मैच हों गया टाई अब वहाँ अध्यक्ष को निर्णय लेना था वो किसे चुनता है बाद में अध्यक्ष ने कोषाध्यक्ष को अपना समर्थन दिया और पुनः कोषाध्यक्ष बने लेकिन जिसने आम सभा में उसके खिलाफ खुब गरजा वो सचिव के लिए चुना गया और परिषद में दो फाड़ हो गए और कार्यकाल कुल मिलाकर बहुत कष्टदायक रहा क्योंकि जहाँ कलह होती है समझ ले उसका पतन होना तय है बाद में रायपुर में परिषद द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ तो उनका नाम ही उड़ा दिया तब उनको गुस्सा आया और चुनाव की तैयारी में जुट गए बाद में जब अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष में बबाल हुआ तो किसी के बदले उन्हें जाने का मौका मिला मुझे भी पूछा गया लेकिन अपनी इज्जत को समझते हुए हमने नाम वापस ले लिया क्योंकि कुछ दिन पहले ही एक वैज्ञानिक पत्रिका को लेकर व्यवस्थापक का नाम नहीं से सचिव ने डिस्पैच करने से रोक दिया फिर एक महानुभाव जो व्यवस्थापक भी थे संपादक में भी नाम जुड़वा लिया और जबकी नया व्यवस्थापक की नियुक्ति हुई थी बाद में दोनों में क्या बात हुआ मैंने व्यवस्थापक मंडल के सदस्य होने के नाते डिस्पैच की अनुमति मांगी क्योंकि वेंडर बहुत दिनों तक घर पर नहीं रख सकता था अतः हमने डिस्पैच को लेकर व्यवस्थापक से क्लियर करा लिया यह बात सचिव महोदय डॉ कुलवंत जी को इतना खराब लगा कि उन्होंने हरामी शब्द का प्रयोग कर दिया तब मैंने इस्तीफा की पेशकश की और अध्यक्ष ने कहा हमने खुब डांटा सही कहा या गलत इसका निर्णय के लिए गुरुगोविन्द सिंह जी ने सोने के समय अंतरआत्मा को जगाया की तुरंत मीटिंग में जाओ और वहाँ पता लग जायेगा कि हकीकत में उसने तुमसे झुठ बोला हैं और जैसे ही अध्यक्ष महोदय मिश्रा जी ने अध्यक्षता की तो मेरे मन से हमने नहीं गुरु जी ने अंदर से पूरा डर निकाल दिया और उसको उसने खुब सुनाया गुरूजी बार बार सपने में आते और कहते उसका दिन जब खत्म होगा तब तुम्हे न्याय मिलेगा और जब 2018 में चुनाव की तारीख तय हुई तो एक नया नियम आ गया कि कोई भी उम्मीदवार खास पदों के लिए दो बार से अधिक नहीं खड़ा हो सकता हैं तब कोषाध्यक्ष ने सचिव पद पर उम्मीदवारी के लिए नामांकन कर दिया जो उसके लिए अपनी योग्यता के बल पर पात्र नहीं था और मैंने कहा चुनाव जितना है तो मेहनत करना होगा और अपनी गाड़ी से सब जगह सदस्यों के पास एक मित्र के साथ सबसे मिलने गया फिर भी मुझे यकीन नहीं था कि चुनाव में उसे जीत मिलेगी लेकिन उस रात गुरूजी ने सपने में दिखा दिया जीत पक्की है क्योंकि उसका घमंड मुझे तोड़ना है और सुबह ईश्वर की ऐसी मर्जी हुई जिसे नहीं भी बुलाया था वो भी वोट देने फेवर में आ गए और बाद में वह सज्जन 35 वोट से हार गया और टीम की जीत हुई लेकिन पूर्व सचिव महोदय बहुत मुश्किल से सदस्य में निचले पैदान में आए और घमंड टुटा और इस तरह परिषद 2920 तक अच्छे से चली उसके बाद चुनाव के लिए पूर्व सचिव ने परिषद पर प्रेशर बनाया और कोरोना आ गया जब चुनाव आने वाले थे बाद में वही कोरोना काल में बैग पर जो आपत्ति हुई उसको लेकर उस समय के सचिव अपने लोगों से हट कर सेवानिवृत होने के बाद भी अध्यक्ष पद के लिए खड़ा हुए कोरोना को देखते हुए चुनाव पर रोक का नोटिफिकेशन आया लेकिन चुनाव अधिकारी उसके खास थे उन्होंने कुछ भी नहीं सुना और सारे नियम कानून को हाथ में लेते हुए अध्यक्ष पद हेतु जो उम्मीदवार उसके खिलाफ खड़ा था उसका बाईपास सर्जरी होना था मैं ही पहला बन्दा था कि रोकने के लिए कहा क्योंकि ऐ संदेश भी मुझे गुरूजी ही ने दिए थे क्योंकि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता अतः अस्पताल में एक तरफ ऑपरेशन में जिंदगी और मौत से कोई जूझ रहा हो और उसे पल पल की खबर मिल रही थी उसके दिल पर क्या गुजरी होगी वह वही जनता होगा लेकिन बीमारी का फायदा उठाकर उसने जो वैलेट पेपर बनाए थे उसे बाहर ही रखा जो नियमानुसार वह उसका मत पत्र होता है उसे पता नहीं किसने बाहर रखने की अक्ल दि जिसने व्हाट्सप्प को एक अश्लील पोस्ट करना चालू रखा और लोगों पर खुद ही अमर्यादित होने का हकीकत भी दिखा दि चुनाव में कोविड नियम को जानते हुए और डिपार्टमेंट द्वारा रोक के बाबजूद नहीं माना और चुनाव भी बीमार उम्मीदवार की गैर हजारी में हुआ अतः डिपार्टमेंट ने मान्यता नहीं दि क्योंकि वह चैयरिटी कमीशनर के दायरे में आता है और फिर डिपार्टमेंट ने इससे किनारा कर लिया और जो सचिव ने त्यागपत्र ईमेल से दिए थे उन्होंने बड़ी चालाकी से हैंडओवर मीटिंग बुला लीं मुझे भी वहाँ जाने का खुब प्रलोभन मिला लेकिन मेरे गुरूजी ने मुझे बिल्कुल मना कर दिए और जब मैं टस से मस नहीं हुआ तो उसने मेरे बालकोनी में बैग रखने का आरोप लगा दिया और मैं खुब खुलकर लिखा तब गलती का अहसास हुआ औ? माफी मांगी उसके बाद परिषद में सभी अपना अपना पोस्ट पकड़ लिए और मेरे गाड़ी में प्रशन मंच का एक पूरा अटैची मेरे गाड़ी में पड़ा रहा बाद में अनाधिकृत तरीके से छल से मिश्राजी को यह बताया कि मैं खड़ा हो रहा हूँ आप मत खड़ा हो क्योंकि उसे भी उसकी ताकत का अंदाज था और इसतरह वह बिना चुनाव को चुन लिए गए लेकिन प्रस यह है कि किसने चुना चुनाव अधिकारी सिर्फ चुनाव के लिए मान्य होता है ना की बिना वोट वाले उम्मीदवार को चुन सकता है यह अधिकार सिर्फ आम सभा को है जो बुलाया ही नहीं गया इसतरह परिषद का सत्यनाश हो गया क्योंकि उसके बाद जो उनके विरोध में कमिटी बनी कोई खास काम नहीं किआ हाँ इतना जरूर किया खाता सील हो गया अब,3साल बाद फिर नई कार्यकारिणी के लिए मुश्किल से एक ग्रुप बना लेकिन कोई खास प्रगति देखने को नहीं मिल रही अतः अब सिर्फ व्हाट्सप्प चल रहा है कोई खोल कर देखता भी नहीं है क्योंकि खाता फ्रीज होने के बाद कौन अपनी जेब से पैसा लगाऐगा अतः सभी हिंदी प्रेमियों इसका साथ दें।

पैरोल या फरलो: कानून या विशेषाधिकार!

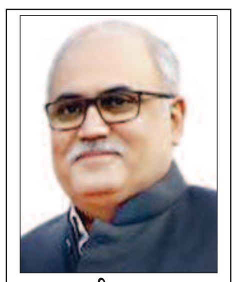

रजनीश कपूर

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का एक आधारभूत तत्व है। संविधान का अनुच्छेद 14 स्पष्ट कहता है कि कानून के समक्ष सभी समान हैं। लेकिन जब हम समाज के प्रभावशाली और ताकतवर लोगों का व्यवहार देखते हैं तो यह सिद्धांत कई बार मजाक बन कर रह जाता है। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम का मामला इसका जीवंत उदाहरण है, जहां बार-बार दी जाने वाली पैरोल और फरलो ने न केवल कानूनी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी हिला कर रख दिया है। गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों के साथ रेप के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी और बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा मिली थी।

पिछले कुछ वर्षों में ये बार-बार जेल से बाहर निकले हैं। 2020-25 तक उन्हें कम से कम 14 बार पैरोल या फरलो दी गई है, जिसमें कुल मिला कर 326 दिन जेल के बाहर बिताए गए हैं। हाल में अगस्त, 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई जो उनकी सजा के सात साल के भीतर उनकी तीसरी रिहाई थी। यह पैटर्न न केवल कानूनी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि कैसे रसूखदार लोग कानून को अपने पक्ष में मोड़ लेते हैं। पैरोल और फरलो का प्रावधान हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (टेम्परेरी रिलीज) एक्ट, 2022 के तहत किया गया है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक-पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं।

राम रहीम का डेरा सच्चा सौदा हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली जैसे राज्यों में लाखों अनुयायियों के साथ एक प्रभावशाली संगठन है। अनुमान के अनुसार, डेरे के 90-95 लाख अनुयायी हैं, जो किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक बड़ा वोट बैंक हो सकते हैं। 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव, 2023 में राजस्थान विधानसभा चुनाव और 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले उनकी रिहाई ने राजनीतिक प्रभाव की आशंकाओं को बल दिया है। सवाल उठता है कि क्या ये रिहाइयां कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हैं, या राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित कदम? हरियाणा के जेल मंत्री रंजीत सिंह चौटाला और अन्य नेताओं ने दावा किया है कि राम रहीम को दी गई रिहाइयां कानून के दायरे में हैं, और अन्य कैदियों को भी ऐसी सुविधाएं दी जाती हैं। लेकिन 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा की जेलों में 5,832 कैदियों में से 2,801 को ही अस्थायी रिहाई मिली थी। सवाल उठता है कि क्या सभी कैदियों को इतनी बार और इतने लंबे समय के लिए रिहाई दी जाती है, जितनी राम रहीम को दी गई हैं? शिरोमणि गुरु द्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने उनकी लगातार रिहाइयों के खिलाफ पंजाब एंड़ हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। यह कहते हुए कि रिहाई का निर्णय कानूनी ढांचे के भीतर लिया गया है। लेकिन यह तर्क उस धारणा को कमजोर करता है कि कानून सबके लिए समान है। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति के बेटे अंशुल छत्रपति ने इसे 'कानून का मजाक' करार दिया है। कहते हैं कि अगर कोई कैदी हर साल 90 दिन जेल से बाहर रह सकता है, तो सजा का क्या अर्थ रह जाता है?

राम रहीम की रिहाइयों का प्रभाव केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक-नैतिक भी है। उनकी सजा के बाद 2017 में हरियाणा और पंजाब में हुई हिंसा में 40 लोगों की मौत हुई थी और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। ऐसे व्यक्ति को बार-बार रिहा करना न केवल पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है, बल्कि उन गवाहों के लिए भी खतरा पैदा करता है जो अभी भी उनके खिलाफ लंबित मामलों में गवाह हैं। सिरसा आश्रम में नपुंसकता मामले में अभी मुकदमा चल रहा है, और उनकी मौजूदगी गवाहों पर दबाव डाल सकती है। यह मामला एक व्यक्ति की कहानी भर नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कमजोरी उजागर करता है, जहां सत्ता और प्रभाव कानून के ऊपर हावी हो जाते हैं।

पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य कैदियों के पुनर्वास और सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देना है, लेकिन जब इनका दुरु पयोग विशिष्ट लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो यह पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। इस समस्या के समाधान के लिए राजनीतिक प्रभाव को कम करने के लिए चुनाव के समय में ऐसी रिहाइयों पर रोक लगाने जैसे उपाय किए जा सकते हैं। समय की मांग है कि हमारी कानूनी व्यवस्था इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए ताकि कानून की गरिमा और विश्वसनीयता बरकरार रहे।

रक्षाबंधन: नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

ललित गर्ग

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा।

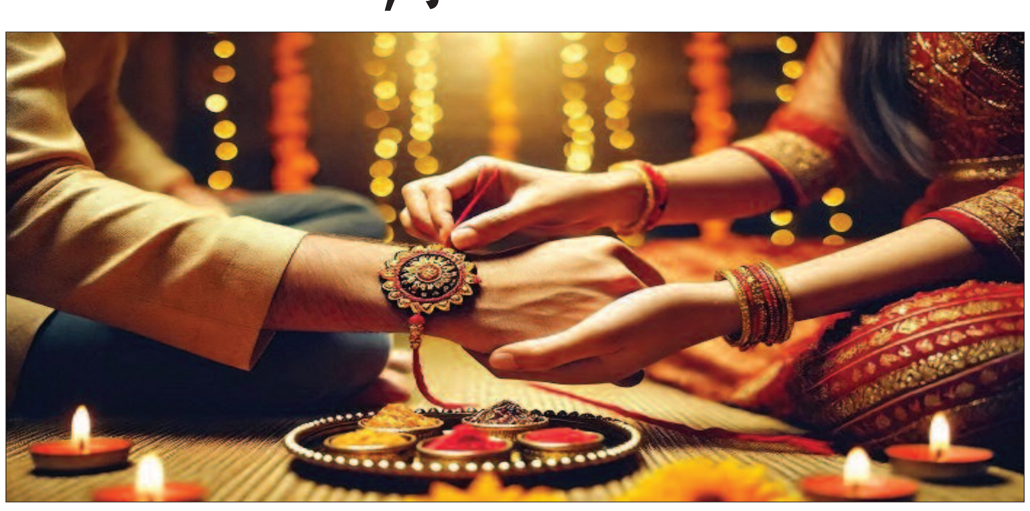

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनसंर्वेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है।

आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दशार्ती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में ह्यअवनी अविट्टमह्ण के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को ह्यबलेवह्ण के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

इंटरसिटी में चेन पुलिंग, पहियों से निकली चिंगारी

बछरावां (रायबरेली)। लखनऊ-रायबरेली रेलखंड में मोहनलालगंज और बछरावां रेलवे स्टेशनों के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस में चेन पुलिंग हुई। इससे फर्राटा भरती हुई ट्रेन अचानक रुकी तो पहियों से चिंगारी निकलने लगी। इससे ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

बुधवार को दोपहर लगभग 2 बजे लखनऊ-बनारस इंटरसिटी एक्सप्रेस में यह घटना घटी। लखनऊ से रायबरेली के बीच यह ट्रेन नॉन स्टॉप दौड़ती है। इसीलिए लखनऊ से रवाना होते ही फर्राटा भरते हुए आगे बढ़ रही थी। मोहनलालगंज से पास होने के बाद बछरावां की तरफ आ रही थी, तभी रास्ते में चेन पुलिंग हो गई। घटनास्थल कनकहा स्टेशन के निकट बताया गया है। चेन पुलिंग होते ही फर्राटा भर रही ट्रेन अचानक रुकी तो पहियों से चिंगारी निकलने लगी। यह देखकर आसपास मौजूद लोग भागने लगे।

यात्री राम सुमेर, विनोद, नंदकिशोर, राजू ने बताया कि ट्रेन तेजी से दौड़ रही थी, तभी अचानक ट्रेन की रफ्तार थम गई। पहियों से चिंगारी निकलने का पता चला तो किसी अनहोनी की आशंका हुई, लेकिन कुछ देर बाद जानकारी हुई कि चेन पुलिंग के चलते ऐसा हुआ है। करीब 10 मिनट तक ट्रेन खड़ी रही, फिर रवाना कर दी गई। बछरावां के आरपीएफ इंचार्ज एसके राय ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। जांच शुरू कर दी गई है। चेन पुलिंग किसने की है, इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

पूर्व बाबू व दो भाइयों ने कराया सरकारी जमीन का बैनामा

रायबरेली। कलेक्ट्रेट में तैनात पूर्व बाबू और उसके दो भाइयों पर कूटरचित दस्तावेज बनाकर सरकारी भूमि का बैनामा करा लिया गया। जांच में शिकायत सही मिलने पर बुधवार शाम सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

डीएम हर्षिता माथुर के मुताबिक अशोक कुमार मौर्य ने शिकायत की था कि किशुनदासपुर में पूर्व बाबू अमिय कृष्ण और उनके भाई आदित्य कुमार, अजय कुमार ने चारागाह की भूमि को गलत तरीके से अपने नाम बैनामा करा लिया है। इस भूमि की कीमत करोड़ों रुपये है। तहसील प्रशासन की जांच में शिकायत सही पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

सदर कोतवाली प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तीनों भाइयों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पूर्व बाबू की तैनाती इस समय सीतापुर जिले में है।

बारिश में बढ़ रहा कान में संक्रमण

रायबरेली। बारिश में कान में फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ गया है। जिला अस्पताल के नाक, कान, गला विभाग की ओपीडी में रोजाना 25 से 30 मरीज पहुंच रहे हैं। बुधवार को भी 30 से अधिक फंगल संक्रमण के मरीज पहुंचे। बारिश में सावधानी न बरतने से कान में पानी जाने से पर्दा खराब होने का खतरा रहता है। लापरवाही और सफाई का ध्यान न रखने से कान में दर्द और खुजली की समस्या बढ़ रही है।

जिला अस्पताल के नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. शिव कुमार का कहना है कि कान में फंगल संक्रमण के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। गंदा पानी जाने से कान में फफूंदी और मवाद बनने का खतरा रहता है। बारिश के साथ ही गंदे पानी में कान में जाने और बिना डॉक्टर की सलाह के कान में दवा डालने से यह समस्या बढ़ जाती है।

कान में सरसों का तेल न डालें। इससे फंगल संक्रमण का ज्यादा खतरा रहता है। कान में दर्द व खुजली होना, कान बंद हो जाना, कान से पानी या मवाद आना इसके मुख्य लक्षण हैं। समय से इलाज न कराने से सुनने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि सभी विभागों की ओपीडी में मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त बंदोबस्त हैं। बारिश में कानों में फंगल संक्रमण का खतरा बढ़ा है। ओपीडी में मरीज भी बढ़े हैं। दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

सीएम योगी ने दिया सस्ते आवास का तोहफा

इस तरह करें पंजीकरण, लॉटरी से मिलेगा घर; किस्तों में चुकाएं रकम

आगरा , एजेंसी। आगरा के ग्वालियर हाइवे स्थित ककुआ और भांडई में विकसित होने जा रही अटलपुरम टाउनशिप के पहले चरण में सेक्टर-1 में 322 भूखंडों की खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुक्रवार से शुरू होंगे। बुधवार को एडीए में तैयारियां पूर्ण हो गईं।

भूखंड खरीद के लिए आवेदन सिर्फ ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। एडीए की वेबसाइट और जनहित पोर्टल पर पंजीकरण होंगे।

पंजीकरण के लिए 1100 रुपये ब्रोशर शुल्क और भूखंड मूल्य का सामान्य श्रेणी में 10 प्रतिशत, आरक्षित श्रेणी में 5 प्रतिशत धनराशि जमा करानी होगी। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद लॉटरी ड्रॉ खुलेगा। लॉटरी ड्रॉ के माध्यम से ही भूखंड आवंटन होगा। सेक्टर-1 के बाद सेक्टर-2 और 3 के पंजीकरण खोले जाएंगे। फिलहाल सिर्फ आवासीय भूखंडों की बिक्री होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अटलपुरम टाउनशिप योजना की लॉन्चिंग की। बुधवार को जयपुर हाउस स्थित एडीए दफ्तर में दिनभर पंजीकरण शुरू कराने की कवायद चलती रही। एडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि नियम व शर्तें जारी हो गई हैं। पंजीकरण के लिए दोनों ऑनलाइन पोर्टल व वेबसाइट पर सेक्टर-1 के भूखंडों का ब्योरा फीड कराया जा रहा है। आरक्षण श्रेणी के अनुसार ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी भूखंडों की बिक्री होगी।

ऋण से लेकर हेल्प डेस्क की सुविधा

एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली ने बताया कि भूखंडों की बिक्री के लिए 6 सदस्यीय टीम बनाई है। एक हेल्प डेस्क खोली जाएगी। एक व्यक्ति संपत्ति विभाग, एक साइट पर, एक बैंक ऋण और एक हेल्प डेस्क पर तैनात रहेगा। किसी भी कार्य दिवस में खरीद के इच्छुक व्यक्ति साइट का निरीक्षण कर सकते हैं। भूखंडों की बिक्री जहां है जैसा है के आधार पर होगी।

ताजमहल से 12, हवाई अड्डे से 15 किमी. की दूरी

अटलपुरम टाउनशिप ग्वालियर हाईवे स्थित ककुआ और भांडई गांव में बन रही है। इसकी ताजमहल से 12 किमी. और हवाई अड्डे से 15 किमी. दूरी है। ईदगाह बस स्टैंड और कैंट रेलवे स्टेशन से 12 किमी. दूरी पर स्थित अटलपुरम के पास भांडई रेलवे जंक्शन होगा। इसे एनएच-44 के अलावा इनर रिंग रोड के रास्ते लखनऊ और नोएडा एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा।

कैर नाले में पानी बढ़ने से इन्हौना मार्ग बंद

रायबरेली , एजेंसी। कैर नइया नाले में पानी बढ़ने से पुल के बाइपास पर दोनों तरफ से बांध खुल गए, जिससे इहौंना मार्ग पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। बुधवार शाम लगभग 3-30 बजे नाले का जलस्तर लगभग एक मीटर बढ़ गया। पानी बढ़ने से बाईपास में दरार आ गई। बंधे बह गए है।

मार्ग बंद होने से कैर, मोन गांव व कुशमहुरा आदि गांव के लोगों को अब मोन गांव से होते हुए सगरापुर वाया हैदरगढ़ मार्ग से महराजगंज आना पड़ेगा। मऊगर्वी गांव के लोगों को डीह रजबाहा के रास्ते पहले चंदापुर होते हुए महराजगंज आना होगा। ग्रामीणों कहना है कि महाराजगंज पहुंचने में अब दोगुना समय लगेगा।

जेई राजेश यादव ने बताया कि इहौंना मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इसके बावजूद दो पहिया वाहन चालक मनमानी कर रहे हैं। एसडीएम से पुलिस बल की तैनाती की मांग की गई है। एसडीएम सचिन यादव का कहना है कि बाईपास पर पुलिस बल तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।

जाम से कैसे फ्री होगा आगरा...यातायात पुलिस का नया प्लान समझिए, चार जोन में होगा ई-रिक्शा का संचालन

आगरा , एजेंसी। आगरा के एमजी रोड और हाईवे पर जाम की समस्या को देखते हुए यातायात पुलिस ने नया प्लान बनाया है। ई-रिक्शा और ऑटो का संचालन 4 जोन में बांटकर किया जाएगा। सिटी को दो जोन में बांटा गया है। ऑटो मालिक और चालक जहां के निवासी होंगे, उन्हें अपना ऑटो उसी इलाके में प्रमुख मार्ग पर चलाने की अनुमति दी जाएगी। जोन से बाहर संचालन करने पर चालान की कार्रवाई होगी। जोन की जानकारी के लिए ऑटो और ई-रिक्शा पर क्यूआर कोड भी लगाया जाएगा। इसके लिए एक एप भी बनाया गया है।

एमजी रोड और हाईवे पर मेट्रो का निर्माण चल रहा है। इसके लिए डिवाइडर पर बैरिकेडिंग की गई है। पीक आवर्स में वाहनों का दबाव बढ़ने पर लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। एमजी रोड पर महानगर बसों के साथ ही ऑटो और ई-रिक्शा भी संचालित होते हैं। स्कूल बस और कारों की संख्या बढ़ने की वजह से वाहनों की लंबी लाइन लग जाती है। इसे लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए बुधवार को डीसीपी यातायात अभिषेक अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

डीसीपी ने बताया कि जिले में पंजीकृत ऑटो, ई-रिक्शा की संख्या तकरीबन 35 हजार है। इनमें आधे से ज्यादा का संचालन शहरी सीमा में किया जा रहा है। अधिक संख्या में भगवान टॉकीज से प्रतापपुरा के बीच चलते हैं। बाकी अन्य रूट पर संचालित होते हैं। कई ऑटो की फिटनेस नहीं है। देहात की जगह पर शहर में चलते हैं। इस वजह से शहर में यातायात का दबाव बढ़ रहा है। मेट्रो के कार्य को देखते हुए नई व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए प्लान बनाया गया है। इसको जल्द लागू किया जाएगा।

क्यूआर कोड से होगी जोन के ऑटो की पहचान

डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि सिटी को दो जोन में बांटा जाएगा। एक जोन भगवान टॉकीज, रामबाग, बिजली घर, माल सहित शहर के पुराने इलाके का होगा। वहीं दूसरा जोन एमजी रोड-2, भगवान टॉकीज से सिकंदरा, रुनकता, बोदला, जगदीशपुरा, लोहामंडी, आगरा कैंट, शाहगंज आदि का इलाका होगा। वहीं पूर्वी और पश्चिमी जोन होंगे। आरटीओ के माध्यम से यह पता किया जाएगा कि ऑटो के मालिक और चालक कहां के रहने वाले हैं? इसके बाद उन्हें क्यूआर कोड जारी किया जाएगा। जोन निर्धारण होने के बाद चालक को उसी में ऑटो का संचालन करना होगा। अगर, जोन से बाहर जाएंगे तो कार्रवाई की जाएगी। क्यूआर कोड स्कैन करने पर जोन की जानकारी मिल जाएगी। डीसीपी सिटी ने एक एप भी यातायात संचालन के लिए बनाया है। उधर जिन वाहनों की फिटनेस नहीं होगी, उन्हें संचालन नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए अलग से चेकिंग होगी। देहात क्षेत्र के ऑटो देहात में ही चलाने दिए जाएंगे। आगरा से बाहर के ऑटो आते हैं तो कार्रवाई होगी।

कानपुर से रोडवेज बस में आया था 14 क्विंटल मिलावटी खोआ, पकड़ा गया

गोरखपुर , एजेंसी। कानपुर से मिलावटी खोआ आने का धंधा रुक नहीं रहा है। बुधवार सुबह बांदा डिपो की एक बस में रखे 31 बोरी खोआ को रोडवेज के अफसरों ने पकड़ा और खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित किया। मौके पर कोई इसका दावेदार नहीं आया। हालांकि, दोपहर बाद दो व्यापारी इसमें से 26 बोरी खोआ को अपना बताते हुए ले गए।

पांच बोरी खोआ विभाग में जब्त है। सभी का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। चर्चा है कि रक्षाबंधन में मिठाई की खपत को देखते हुए खोआ मंगाया जा रहा है। बीते साल दशहरा-दिवाली और इस साल होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया।

उस दौरान रोडवेज बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर भी बड़ी मात्रा में कानपुर का मिलावटी खोआ पकड़ा गया था। लगातार कार्रवाई हुई तो खोआ मंडी के व्यापारियों ने भी मिलावटी खोआ बेचने से हाथ खड़ा किया था। लेकिन कुछ महीने की शांति के बाद ही यह धंधा फिर पुराने ढर्रे पर लौट आया है।

बुधवार सुबह बांदा डिपो की गोरखपुर आई बस में 31 बोरी खोआ कानपुर में लोड किया गया था। इसकी जानकारी होने पर रोडवेज के आरएम लव कुमार व अन्य अफसर इस बस की तलाश करते हुए पहुंचे। चालक-कंडक्टर ने इस बस को रोडवेज परिसर के बजाय डीएम कार्यालय के नजदीक सड़क पर खड़ा किया था।

अफसर वहां पहुंचे और कंडक्टर-चालक से गड़ी में लदी बोरियों के बारे में पूछताछ की तो तब मामला खुला। इसकी सूचना मिलने पर सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और बोरियों को बस से उतरवाकर कब्जे में ले लिया। दोपहर बाद खोआ मंडी के दो व्यापारी पहुंचे और इसे अपना बताते हुए 26 बोरी खोआ ले गए। पांच बोरी खोआ अभी भी खाद्य सुरक्षा विभाग के दफ्तर में रखा है। कानपुर से बस में मिलावटी खोआ आने की सूचना मिलने पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम प्राइवेट बस स्टेशन पर तलाश में लगी थी। इसी दौरान खबर मिली कि रोडवेज की बस में बड़ी मात्रा में खोआ आया है। वहां पहुंचकर सारा माल जब्त किया गया।

दीक्षांत समारोहः शिखर सिंह के ये हैं वो तीन मंत्र, जिसने बना दिया गोल्डन बॉय...झोली भरकर मिलेंगे मेडल

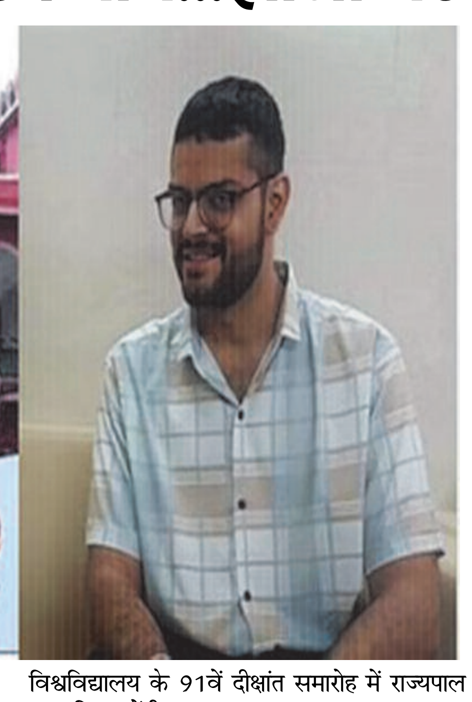

आगरा , एजेंसी। एकाग्रता, नियमित पढ़ाई और रिवीजन। इन्हीं तीन मंत्रों को अपनाकर एसएन मेडिकल कॉलेज के छात्र शिखर सिंह ने पदकों से झोली भर ली। एमबीबीएस में उन्होंने 10 स्वर्ण और एक रजत समेत 11 पदक प्राप्त किए हैं। उन्हें 30 अगस्त को होने वाले डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल सम्मानित करेंगी।

एसएन मेडिकल कॉलेज के 2020 बैच के छात्र शिखर सिंह ने बताया कि पढ़ाई के लिए घंटे मायने नहीं रखते। सबसे पहले पढ़ाई, बाकी सबकुछ इसके बाद। इसी सोच से एकाग्र होकर 8-10 घंटे नियमित पढ़ाई की, जो पढ़ा उसे दोहराता भी गया। ऐसा करने से आपकी तैयारी बेहतर होती है और परीक्षा का दबाव भी नहीं रहता।

खुद को फिट रखने के लिए सुबह 3 से 5 किमी दौड़ नियमित करता हूं। शरीर ठीक नहीं तो पढ़ाई क्या, किसी भी कार्य में बेहतर परिणाम नहीं आएंगे। खाली समय में शतरंज खेलता हूं। मूवी देखने और संगीत सुनना भी पसंद है। अभी एसएन में इंटर्नशिप कर रहा हूं और फिजीशियन बनना चाहता हूं। इसके लिए पीजी की तैयारी कर रहा हूं।

मां-पिता, बहन भी डॉक्टर, परिवार में 17 मेडल

शिखर सिंह का पूरा परिवार चिकित्सक है। इनके पिता प्रो. हरी सिंह एसएन मेडिकल कॉलेज में रेडियो डायग्नोसिस विभाग के अध्यक्ष हैं। इनकी मां प्रो. शिखा सिंह एसएन कॉलेज के स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष हैं। इनकी बड़ी बहन मिनी सिंह केजीएमयू लखनऊ से इंटर्नशिप कर रही हैं। इनके पिता प्रो. सिंह ने बताया कि पत्नी शिखा को एमबीबीएस करने पर तीन स्वर्ण पदक और बेटी को दो स्वर्ण और दो रजत के साथ 4 पदक मिले हैं। मां प्रो. शिखा सिंह ने बताया कि परिवार में चिकित्सकीय माहौल रहने से पढ़ाई की सही दिशा भी मिली।

गजब हाल हैः गूगल स्टार रेटिंग में वाराणसी का जिला अस्पताल नंबर वन, 40 मिनट देर से आते हैं डॉक्टर

वाराणसी , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल को मरीजों की सुविधाओं के मामले में गूगल 5 स्टार रेटिंग मिलने के साथ ही सर्जरी करने, इको फ्रेंडली सहित कई श्रेणी में कागज पर प्रदेश में पहला स्थान मिला है। इसके बाद भी यहां ओपीडी में डॉक्टर 40 मिनट की देरी से आते हैं। पैथालोजी, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड भी देरी से शुरू होता है। दोपहर में ओपीडी में अधिकांश जगह तय समय से 30 मिनट पहले ही सन्नाटा दिखने लगता है।

ओपीडी खुलने के 40 मिनट बाद तक कुर्सियां खाली रहीं। एक्सरे, अल्ट्रासाउंड और पैथालॉजी में भी आधे घंटे तक जांच नहीं शुरू हुई। जिला अस्पताल में शहरी और ग्रामीण इलाकों से रोज 1500 मरीज पहुंचते हैं। ओपीडी का समय सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक है।

बुधवार को सुबह 7.30 बजे ओपीडी के मुख्य द्वार के सामने मरीज इलाज के लिए पहुंचे। 8 बजे गेट खुलने के साथ पर्ची तो तुरंत बनने लगी लेकिन मरीज डॉक्टर के कमरे में पहुंचे तो वहां डॉक्टर नहीं मिले। वे बाहर ही डॉक्टर का इंतजार करते रहे।

ओपीडी खुलने के 40 मिनट बाद तक निजी फार्मेसी से प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थी कमरे में और उसके बाहर जरूर दिखे लेकिन ऑर्थोपेडिक्स के चार चिकित्सक, तीन सर्जन, एक चर्म रोग विशेषज्ञ, दो बाल रोग विशेषज्ञ, दो फिजिशियन नहीं थे। ओपीडी में डॉक्टरों, कर्मचारियों को समय से आने के लिए कहा गया है।

झारखंड का कुख्यात माफिया छोटू सिंह पुलिस मुठभेड़ में ढेर, एके-47 और 9 एमएम पिस्टल बरामद

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चार लाख रुपये शातिर अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह निवासी जे सी मल्लिक रोड , धनबाद, झारखंड को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। अपराधी के कब्जे से पुलिस को एके 47 समेत भारी मात्रा में कारतूस और खोखे बरामद हुए हैं। घेराबंदी के दौरान अपराधी ने पुलिस पर एके 47 से हमला कर दिया। इसमें एसटीएफ टीम बाल-बाल बच गई। जवाबी कार्रवाई में शातिर बदमाश को मार गिराया गया।

एसटीएफ यूनिट प्रयागराज के तीन कर्मचारी व अधिकारी जेपी राय, प्रभंजन व रोहित सिंह एके 47 के हमले में बाल-बाल बच गए। जवाबी फायरिंग में एसटीएफ ने बदमाश को गोली मार दी। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मारा गया बदमाश कई मामलों में वांछित था और उसके ऊपर पुलिस ने चार लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था। उसके कब्जे से पुलिस ने एके-47, नाइन एमएम पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस का खोखा के साथ ही एक बाइक बरामद किया है।

झारखंड का रहने वाला है बदमाश

शंकरगढ़ क्षेत्र में गुरुवार को एसटीएफ प्रयागराज यूनिट और एक कुख्यात अपराधी के बीच हुई मुठभेड़ में 4 लाख रुपये का इनामी बदमाश आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह निवासी जे सी मल्लिक रोड , धनबाद, झारखंड मारा गया। बिहार और झारखंड से जुड़ा यह अपराधी कई संगीन मामलों में वांछित था। वह अंतरराज्यीय गैंग से जुड़ा था और पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी। एसटीएफ प्रयागराज को इनपुट मिला था कि यह वांछित अपराधी शंकरगढ़ क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में शामिल अधिकारी जेपी राय, प्रभंजन और रोहित सिंह ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की, तो अपराधी ने एके-47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में एसटीएफ के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। कुछ ही देर चली मुठभेड़ में अपराधी को गोली लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तत्कालत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शंकरगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जुलाई में घर की थाली हुई सस्ती: सब्जियों और दालों की कीमतें गिरी

नई दिल्ली ।

जुलाई 2025 में घरेलू शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में क्रमशः 14 और 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, दालों और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में आई नरमी के कारण हुई है। शाकाहारी थाली की लागत में कमी का सबसे बड़ा कारण टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज गिरावट है। टमाटर की कीमतें 36 फीसदी घटकर 66 से 42 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसी तरह प्याज और आलू की कीमतों में भी क्रमशः 36 और 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पिछले वर्ष मौसम और बीमारियों के कारण आलू का उत्पादन घटा था, जिससे कीमतें बढ़ी थीं, लेकिन इस वर्ष उत्पादन बेहतर रहा। प्याज का उत्पादन भी 18-20 फीसदी अधिक होने से कीमतों में गिरावट आई। दालों की कीमतों में भी 14 फीसदी की कमी देखी गई, जो अधिक उत्पादन और पर्याप्त स्टॉक के चलते संभव हो सका। चावल की लागत में भी 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मांसाहारी थाली की लागत में गिरावट का मुख्य कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में 12 फीसदी की कमी है, जो मांसाहारी थाली की कुल लागत का लगभग आधा हिस्सा

होता है। हालांकि, कुछ आवश्यक वस्तुएं महंगी हुई हैं। वनस्पति तेल की कीमतें 20 फीसदी बढ़ीं, भले ही कच्चे खाद्य तेलों पर सीमा शुल्क घटाया गया हो। वहीं रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिससे थाली की लागत में गिरावट पर कुछ हद तक असर पड़ा। फिर भी, उपभोक्ताओं के लिए यह राहत की खबर है कि अधिकांश आवश्यक खाद्य वस्तुएं सस्ती हुई हैं।

सोना-चांदी की चमक बढ़ी: सोना 1.02 लाख और चांदी 1.14 लाख के पार

नई दिल्ली ।

घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जोरदार तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी दोनों ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों के सुरक्षित निवेश के चलते कीमती धातुओं की मांग में इजाफा हुआ है। एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 482 रुपये की तेजी के साथ 1,01,950 प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह 691 रुपये की तेजी के साथ 1,02,159 पर कारोबार कर रहा था। इसने 1,02,151 का उच्चतम और 1,01,456 का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल यह 1,02,169 के भाव पर अब तक का ऑल

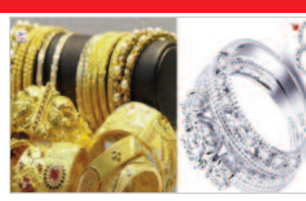

टाइम हाई छू चुका है। चांदी के सितंबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत भी तेजी के साथ 1,14,641 पर हुई, जो पिछले बंद भाव 1,14,286 से 355 रुपये अधिक था। यह अभी 1,14,700 पर ट्रेड कर रही है। आज का उच्चतम स्तर 1,14,876 रहा। इस साल चांदी 1,16,641 प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी जारी है। कॉमेक्स पर सोना 3,487.90 प्रति औंस पर खुला और 3,488.80 पर ट्रेड कर रहा है, जो 35.10 डॉलर की तेजी है। वहीं चांदी 38.46 प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। कीमती धातुओं में यह तेजी आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों की सुरक्षित संपत्तियों में रुचि का संकेत है। आने वाले दिनों में भी इनमें मजबूती बनी रह सकती है।

झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट

- आंध्र प्रदेश और ओडिशा के पालकों को नुकसान का खतरा

मुंबई ।

पिछले एक सप्ताह के दौरान झींगा मछली की कीमतों में 6 से 19 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। व्यापारियों और विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारत से होने वाले झींगा निर्यात पर भारी शुल्क लगाने की आशंका के कारण यह गिरावट हुई है। खासतौर पर पिछले दो दिनों में कीमतों में तेज कमी आई है, जिससे आंध्र प्रदेश और ओडिशा के झींगा पालकों को बड़ा नुकसान हो सकता है। ये दोनों राज्य झींगा पालन के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए यहां के किसान और व्यापारी इस गिरावट से सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

भारत मुख्यतः अमेरिका को 50 काउंट या उससे कम काउंट वाले झींगे निर्यात करता है। 50 काउंट का अर्थ होता है कि एक किलोग्राम में 50 झींगे होते हैं, जिनका वजन लगभग 20 ग्राम होता है। वहीं, बड़े काउंट (कम वजन वाले झींगे) जैसे 60, 70, 80, 90, 100 काउंट की झींगा मछली चीन, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान और अन्य एशियाई बाजारों को निर्यात की जाती है। इन सभी वर्गों की झींगा मछली की कीमतों में गिरावट देखी गई है। व्यापारियों के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सबसे आम 40 काउंट झींगा मछली की कीमत लगभग 19 प्रतिशत घटकर 365 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है। इसके अलावा, झींगे से बने चारे और दानों की कीमतों में भी कमी आई है। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने इस प्रकार के चारे बेचने वाली कंपनियों से झींगा पालकों के हित में कीमतें कम करने की मांग की है।

रक्षाबंधन पर 17 हजार करोड़ के व्यापार की उम्मीद

पिछले साल 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था

नई दिल्ली ।

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही देशभर के बाजार पूरी तरह सज चुके हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार राखी पर लगभग 17,000 करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना है। 2024 में जहां 12,000 करोड़ का कारोबार हुआ था,

वहीं इस बार 22.5 फीसदी की वृद्धि संभावित है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ-साथ भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ भी है, जिससे इस बार भाई-बहन के प्रेम के साथ देशभक्ति की भावना भी जुड़ गई है।

उन्होंने बताया कि मिठाई, फल, गिफ्ट आदि के रूप में लगभग 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार अनुमानित है। इस बार बाजार में इनोवेशन वाली राखियों की धूम है। 'वोकल फॉर लोकल', डिजिटल राखी, मोदी राखी, जय हिंद, वंदे मातरम और विकसित भारत जैसे थीम वाली राखियों को ग्राहकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इसके अलावा इको-फ्रेंडली राखियां मिट्टी, बीज, बांस, खादी और कपास से बनी राखियां भी खूब बिक रही हैं। हर प्रदेश की अपनी थीम वाली राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मधुबनी राखी (बिहार), जूट राखी (कोलकाता), बांस राखी (झारखंड) जैसी राखियां न सिर्फ पारंपरिक कला को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि महिला उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों को भी रोजगार का मौका दे रही हैं। इस रक्षाबंधन पर बाजारों में सिर्फ खरीदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक भी देखने को मिलेगी।

अमेरिका का 50 फीसदी टैरिफ भारत की जीडीपी वृद्धि को कर सकता है धीमा

- जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है

नई दिल्ली ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारत की आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में 35 से 60 आधार अंक तक की कमी आ सकती है, जिससे देश की आर्थिक प्रगति धीमी पड़ सकती है। एचडीएफसी बैंक की एक प्रधान अर्थशास्त्री के अनुसार, यदि 50 फीसदी शुल्क लागू होता है तो 6.3 प्रतिशत के जीडीपी वृद्धि अनुमान में 40 से 60 आधार अंक की गिरावट आ सकती है। वहीं, मॉर्गन स्टैनली की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात पर लगाए गए इस टैरिफ का प्रत्यक्ष प्रभाव 60 आधार अंक तक हो सकता है, और अप्रत्यक्ष प्रभाव भी लगभग इतना ही रहेगा। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नकारात्मक प्रभाव जारी रहने पर सरकार को घरेलू वृद्धि को सहारा देने के लिए नीतिगत कदम उठाने पड़ सकते हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारत से अमेरिका को कुल 86.5 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था, जो देश के जीडीपी का लगभग 2.2 फीसदी है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह घोषणा स्थायी नहीं रहेगी और दोनों देशों के बीच जल्द ही समझौता हो सकता है। लेकिन फिलहाल, टैरिफ की वजह से भारत की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए त्वरित और प्रभावी नीतिगत कदम उठाने की जरूरत होगी।

डालमिया सीमेंट को रिटर्न देरी पर ब्याज और जुर्माने की पूरी छूट

नई दिल्ली । डालमिया भारत की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड को जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने में हुई देरी के कारण लगाए गए ब्याज 4,89,008 और जुर्माना 75,000 की पूरी छूट मिली है। इस छूट का आदेश झारखंड के धनबाद डिवीजन के राज्य कर (अपील) के अतिरिक्त आयुक्त के कार्यालय द्वारा दिया गया है, जिसमें कुल 5,64,008 की राशि शामिल है। यह जुर्माना और ब्याज झारखंड वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 75 के तहत राज्य कर के सहायक आयुक्त, बोकारो सर्किल, बोकारो द्वारा जुलाई और नवंबर 2017 के लिए जारी किया गया था। देरी डालमिया सीमेंट ईस्ट लिमिटेड द्वारा हुई थी, जो बाद में डीसीबीएलमें विलय हो गया। इस छूट से कंपनी को वित्तीय राहत ली है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तीन पैसे गिरावट के साथ ही 87.61 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 87.63 पर आ गया। व्यापारिक अनिश्चितता और मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण रुपया दबाव में है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को लगभग 87.95 के स्तर पर बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा निरंतर पूंजी निकासी से स्थानीय मुद्रा कमजोर हो रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और कारोबार के दौरान 87.63 के निचले स्तर पर पहुंचा। जो पिछले बंद भाव 87.58 के मुकाबले गिरावट दिखाता है। पिछले दिन रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती दर्ज की थी। हालांकि, विदेशी मुद्रा बाजार में अब भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे रुपये पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी डॉलर की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत गिरकर 98.13 पर आ गया है। इस दौरान घरेलू शेयर बाजारों में भी कमजोरी देखी गई। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी पूंजी निकासी और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता के चलते रुपये की स्थिति फिलहाल कमजोर बनी रहेगी। निवेशकों को सतर्क रहना होगा क्योंकि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां रुपये के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को मिला यूनिवर्सल बैंक का दर्जा

नई दिल्ली । शुक्रवार को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में करीब 8 फीसदी की जोरदार तेजी देखने को मिली। यह उछाल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को यूनिवर्सल बैंक का दर्जा देने की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद आया है। यह मंजूरी एयू को देश का पहला स्मॉल फाइनेंस बैंक बनाती है, जिसे आरबीआई की अप्रैल 2024 में जारी 'ऑन-टैप' लाइसेंसिंग पॉलिसी के तहत यह दर्जा मिला है। एयू ने सितंबर 2024 में यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए आवेदन किया था और लगभग 11 महीने बाद इस मंजूरी को हासिल किया। इस कदम से न केवल एयू, बल्कि अन्य स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसे उज्जीवन और जना को भी उम्मीद जगी है, जो इसी लाइसेंस के लिए आवेदन कर चुके हैं। यूनिवर्सल बैंक बनने के बाद, एयू बैंक बड़े पैमाने पर काम कर सकेगा और ग्राहकों को अधिक सेवाएं प्रदान कर पाएगा। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक देश का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक है, जिसकी लोन बुक 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। जून तिमाही में इसकी लोन बुक में साल-दर-साल 23 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।

नालको ने पहली तिमाही में 78 फीसदी बढ़ाया मुनाफा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1,049.48 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 588 करोड़ रुपये से 78 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने हाल ही में यह वित्तीय परिणाम जारी किया। नालको की आय भी इस दौरान 35 प्रतिशत बढ़कर 3,930.45 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की तिमाही में यह 2,916.62 करोड़ रुपये थी। रसायन कारोबार से राजस्व में 91 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई, जो 1,628.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं एल्युमिनियम कारोबार से राजस्व 7 प्रतिशत बढ़कर 2,708.34 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी के खर्च भी बढ़कर 2,501.18 करोड़ रुपये हो गए, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 2,099.61 करोड़ रुपये से अधिक है।

अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से भारत के वस्त्र निर्यात उद्योग संकट में

नई दिल्ली । अमेरिका द्वारा भारत से वस्त्र एवं परिधान आयात पर शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारतीय निर्यात उद्योग में संकट पैदा हो गया है। अमेरिकी बड़ी कंपनियों जैसे वॉलमार्ट, टारगेट, एमेजॉन, गैप, एचएंडएम आदि ने भारत के आपूर्तिकर्ताओं को बताया है कि शुल्क स्थिति स्पष्ट होने तक नए ऑर्डर न भेजें। कंपनियां पहले से प्राप्त ऑर्डर को 27 अगस्त से पहले पूरा करने में जुट गई हैं, ताकि खरीदारों पर अतिरिक्त शुल्क का प्रभाव न पड़े। बाइंग एजेंट्स एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा कि खरीदारों ने फिलहाल कोई नया बिल बनाने और ऑर्डर से जुड़ी पूछताछ पर रोक लगा दी है। भारत अमेरिका का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक है, जनवरी-मई 2025 में 4.59 अरब डॉलर का निर्यात हुआ, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13 फीसदी अधिक है। पूरे 2025 में भारत से अमेरिका को करीब 10.8 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश, वियतनाम, चीन जैसे देशों पर अमेरिका ने कम शुल्क लगाए हैं, जिससे ऑर्डर वहां जाने की संभावना बढ़ गई है। भारत के लिए यह चुनौती है कि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने बाजार को सुरक्षित रख सके। फिलहाल वैश्विक कंपनियां भारत से नाता तोड़ने की स्थिति में नहीं हैं, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है।

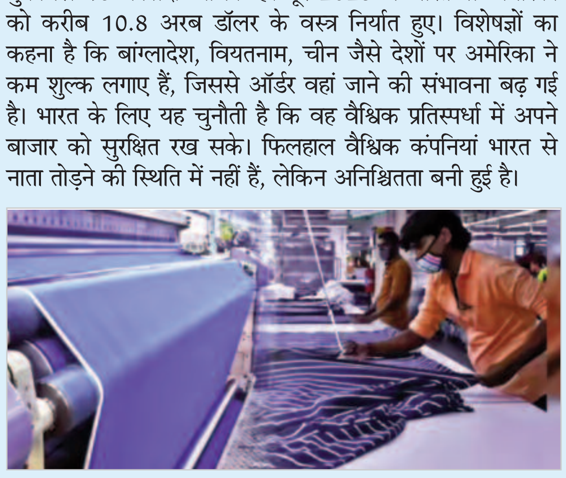

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 765 , निफ्टी 232 अंक गिरा

मुंबई ।

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच ही भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही ऑटो, फार्मा व बैंकिंग शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। आज बीएसई मिडकैप व स्मालकैप के शेयर भी गिरे।। इसके अलावा बीएसई के सभी सेक्टरों में भी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 765.47 अंक टूटकर 79,857.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निफ्टी 232.85 अंक नीचे आकर 24,363.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई पर आज 3,038 शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 984 शेयरों में तेजी रही। वहीं 1,969 शेयरों में गिरावट रही जबकि 85 शेयरों पर कोई प्रभाव नहीं नहीं पड़ा।

आज सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ और ये 64 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,858.60 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वहीं अदानी एंटरप्राइज़ का शेयर 71.70 रुपये नीचे आकर 2,178.10 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। श्रीराम फाइनेंस का शेयर 17.70 रुपये की गिरावट के साथ 609.65 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इंडसइंड बैंक का शेयर 24.90 रुपये की गिरावट के साथ 782.45 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के शेयर में 66.90 रुपये की गिरावट आई और ये 3,144.20 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार कमजोर रुख के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर में दबाव देखा गया। सुबह सेंसेक्स 272.30 अंक गिरकर 80,350.96 पर और निफ्टी 75.60 अंक टूटकर 24,520.55 पर कारोबार कर रहा था। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी के लगातार कमजोर स्तर बाजार की तकनीकी कमजोरी को दर्शाते हैं। बुनियादी तौर पर भी वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों की आय में कोई बड़ा उछाल नजर नहीं आ रहा है। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत-अमेरिका टैरिफ तनावों के कारण विदेशी निवेशकों (एफआईआई) बिकवाली जारी रही।

भारत ने रूसी सस्ते कच्चे तेल की खरीद से बचाए 15 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारत ने जनवरी 2022 से जून 2025 के बीच रूस से सस्ते कच्चे तेल की खरीद से लगभग 15 अरब डॉलर (करीब 1.25 लाख करोड़) की बड़ी बचत की है। सूत्रों के आधार पर यह जानकारी मिली है। इस बचत का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसे इस साल की 1.2 लाख करोड़ की यूरिया सब्सिडी पूरी तरह चुकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। 2023 में सबसे अधिक बचत हुई, लगभग 7 अरब डॉलर, जब जी7 देशों ने रूस पर तेल की कीमत सीमा (प्राइस कैप) लगाई थी। इस कारण रूस ने भारत को तेल प्रति बैरल 15-20 डॉलर सस्ता बेचने का विकल्प दिया। हालांकि, अब यह छूट घटकर 2 डॉलर से भी कम रह गई है, जिससे जनवरी से जून 2025 के बीच बचत घटकर 1.8 अरब डॉलर रह गई। तेल विशेषज्ञ के मुताबिक, अमेरिकी टैक्स के प्रभाव का अंदाजा अभी लगाना मुश्किल है। आने वाले हफ्तों में ट्रैड टॉक्स, क्वाड बैठक, विदेश मंत्री की रूस यात्रा और एससीओ

शिखर बैठक के बाद इस पर स्पष्टता आएगी। साबित हो रही है, खासकर वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता के बीच।दूसरी ओर, अगर भारत को खाड़ी देशों या अमेरिका से तेल खरीदना पड़ा, तो रिफाइनिंग मार्जिन 2-3 डालर प्रति बैरल तक कम हो सकता है, जिससे लागत बढ़ने की संभावना है। भारत ने रूस से तेल खरीद कर इराक, सऊदी अरब, नाइजीरिया, यूएई और अमेरिका जैसे अन्य बड़े सप्लायरों के तेल की मात्रा कम की है।

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । राजकोट स्थित सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एससीईएल) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष 1,400 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से आईपीओ के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस आईपीओ में कंपनी 1,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और 400 करोड़ रुपये की ऑफर फॉर सेल होगी। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई राशि में से 865 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में, 35 करोड़ रुपये अपनी अनुषंगी कंपनी बीएपीएल के कर्ज भुगतान में और बाकी राशि सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों में खर्च करेगी। सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स पंप, मोटर, सोलर पंप, पंखे तथा कृषि उपकरण जैसी विद्युत टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करती है। इस कदम से कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है।

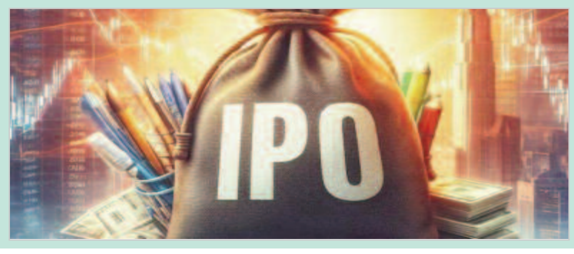

डीपीएल 2025: प्रियांश आर्या ने मचाया तूफान, 9 छक्के 7 चौके के साथ इतने गेंदों पर बना दिए 111 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के 12वें मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ आउटर दिल्ली वॉरियर्स के ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या का तूफान मैदान पर देखने को मिला। प्रियांश ने अपनी तूफानी बैटिंग के दम पर विरोधी गेंदबाजों की हवा टाइट कर दी और इस सीजन में ये प्रियांश का अपनी टीम के लिए पहला शतक रहा।

इस मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के कप्तान अनुज रावत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पहले बैटिंग करने आई आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 231 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया और विरोधी टीम को जीत के लिए 232 रन का बड़ा लक्ष्य दिया।

23 साल के प्रियांश आर्या ने अरुण जेटली मैदान पर ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ के खिलाफ अपना शतक 52 गेंदों पर पूरा किया। हालांकि, वो इसके बाद आउट हो गए, लेकिन उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 111 रन की तूफानी पारी खेली। प्रियांश का स्ट्राइक रेट इस दौरान 198.21 का रहा जबकि उन्होंने अपनी पारी के अंदर 9 छक्के और 7 चौके जड़े।

वहीं आउटर दिल्ली के दूसरे ओपनर बल्लेबाज सनत सांगवान 5 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं प्रियांश ने इस मैच में दूसरे विकेट के लिए करण गर्ग के साथ मिलकर 92 रन की मजबूत साझेदारी की तो वहीं करण ने 24 गेंदों में 43 रन की पारी खेली।

नाओमी ओसाका को हराकर विक्टोरिया म्बोको ने जीता कैनेडियन ओपन महिला एकल वर्ग का खिताब

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन महिला एकल का खिताब जीत लिया है। 18 साल की कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने जापान की दिग्गज खिलाड़ी नाओमी ओसाका को हराकर चैंपियन बनी।

वाइल्ड कार्ड एंट्री करने वाली विक्टोरिया म्बोको ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर कैनेडियन ओपन का खिताब जीता था। अपने घर में मिली यह जीत म्बोको के लिए विशेष थी। म्बोको ने पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी की और दो सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत से म्बोको ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 25वें स्थान पर पहुंच गई। उन्हें इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क में होने वाले ग्रैंड स्लैम में पहली वरीयता दी जाएगी।

2019 के बाद म्बोको कनाडा की ऐसी दूसरी महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्होंने कैनेडियन ओपन जीता है। 2019 में बियांका एंड्रीस्कू ने खिताब अपने नाम किया था। टूर्नामेंट में आने से पहले म्बोको की रैंकिंग 85 थी। उनकी जीत उन्हें 1990 में इस प्रारूप की शुरुआत के बाद से टियरढ्ढ 'डब्ल्यूटीए 1000' खिताब जीतने वाली दूसरी सबसे कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी बनाती है।

वह 2009 के बाद से 'डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट' में अपना पहला खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। म्बोको 1995 में मोनिका सेलेस के बाद नेशनल बैंक ओपन जीतने वाली दूसरी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी हैं। म्बोको ने सोफिया केनिन, कोको गॉफ, एलेना रयबाकिना और ओसाका जैसी दिग्गजों को हराते हुए खिताब जीता। गॉफ और रयबाकिना को क्रमशः पहली और तीसरी वरीयता दी गई थी।

वहीं, चार पूर्व महिला एकल ग्रैंड स्लैम चैंपियन का सामना करने वाली और ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में चारों को हराने वाली विक्टोरिया म्बोको पहली कनाडाई खिलाड़ी हैं। म्बोको ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में चार ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। पहली खिलाड़ी 1999 में सेरेना विलियम्स थीं।

मैकग्रा की भविष्यवाणी : एशेज में 5-0 से जीतेगा ऑस्ट्रेलिया

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन महीने से अधिक का समय बाकी है लेकिन दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने भविष्यवाणी की है कि ऑस्ट्रेलिया इसमें 5-0 से क्लीन स्वीप करेगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच यह प्रतिष्ठित श्रृंखला 21 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। मैकग्रा ने कहा कि उनकी भविष्यवाणी भारत के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में इंग्लैंड के प्रदर्शन पर आधारित है। भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई इस श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोका था। मैकग्रा ने 'बीबीसी रेडियो' पर कहा, 'मैं अमूमन भविष्यवाणी नहीं करता हूं लेकिन एशेज के लिए मेरी भविष्यवाणी है कि ऑस्ट्रेलिया इसमें 5-0 जीत हासिल करेगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू हालात में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो इंग्लैंड के लिए यह काफ़ी मुश्किल होने वाला है। इसके अलावा इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड भी अच्छा नहीं है।' इंग्लैंड इस वर्ष के अंत में पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। उसने 2015 के बाद से एशेज नहीं जीती है।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरा क्यों है महत्वपूर्ण, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने बताई वजह

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम का उसके घरेलू मैदान पर सामना करने से उनकी टीम को इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार की जरूरत है।

भारतीय टीम आज तड़के ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई, जहां वह 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी। हरमनप्रीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा बड़ी चुनौती होती है और एशिया कप के लिए तैयारी के इस चरण में हमें इसी की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देख रहे हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और एशिया कप के लिए राजगीर जाने से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।% हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे से हमें एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार करने की आवश्यकता है। हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस श्रृंखला से टीम प्रबंधन को एशिया कप के लिए अंतिम टीम के चयन करने में भी मदद मिलेगी। एशिया कप 29 अगस्त से राजगीर में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ेंगे रविचंद्रन अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने फ्रेंचाइजी को अपनी इच्छा बता दी है। अश्विन ने 2025 के आईपीएल में ही 9 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स में वापस आई थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ही अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। 2010 से 2015 तक वह सीएसके का हिस्सा रहे। 2016 से 2024 तक वह दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी अलग-अलग टीमों के साथ खेले। 2025 में 9 साल बाद वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए दिखे थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अश्विन ने सीएसके से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैसले के बारे में फ्रेंचाइजी को बता दिया है। वैसे उनके इस फैसले की वजह क्या है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अश्विन न सिर्फ सीएसके छोड़ने वाले हैं, बल्कि सीएसके एकेडमी के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस का पद भी छोड़ने वाले हैं। उन्हें पिछले साल ही ये जिम्मेदारी मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार, अश्विन नहीं चाहते कि अगर वह किसी और फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ते हैं तो सीएसके एकेडमी से उनके जुड़ाव की वजह से हितों के टकराव जैसी स्थिति पैदा हो। इसलिए वह सीएसके के साथ-साथ उसकी एकेडमी से भी नाता तोड़ेंगे।

एशिया कप में भारत-पाक मैच रद्द होने की संभावना नहीं

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बची आठ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टीम को 14 सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। इस मैच का विरोध भी हो रहा है और कहा जा रहा है कि पाक जिस प्रकार से आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है। उससे भारतीय टीम को इस मैच का बहिष्कार करना चाहिये हालांकि ये संभव नजर नहीं आता। वहीं इस मामले में अभी तक भारत सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये मैच रद्द होना इतना आसान नहीं है। वहीं अमीरात क्रिकेट बोर्ड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुभान अहमद ने कहा, 'जब एशिया कप जैसे टूर्नामेंट में खेलने का फैसला इसमें शामिल सभी सरकारों की सहमति से होता है। उसके बाद ही कार्यक्रम जारी किया जाता है। ऐसे साफ है कि यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) जैसी स्थिति नहीं होगी।' वहीं इससे पहले हुए पूर्व क्रिकेटरों के डब्ल्यूसीएल में इंडिया चैम्पियंस के खिलाड़ियों ने मैच का बहिष्कार कर दिया था। जिससे ये मैच नहीं हो पाया। इसी को लेकर मुख्य परिचालन अधिकारी ने कहा, 'हम कोई गारंटी नहीं दे सकते पर एशिया कप जैसे टूर्नामेंट की तुलना किसी निजी इवेंट से करना सही नहीं होगा।' एशिया कप की मेजबानी भारत के पास है हालांकि सारे मुकाबले यूएई में खेले जाएंगे। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में मेजबान यूएई के खिलाफ होगा। भारत और पाक के बीच अंतिम बार मुकाबला 9 जून 2024 को न्यूयॉर्क में हुए टी20 विश्व कप के दौरान हुआ था।

बेन शेल्टन ने कारेन खाचानोव को हराकर जीता कैनेडियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब

टोरंटो। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीत लिया है। फाइनल में शेल्टन ने कारेन खाचानेव को हराया। शेल्टन के करियर का यह सबसे बड़ा खिताब है। बेन शेल्टन ने कारेन खाचानेव तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-7(5), 6-4, 7-6(3) से हराया। फाइनल मैच दो घंटे 48 मिनट तक चला। बेन शेल्टन एंडी रोडिक के बाद एटीपी मास्टर्स 1000 जीतने वाले दूसरे सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं। शेल्टन से पहले 2004 में एंडी रोडिक ने मियामी ओपन का खिताब जीता था। खिताबी जीत के साथ शेल्टन एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में चौथे स्थान पर भी पहुंचे। इससे नवंबर में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावना बढ़ गई है। शेल्टन 2025 में पहली बार मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले जैक ड्रेपर (इंडियन वेल्स), जैकब मेन्सिक (मियामी) और कैस्पर रूड (मैड्रिड) ने ये उपलब्धि हासिल की थी। यह शेल्टन के करियर का तीसरा खिताब है, इससे पहले उन्होंने 2023 में टोक्यो और 2024 में ह्यूस्टन में जीत हासिल की थी। शेल्टन ने लगातार तीन सालों से कम से कम एक खिताब जीता है। जीत के बाद बेन शेल्टन ने कहा, 'यह एक अद्भुत एहसास है। यह एक लंबा सप्ताह रहा है। फाइनल तक का रास्ता आसान नहीं था। मेरा सर्वश्रेष्ठ टेनिस तब सामने आया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।' खाचानोव ने शुरुआती सेट में 10 फोरहैंड विनर लगाए और उनकी ताकत ने शेल्टन को बेसलाइन के काफी पीछे धकेल दिया। लेकिन अपने कोच और पिता ब्रायन की सलाह पर, शेल्टन ने दूसरे और तीसरे सेट में कोर्ट पर अपनी पकड़ मजबूत की और आक्रामक रुख अपनाया। शेल्टन अब एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में खाचानोव से 2-0 से आगे हैं। इससे पहले उन्होंने खाचानोव को साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स में भी हराया था। दोनों खिलाड़ियों को सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में भिड़ना है।

धवन को आई बेटे जोरावर की याद, भावुक पोस्ट भी साझा की

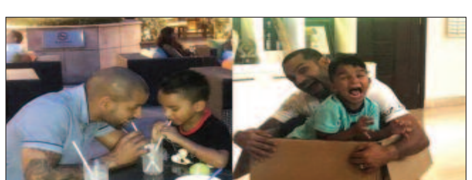

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय रहते हैं। धवन ने अब एक पोस्ट साझा की इसमें वह अपने बेट जोरावर सिंह को याद कर भावुक हो गये। धवन ने अपनी पोस्ट में बेटे जोरावर को लेकर एक संदेश भी लिखा है। धवन का अपनी पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक हो गया था। इसके बाद से उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया में अपनी मां आयशा के साथ रहता है। .अदालत के आदेश के अनुसार, धवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों में ज़ोरावर से मिलने की अनुमति है और वह निर्धारित वीडियो कॉल के जरिये भी उससे संपर्क कर सकते हैं। धवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ' डब्ल्यूसीएल में जब मैंने दोस्तों को अपने बच्चों के साथ खेलते देखा तब लगा कि काश जोरावर यहां होता। यह एक अलग तरह की खुशी होती। बाद में, मुझे उसके बचपन की कुछ तस्वीरें मिलीं जिससे कई यादें ताजा हो गयीं। कुछ पल वास्तव में दिल के सबसे करीब रहते हैं।' धवन ने जोरावर के साथ कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें धवन, रोहित शर्मा, उनकी बेटी समायरा और ज़ोरावर के साथ एक प्यार सी तस्वीर है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स समापत होने के बाद धवन की इस पोस्ट ने प्रशंसकों को भी भावकु कर दिया है।

मैग्नस कार्लसन बने पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

रियाद, सऊदी अरब (एजेंसी)। विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए।

फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया।

तीसरे स्थान का मुकाबला-अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नाकामुरा को 1,45,000 डॉलर और अर्जुन को 1,15,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

इस टूर्नामेंट में सभी बाजियाँ 10 मिनट के समय नियंत्रण पर खेली गईं। ई स्पोर्ट्स नियमों के अंतर्गत खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और संगीत सुनने की छूट दी गई। कुल पुरस्कार राशि 15 लाख डॉलर थी और शतरंज खिलाड़ियों को 2.7 करोड़ डॉलर की ई-स्पोर्ट्स साझा इनामी राशि का हिस्सा भी मिला।

इस जीत के बाद कार्लसन ने कहा

'सेमीफाइनल वास्तव में सबसे कठिन था और आर्मागेडन की कुछ चालों ने ही फर्क पैदा किया। आज के मुकाबलों में मुझे अधिक नियंत्रण महसूस हुआ, खासकर पहले खेल के बाद। मैं कभी-कभी जल्दी चलने को तरजीह देता हूँ बजाय ज़्यादा सोचने के।'

फीफा विश्व कप और ओलंपिक खेलने का सपना : फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण ने शुक्रवार को कहा कि उनका सपना फीफा विश्व कप और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। यूएफा चैंपियंस लीग (यूरोप की शीर्ष पेशेवर फुटबॉल लीग) में खेलने वाली इकलौती भारतीय फुटबॉलर मनीषा शुक्रवार को यहां नेहरू स्टेडियम में लड़कियों के लिए आयोजित अस्मिता अंडर-13 लीग में आकर्षण का केन्द्र थी। उन्होंने कहा कि अस्मिता 'युवा लड़कियों को अपने फुटबॉल के सपनों को साकार करने के लिए मुश्किल से मिलने वाला मंच है।' तेईस साल की मनीषा ने अस्मिता के गुवाहाटी चरण में भाग लेने वाली आठ टीमों की हौसला अफजाई करने के बाद कहा'' मेरा सपना अब फीफा विश्व कप और ओलंपिक में खेलने का है। अगले साल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद हमारे इरादे मजबूत हुए है।'' अस्मिता लीग का उद्देश्य पूरे भारत में जमीनी स्तर पर प्रतिभा की खोज करना है। मनीषा ने कहा, '' आपके पास अब 'अस्मिता' जैसा एक मंच है और आप जितने अधिक मैच खेलेंगी, आप उतनी ही बेहतर होती जाएंगी'' मनीषा के साथ इस मौके पर असम की दो उभरती हुई खिलाड़ी रेखा कटकी और दोसोमी रौतिया भी मौजूद थी।

टीम से बाहर होने के बाद भी दीपक चाहर की नेटवर्थ बढ़ी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज दीपक चाहर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। इसके बाद भी उनकी नेटवर्थ बढ़ती जा रही है। चाहर ने भारतीय टीम के लिए एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 38 मैच खेलते हुए 47 विकेट लिए है। चाहर गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने अपना अंतिम मैच दिसंबर 2023 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध न मिलने के बाद भी उनकी नेटवर्थ कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसान चाहर की कुल संपत्ति तकरीबन 66 करोड़ रुपये रुपये है। इसमें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से हुई कमाई भी शामिल है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलमी में उन्हें 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। दीपक चाहर ब्रांड एंडोर्समेंट से भी मोटी कमाई करते हैं। चाहर ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था। इस दौरान 9 साल में उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 95 मैच खेले हैं। जिसमें 8.13 के इकॉनमी रेट से 88 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उनके नाम 95 मैचों में 117 रन हैं।

'वापसी का बेसब्री से इंतजार', सूर्यकुमार यादव एशिया कप की तैयारी में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले रिकवरी के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। जून में सूर्यकुमार ने जर्मनी के म्यूनिख में अपनी सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बारे में इंस्टाग्राम पर एक अपडेट साझा किया था। शुक्रवार को सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह जिम में पसीना बहा रहे थे और अपनी फिटनेस वापस पाने के लिए अलग-अलग एक्सरसाइज कर रहे थे। उन्होंने अपने पोस्ट का कैप्शन दिया, 'जो मुझे पसंद है उसे करने के लिए वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'

पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया गया था कि यह तेजतर्रार बल्लेबाज सर्जरी से उबरने के दौरान बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में है। अगले कुछ हफ्तों में सूर्यकुमार का कार्यभार काफी बढ़ने की उम्मीद है और माना जा रहा है कि वह अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं जिसकी शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के सितंबर के पहले हफ्ते में यूएई जाने की उम्मीद है। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने के लिए भारत की तैयारियों की शुरुआत का प्रतीक होगा। भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी श्रीलंका के साथ करेगा।

सूर्यकुमार को जून 2024 में विश्व कप जीतने के बाद भारत की टी20आई टीम की कमान सौंपी गई थी, जब रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को आखिरी बार जून में मुंबई टी20 लीग के दौरान खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 4 पारियों में 122 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपने करियर का अंत किया।

सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के दौरान अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। अपने रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन में इस गतिशील बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस (MI) को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ सीजन का आनंद लिया जिसमें लगातार 16 बार 25 या उससे अधिक के स्कोर दर्ज किए, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट का समापन 717 रनों के साथ किया जो किसी भी मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज द्वारा एक सीज में सबसे अधिक और आईपीएल इतिहास में किसी भी गैर-ओपनर द्वारा सबसे अधिक रन हैं। सूर्या के नेतृत्व में भारत की टी20 बल्लेबाजी ने नई

ऊंचाइयों को छुआ है, जिसमें आक्रामक इरादे और बल्लेबाजी की गहराई पर जोर दिया गया है। टीम ने लगातार विशाल स्कोर बनाए हैं, जिसमें अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन का स्कोर भी शामिल है।

इस रक्षाबंधन बच्चों को सिखाएं घर पर राखी बनाने के आसान और मजेदार तरीके

रक्षाबंधन आप बच्चों से घर पर बहुत ही सुंदर और यूनिक राखियां आसानी से बनवा सकते हैं। इससे न सिर्फ उनकी रचनात्मकता बढ़ती है, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में भी एक भावनात्मक जुड़ाव आता है। नीचे कुछ सरल और मज़ेदार राखी बनाने के आइडियाज़ दिए गए हैं जिन्हें बच्चे आसानी से बना सकते हैं।

बीडेड राखी

रंगीन मोती , धागा या रिबन, ग्लू का इस्तेमाल कर बच्चे धागे में सुंदर-सुंदर मोती पिरोकर और बीच में एक बड़ा मोती या छोटा डेकोरेटिव पेंडेंट लगा सकते हैं।

बटन राखी

रंग-बिरंगे बटन, फेल्ट या कपड़ा, रिबन या डोरी का इस्तेमाल कर बटन को डिजाइन के अनुसार चिपकाया जा सकता है और बीच में एक बड़ा बटन लगाकर फिर पीछे से रिबन जोड़कर एक शानदार राखी बन सकती है।

फोम राखी

फोम को गोल या दिल के आकार में काटें, उस पर कार्टून या सुपरहीरो स्टिकर लगाएं और रिबन चिपका दें। ये राखी जितनी बनने में आसान है उतनी ही देखने में शानदार लगेगी।

पोम-पोम राखी

छोटे रंग-बिरंगे पोम-पोम बॉल्स, डोरी, गोंद बीच में चिपकाएं और उनके चारों तरफ छोटे मोती या सितारे लगाएं।

क्ले राखी

मिट्टी से मनचाहा आकार (जैसे स्माइली, फ्लावर या नाम का पहला अक्षर) बनाएं और सूखने के बाद रंग भरें, फिर धागा जोड़ें। इस तरह की राखी बच्चों को बेहद पसंद आती है

बच्चों को इससे क्या सीख मिलती है?

-रचनात्मकता बढ़ती है

-धैर्य और एकाग्रता आती है

-भाई-बहन के रिश्ते में भावनात्मक जुड़ाव होता है

-घर पर सुरक्षित, किफायती और अनोखा अनुभव मिलता है

रक्षाबंधन पर अपने नाखूनों को दें न्यू लुक

रक्षाबंधन के मौके पर अगर अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो इस आर्टिकल की मदद से आप ऐसा कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ नेल आर्ट डिजाइन दिखा रहे हैं जो नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। वहीं इस तरह से नेल आर्ट डिजाइन आप आपने आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं और इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों को स्टाइलिश और न्यू लुक भी देंगे।

लीव्स डिज़ाइन नेल आर्ट

इस तरह का नेल आर्ट आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल डिजाईन आपके नाखूनों को न्यू लुक देंगे साथ ही अपने नाखून काफू खूबसूरत भी नजर आएंगे। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप दो से तीन नेल पोलिश की मदद से बनवा सकती है।

ओम्ब्रे पिंक क्लाउड डिजाइन नेल आर्ट

इस तरह का ओम्ब्रे पिंक क्लाउड डिजाइन नेल आर्ट भी आपके नाखूनों को न्यू लुक देगा। इस नेल आर्ट में पिंक नेल पोलिश साथ ही वाइट कलर की नेल पोलिश लगाई गई है जो आप घर पर बना सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

इस तरह का ग्लिटर नेल आर्ट भी नाखूनों पर बनाया जा सकता है। अगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेगा। इस नेल आर्ट को आप 2 नेल पोलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं।

ग्लिटर स्ट्रिप्स नेल आर्ट

यह नेल आर्ट भी आप अपने आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट डिजाइन लाइट कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट है और इस तरह के नेल आर्ट को आप 2 नेल पोलिश की मदद से बना सकती हैं।

रक्षाबंधन पर इस बार भद्रा का साया? जानें भद्रा में भी राखी बांधना क्यों है शुभ

रक्षाबंधन का पर्व भाई बहन के प्रेम का प्रतीक है। इस बार रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त शनिवार के दिन मनाया जाएगा लेकिन, हर बार भद्रा होने के कारण रक्षाबंधन की तारीख और राखी बांधने के मुहूर्त को लेकर उलझन रहती है। क्या इस बार भी रक्षाबंधन पर भद्रा का साया रहेगा। जानें भद्रा के बारे में विस्तार से जानकारी।

रक्षाबंधन पर हर साल भद्रा होने के कारण राखी बांधने का समय और तारीख को लेकर काफी उलझन रहती है। बता दें कि भद्रा तो हर साल रहती है लेकिन, भद्रा कहा स्थित है यह विशेष रुप से मायने रखता है। इस बार भी रक्षाबंधन पर भद्रा तो रहेगी लेकिन, उसका वास कहा स्थित है उसी हिसाब से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। बता दें कि रक्षाबंधन का पर्व इस बार 9 अगस्त को मनाया जाएगा। जानें पंचांग के गणना के अनुसार, इस बार भद्रा का वास कब होगा।

क्या इस बार भी है रक्षाबंधन पर भद्रा का साया ?

बता दें कि इस बार रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त शनिवार के दिन मनाया जाएगा। ग्रंथों के अनुसार, भद्रा का वास मूल रूप से तीन स्थानों पर अधिक रहता है। पहले स्वर्ग लोक, पृथ्वी लोक और पाताल लोक। जहां भद्रा का वास होता है इसके हिसाब से ही वह अपना प्रभाव दिखाती है। शास्त्रों के अनुसार, भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। बता दें कि शनिदेव की बहन और सूर्य देव की पुत्री हैं। भद्रा का स्वभाव काफी कठोर था। उनके स्वभाव को नियंत्रित करने के लिए उन्हें पंचांग में एक प्रमुख स्थान दिया गाय। भद्रा को विष्टि करण के रूप में पंचांग में मान्यता दी गई। बता दें कि भद्रा हमेशा ही अशुभ नहीं होती है। हालांकि, कुछ विशेष कार्यों में इसका वास शुभ माना जाता है।

ऐसे समझे भद्रा की गणना

पंचांग की गणना भद्रा तिथि, योग, नक्षत्र, वार और करण के हिसाब से की जाती है। इन सभी में से भी सबसे महत्वपूर्ण करण को माना जाता है। बता दें कि कुल मिलाकर 11 करण होते हैं। जिनमें से कुछ स्थिर और कुछ अस्थिर होते हैं। करण में शकुनि, नाग, किस्तुध्न और चतुषपद अचर (स्थिर) होते हैं और बाकी 7 बालव, कोलव, तौतिल, बव, गर, विष्टि और वाणिज्य चर यानी अस्थिर होते हैं। यानी यह करण हमेशा ही गतिशील मतलब चलते रहते हैं।

भद्रा का वास कैसे पता करें

जब भी चंद्रमा का गोचर मेष, वृषभ, मिथुन और वृश्चिक राशि में होता है तो भद्रा का वास स्वर्ग लोक में माना जाता है। वहीं, जब चंद्रमा कन्या, तुला, धनु और मकर राशि में गोचर करते हैं तो भद्रा का वास पाताल में माना जाता है। लेकिन, जब भी चंद्रमा का गोचर कर्क, सिंह, कुंभ और मीन राशि में होता है तो भद्रा का वास पृथ्वी लोक पर माना जाता है। जब भी भद्रा का वास स्वर्ग लोक और पाताल लोक में होता है तो वह अशुभ फल प्रदान नहीं करती है। पौराणिक ग्रंथ चिंतामणि के अनुसार, भद्रा का वास जहां होता है वहां भद्रा प्रभावी होती है।

रक्षाबंधन (9 अगस्त)पर कहां होगा भद्रा का वास

बता दें कि 9 अगस्त को चंद्रमा का गोचर मकर राशि में रहेगा। ऐसे में भद्रा का वास पाताल लोक में होगा और भद्रा का मुख अधोमुखी होगा यानी नीचे की तरफ होगा। ऐसे में 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व भद्रा रहित होने से कारण सुबह से ही मनाना शुभ रहेगा।

स्थिताभूर्लोस्था भद्रा सदात्याज्या स्वर्गपातालगा शुभा।

इसका अर्थ है कि जब भी भद्रा का वास धरती लोक पर होता है तो उस समय कोई भी शुभ कार्य करना हो तो वह भद्रा रहित काल में ही करना चाहिए। वरना व्यक्ति को शुभ फल नहीं मिल पाता है। हालांकि, इस साल रक्षाबंधन पर भद्रा का वास नहीं है तो आप आसानी से त्योहार मना सकते हैं।

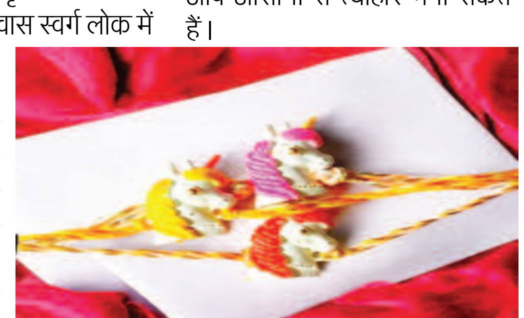

शादी के बाद पहले रक्षाबंधन पर पहने लाल चूड़ियों के ये सूट

शादी के बाद पहले रक्षाबंधन पर इन खूबसूरत लाल चूड़ियों के डिजाइंस से पाएं एक पारंपरिक और स्टाइलिश लुक। यहां देखें चुनिंदा और फैशनेबल लाल चूड़ियों के डिजाइंस, जो रक्षाबंधन पर आपकी खूबसूरती को और भी निखारेंगे।

शादी के बाद पड़ने वाला हर छोटा-बड़ा त्योहार विशेष होता है। खासतौर पर जो त्योहार शादी के बाद पीहर में मनाए जाते हैं, उनका महत्व ही बढ़ जाता है। रक्षाबंधन का पर्व भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। शादी के बाद पहली बार जब बहन अपने भाई को राखी बांधने मायके पहुंचती है, तो यह अवसर उसके लिए बहुत ही खास होता है। सज-धज कर त्योहार मनाने के लिए मायके जाने में अलग ही मजा आता है। मगर औरत का श्रृंगार तब तक पूरा नहीं होता है, जब तक हाथों में खूबसूरत चूड़ियां न पहन ली जाएं। ऐसे में आज हम आपको लाल चूड़ियों के कुछ सेट दिखाएंगे, जिन्?हें आप हैवी, लाइट या डिजाइनर किसी भी तरह के आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं।

कुंदन के कड़े और लाल चूड़ियां

कुंदन का काम आउटफिट से लेकर ज्वेलरी तक सभी में खूब पसंद किया जाता है। अगर आप लाल रंग की सिंपल कांच की चूड़ियां पहन रही हैं,तो उसके साथ आप कुंदन वाले सिंपल कड़े भी पहन लेंगी तो भी बहुत अच्छा सेट तैयार हो जाएगा। कुंदन के कड़े और लाल चूड़ियों का कॉम्बिनेशन बहुत ही सुंदर लगता है। यह आपको बहुत ही एलिगेंट अंदाज देता है। आप इसे केवल एथनिक ही नहीं बल्कि वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ भी पहन सकती हैं।

कीमत- बाजार में आपको 50 रुपये दर्जन में अच्छी कांच की चूड़ियां मिल जाएंगी, वहीं कुंदन के कड़े भी आपको 250 रुपये जोड़ा मिल जाएंगे। अगर आपको एक खूबसूरत सेट तैयार करवाना है, 4 दर्जन लाल चूड़ियों के साथ 4 कुंदन के कड़े लें।

जड़ाऊ कड़े और लाल चूड़ियां

जड़ाऊ ज्वेलरी बहुत ज्यादा खूबसूरत लगती है, मगर इसका पूरा सेट पहनने की जगह आप केवल लाल चूड़ियों के साथ कड़े पहन लेंगी तो भी आपका लुक बहुत अच्छा आएगा। बाजार में आपको जड़ाऊ कडों में एक से बढ़कर एक वेराइटी मिल जाएगी। आप जड़ाऊ कड़ों में जरकन, मोती और प्रेशियस स्?टोन की कॉपी वाले पत्थरों से सजे कड़े खरीद सकती हैं। इसमें आपको हैवी और लाइट, हर वेट के कड़े मिल जाएंगे। आप इन्हें सिंपल कांच की चूड़ियों के साथ पहन सकती हैं। आप चाहें तो कांच की जगह मेटल की लाल चूड़ियों के साथ इन्हें पहनकर एक सेट तैयार कर सकती हैं। इसमें आपको लटकन वाली चूड़ियां और कड़े दोनों ही मिल जाएंगे। इन्हें आप हैवी या लाइट किसी भी तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं।

कीमत- बाजार में आपको 100 रुपये से लेकर 250 रुपये में दर्जन भर मेटल की चूड़ियां मिल जाएंगी। वहीं जड़ाऊ कड़े आपको 500 रुपये जोड़े से 1000-1200 रुपये जोड़े तक मिल जाएंगे।

मल्टी कलर स्टोन वर्क वाले कड़े और लाल चूड़ियां

मल्टीकलर स्टोन वर्क वाले कड़ों के साथ भी सिंपल लाल चूड़ियां दिखने में बहुत ज्यादा खूबसूरत लगती हैं। इस तरह की चूड़ियों के साथ आप मल्टी कलर स्टोन वर्क वाली चूड़ियां भी पहन सकती हैं। इससे आपका सेट बहुत ज्यादा खूबसूरत नजर आएगा। आल लाल के साथ अन्य किसी रंग की चूड़ियां भी इसके साथ मिक्स कर सकती हैं। इस तरह का सेट आप साड़ी, सलवार कमीज, लहंगे किसी के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

कीमत- आपको वेलवेट वाली लाल चूड़ियां बाजार में 100 रुपये दर्जन मिल जाएंगी, वहीं आपको मल्टी कलर स्टोन वाले कड़े 250 रुपये से लेकर 500 रुपये तक में मिल जाएंगे। आप 2 दर्जन चूड़ियों के साथ 2 जोड़ी कड़े खरीद कर यह सेट तैयार कर सकती हैं।

रजवाड़ा स्टाइल कड़े और लाल चूड़ियां

अगर आपको हैवी और डिजाइनर चूड़ी सेट पहनने के मन है तो आप किसी भी सिंपल रेड आउटफिट के साथ रजवाड़ा स्टाइल कड़े और लाल चूड़ियों को मिक्स मैच करके पहन सकती हैं। यह दिखने में बहुत ही सुंदर लगता है। इसकी खूबसूरती दबे नहीं इसके लिए आप बहुत हैवी और डिजाइनर आउटफिट इसके साथ न पहनें। आपको इस बात का भी ध्यान रखना है कि इस तरह के कड़ों के साथ सिंपल मेटल की लाल चूड़ियों का ही चुनाव करें।

कीमत- इस तरह के सेट आपको बाजार में बने-बनाए भी मिल जाएंगे और आप चाहें तो खुद भी इन्हें कस्टमाइज करा सकती हैं। यह आपको 1500 रुपये से लेकर 2000 रुपये के बीच में मिलेंगे।

हर बार टूटने के बाद भी...

अक्षरा सिंह ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अक्सर वे यहां अपने स्टाइलिश लुक शेयर करती हैं, साथ ही अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट भी शेयर करती दिखती हैं। सोमवार को उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ क्रिप्टिक कैप्शन लिखा है। टूटने के बाद कोमल दिल के साथ जीना हिम्मत है अक्षरा सिंह ने आज सोमवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। वे ट्रेडिशनल लुक में दुपट्टा फ्लॉन्ट करते हुए पोज देती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, कठोर होना आसान है इस दुनिया में, पर हर बार टूटने के बाद भी कोमल दिल के साथ जीना, वह हिम्मत है।

नेटिजन्स दी ऐसी प्रतिक्रिया

अक्षरा सिंह ने अपने पोस्ट के साथ लिखा है, दूसरों के प्रित करुण रहें। नेटिजन्स की इस पोस्ट पर सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। अधिकांश लोग रेड हार्ट इमोजी बना रहे हैं। उनके लुक के साथ-साथ कैप्शन की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सही कहा अक्षरा बहन। एक अन्य यूजर ने लिखा है, अक्षरा अब आपको बॉलीवुड जाना चाहिए।

पवन सिंह से जुड़ चुका है नाम

एक्ट्रेस अक्षरा सिंह की निजी जिंदगी की अगर बात करें तो उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ जुड़ चुका है। कभी अक्षरा सिंह और पवन सिंह का कथित अफेयर खूब सुर्खियों में रहा। दोनों ने साथ में फिल्मों में काम भी किया। हालांकि, अब दोनों की राहें जुदा हैं। दोनों का ब्रेकअप एक बुरे मोड़ पर आकर हुआ। अक्षरा सिंह ने पवन सिंह पर मारपीट और हिंसा जैसे कई गंभीर के आरोप भी लगाए थे।

इम्तियाज अली ला रहे नई फिल्म, 'साइड हीरोज' बनेंगे अभिषेक बनर्जी-अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा तीनों अलग-अलग फिल्मों में अपने-अपने किरदारों के लिए काफी मशहूर है। अब ये तीनों एक ही फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म को दिग्गज निर्माता-निर्देशक इम्तियाज अली प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म का नाम 'साइड हीरोज' होगा।

मेकर्स ने शेयर किया फनी वीडियो

मेकर्स की ओर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा इम्तियाज अली के सामने बैठे हैं और उनसे काम मांग रहे हैं। इम्तियाज बैठे कुछ सोच रहे हैं, तभी अपारशक्ति कहते हैं कि लगता है कि इम्तियाज सर हमारे लिए एक म्यूजिकल रोमांटिक सोच रहे हैं। इसके बाद तीनों अपारशक्ति का गाना भी गुनगुनाते हैं। वीडियो में और भी मेकर्स बैठे हैं। इस दौरान इम्तियाज कहते हैं कि फिल्म दो प्रकार की होती है या तो अपना लगे या फिर सपना लगे। तभी इम्तियाज के पास उनके किसी पुराने दोस्त का फोन आता है। फोन पर इम्तियाज और उसकी मजेदार बात होती है और अंत में वो इम्तियाज को अपने क्लास के री-यूनियन के बारे में बताता है और उस पर उन्हें बुलाता है। दोस्तों की री-यूनियन पर फिल्म लेकर आ रहे इम्तियाज बात करने के बाद इम्तियाज अली कहते हैं कि एक आइडिया है, दोस्तों पर फिल्म बनाते हैं। ये सुनकर अभिषेक, अपारशक्ति और वरुण शर्मा अपनी पिछली फिल्मों के किरदारों को याद करके दुखी हो जाते हैं और कहते हैं फिर से दोस्त। फिर इम्तियाज कहते हैं वैसे वाले दोस्त जिनसे आप जिंदगी भर पीछा नहीं छुड़ा सकते। इन दोस्तों का री-यूनियन। इसके बाद इम्तियाज फिल्म का टाइटल बताते हैं 'साइड हीरोज'। ये सुनकर तीनों कहते हैं कि मम्मी को तो लीड एक्टर बनने का बताकर आए थे। इस तरह से फिल्म का टाइटल साइड हीरोज सामने आता है।

तीन दोस्तों की कहानी है 'साइड हीरोज'

सिद्धार्थ सेन और पंकज मट्टा द्वारा लिखित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित 'साइड हीरोज' 2026 में फ्रेंडशिप डे पर रिलीज होगी। मेकर्स ने बताया कि फिल्म तीन बचपन के दोस्तों की कहानी है, जो कॉमेडी टच लिए हुए है। तीन दोस्त जो कई साल बाद एक री-यूनियन में फिर से मिलते हैं। 'साइड हीरोज' का निर्माण इम्तियाज अली ने महावीर जैन, मृगदीप सिंह लांबा और रियान शाह के साथ मिलकर किया है। फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाने की उम्मीद है।

बैटल ऑफ गलवां के बाद सलमान खान को मिली बड़ी फिल्म

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग

बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आई थीं कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवां के बारे में

आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है।

सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज, लास्ट वर्ल्ड वार को रोकने आगे आए प्रतीक

प्रतीक गांधी स्टारर जासूसी वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सोमवार को यह ट्रेलर नेटफ्लिक्स इंडिया ने रिलीज किया है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच ड्रामा और परमाणु संघर्ष की झलक दिखाई गई है।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष की है कहानी

ट्रेलर में प्रतीक गांधी ने भारत के रॉ एजेंट का किरदार निभाया है। उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में तैनात किया गया है। वह पाकिस्तान में होने वाली परमाणु गतिविधि को रोकने की कोशिश करते हैं। इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता है।

प्रतीक गांधी पाकिस्तान में करते हैं संघर्ष

प्रतीक गांधी जैसे ही पाकिस्तान में राजनयिक मामलों के करीब पहुंचते हैं तो उनकी मुलाकात पाकिस्तान के आईएसआई एजेंट से होती है। इस किरदार को सनी हिंदुजा ने निभाया है। पाकिस्तान में प्रतीक गांधी जो कुछ भी करते हैं उनके दुश्मन उनकी हर गतिविधि पर नजर रखते हैं।

सारे जहां से अच्छा की स्टारकास्ट

ट्रेलर में गांधी और हिंदुजा के अलावा तिलोत्तमा शोम, कृतिका कामरा, रजत कपूर और अनूप सोनी को भी दिखाया गया है। सारे जहां से अच्छा सीरीज को गौरव सुक्ला ने बनाया है।

सारे जहां से अच्छा की रिलीज डेट सामने आई

ट्रेलर में दिखाया गया है कि अगर भारत के एजेंट जरा सा भी चूके तो पाकिस्तान परमाणु जंग शुरू कर सकता है। ऐसे में भारतीय एजेंट को पाकिस्तानी दुश्मनों को परमाणु हथियार बनाने से रोकना होता है। लास्ट वर्ल्ड वार सीरीज में सभी किरदारों ने बेहतरीन कलाकारी की है। सारे जहां से अच्छा 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

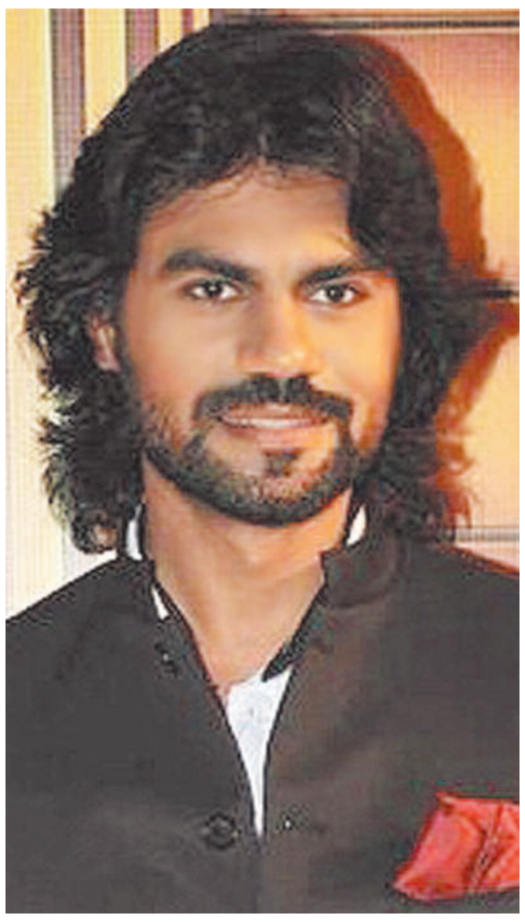

आज की पीढ़ी को रिश्ते में एडजस्ट करना नहीं सिखाया गया

छोटे पर्दे पर ऐक्टर गौरव चोपड़ा ने एक लंबा वक्त बिताया है। टीवी शो उतरन में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया। पिछले कुछ सालों से वह छोटे पर्दे से दूर थे, लेकिन अब उन्होंने पुष्पा इंपॉसिबल से वापसी की है।

आप पिछले कई साल से छोटे पर्दे से दूर हैं। इतने वक्त तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहने के पीछे क्या वजह रही? क्या आप किसी बदलाव के बारे में सोच रहे थे?

सबसे पहली बात जो बतानी जरूरी है कि अगर किसी एक मीडियम में, किसी प्लेटफार्म में, किसी ऐक्टर को दर्शकों ने अपने दिल में थोड़ी सी भी जगह दी है और आप उस प्लेटफॉर्म को छोटा समझें तो ये तो नाशुक्री की बात होगी। मेरे साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं वो ऐक्टर कहलाना चाहता हूं, जो मीडियम को महत्व नहीं देता। मैं अपने दर्शकों और खुद के रिश्ते को महत्व देना चाहता हूं। लोगों को इतना भरोसा होना चाहिए कि अगर ये ऐक्टर किसी शो में आ रहा है, तो अच्छा ही होगा। रहीं 4-5 साल के बाद वापसी की तो उसकी वजह एक तो कोविड था। उस समय में संजीवनी के नाम से 2020 में आखिरी शो कर रहा था। उसके बाद मेरी दुनिया ने ही एक ब्रेक ले लिया था।

क्योंकि अपने कोविड की शुरूआत में ही ब्रेक ले लिया था, तब से अब तक दर्शक की सोच टीवी शोज और फिल्मों को लेकर काफी बदली है। वापसी के बाद आप इस बदलाव को किस तरह देख रहे हैं?

ये बदलाव का वक्त है तो अगर देखने के माध्यम बदले हैं तो लोगों का टेस्ट भी बदलता है। जैसे इंटरनेशनल कॉन्टेंट देखने से भी लोगों की पसंद पर फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि ये जो बदलाव एक दौर है, एक वक्त के बाद जब बदलाव पूरा होने को होगा, तो दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से सेटल हो जाएंगे, जिसको जो मीडियम पसंद होगा वो उसमें कॉन्टेंट देखेगा। जो दर्शक जैसा शो देखना चाहते हैं उनके लिए वैसा ही कॉन्टेंट बनाया जाएगा।

आपने अपने करियर में काफी काम किया है और आज एक बात कही जाती है कि काम के दबाव का असर लोगों के रिलेशनशिप पर भी पड़ रहा है, जिस वजह से रिश्ते बिखर रहे हैं। आपने भी रिलेशनशिप में ऐसा उतार-चढ़ाव देखा है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

जी काम का दबाव रिश्ते पर जरूर पड़ता है। महिलाओं और मर्दों पर अलग-अलग पड़ता है। मर्दों से काम करने की समाज की अपेक्षा एक अलग ही दबाव है जबकि महिलाओं के लिए वो सपने को पूरा करने जैसा है। मैं तो खुद को बड़ा खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इतने संपन्न परिवार से था कि मैं कह सका मुझे ऐक्टर बनना है, वरना एक आम लड़के को 15-16 साल की उम्र में ही इस बात का अहसास करा दिया जाता है कि जल्दी घर की जिम्मेदारी उठाने लायक बनो। जो 1950 में देखा जाता था कि शादी के लिए एक लड़के में क्या गुण होने चाहिए, वो ही आज भी देखा जाता है। महिलाओं की स्थिति काफी बदल गई है। आज ये कोई उम्मीद नहीं करता कि आप घर आएंगी तो घर का काम ही करेंगी या बच्चे पालेंगी। वो काम करना चाहें, तो करती हैं। जब एक सोशल बदलाव आता है तो उसमें एक अडजस्टमेंट की जरूरत होती है। सच्चाई ये है कि उस अडजस्टमेंट के बारे में बच्चों को जागरुक नहीं किया जा रहा, उन्हें उसके बारे में पढ़ाया नहीं जा रहा। जो आपने माता-पिता के जीवन में देखा है, अब वैसा नहीं होगा। अब जिम्मेदारी कैसे बांटनी है, बच्चे को कैसे पालना है, ये हमें सोचना होगा। इसके लिए आज की पीढ़ी को तैयार नहीं किया गया है, इस वजह से मतभेद बढ़ रहे हैं और समाज का दबाव उस रिश्ते पर असर कर रहा है।

दिल्ली से मुंबई तक का सफर कैसा रहा?

जहां आपकी पैदाइश होती है, जहां आपने बचपन बिताया होता है, उस जगह से थोड़ा ज्यादा लगाव होता ही है। मैंने दिल्ली में सेंट कोलम्बस स्कूल से पूरी पढ़ाई की, जिसे आज के दौर में लोग शाहरुख खान के स्कूल के नाम से जानते हैं। वहां से और भी स्टार्स निकले हैं। हमारे स्कूल में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता था कि लड़कियों के प्रति आपका व्यवहार कितना जेंटलमैन वाला है। आपकी पर्सनैलिटी कैसी है, इस पर भी जोर दिया जाता था। स्कूल के बाद मैंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। कोर्स के बाद से ही मुझे ऐक्टिंग का शोक लगा था। फिर दिल्ली से मुंबई आ गया। मेरे लिए सबसे अच्छी बात ये रही है कि मुझे कभी स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, मुझे आते ही काम मिल गया था।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने फिर उठी मांग... ऐसा हुआ तो बढ़ेगा जनता का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ वोट चोरी के सबूतों के साथ कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव आयोग को घेरने का काम किया है, वहीं अनेक पार्टियों और नेताओं ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग फिर से कर दी है। इन सब से बचने और अपने दामन को साफ-पाक बताने के लिए चुनाव आयोने ने भी कदम आगे बढ़ाए हैं।

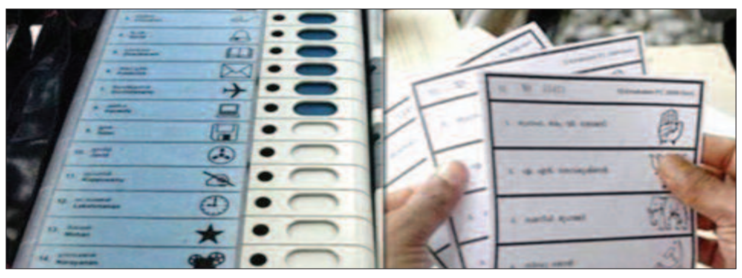

गौरतलब है कि सांसद राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए गुरुवार को वोट चोरी जैसे सबूतों को मीडिया के सामने रखा है। उन्होंने बताया है कि किस प्रकार से विभिन्न चुनावों में एक खास पार्टी को जीत दिलवाने के लिए वोट चोरी का यह खेल खेला गया है। वहीं इससे पहले शरद पवार की पार्टी एनसीपी-एसपी ने महाराष्ट्र के निकाय चुनाव को बैलेट पेपर से कराए जाने की मांग कर दी है। यही नहीं पार्टी ने निकाय चुनाव में वीवीपैट वाली ईवीएम मशीनों का इस्तेमाल नहीं करने वाले राज्य चुनाव आयोग के फैसले की भी निंदा की है। शरद पवार गुट का कहना है कि इससे कैसे पता चलेगा कि चुनाव पारदर्शी तरीके से कराए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में बैलेट पेपर से चुनाव करना ही ठीक होगा। एनसीपी-एसपी ने कहा कि यदि वीवीपैट वाली मशीनें उपलब्ध नहीं हैं, तब फिर परंपरागत बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। इससे पारदर्शिता रहेगी और जनता का भरोसा भी चुनावी व्यवस्था पर बना रहेगा। यह पहला मामला नहीं है, बल्कि इससे पहले अनेक चुनावों के दौरान बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग की जाती रही है और चुनाव आयोग इसे खारिज करते हुए चुनाव में होने वाली गड़बड़ी की आशंकाओं को सिरे से खारिज करता आया है। इस संबंध में मौजूदा सरकार भी चुनाव आयोग के फैसले से संतुष्ट रही है।

यहां इस मांग को उठाते हुए शरद पवार गुट के पार्टी नेता राहुल कलाते ने कहा है कि निकाय चुनाव की तैयारी अब तेजी पर है। लेकिन राज्य निर्वाचन आयोग ने हमें निराश किया है। राज्य निर्वाचन आयोग की यह बात झटका देने वाली है कि वीवीपैट मशीनों की कमी है। इससे साफ है कि आयोग नहीं चाहता है कि पारदर्शी तरीके से चुनाव कराए जाएं। ऐसी स्थिति में धांधली होने का भी डर रहेगा। कलाते ने पुणे की चिंचवाड़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के शंकर जगताप के मुकाबले हार गए थे। यही नहीं इंडिया गठबंधन के एक और दल ने वीवीपैट न इस्तेमाल करने पर नाराजगी जाहिर की है।

वहीं उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह फैसला गलत है। हमारी मांग है कि चुनाव वीवीपैट मशीनों से कराए। वहीं एनसीपी-एसपी का कहना है कि यदि चुनाव आयोग वीवीपैट से चुनाव नहीं करा पा रहा है, तब फिर बैलेट पेपर के पुराने सिस्टम पर ही वापस लौटा जाए। बता दें कि असेंबली इलेक्शन में हार के बाद राहुल ने दोबारा गिनती के लिए अर्जी डाली थी। उनका आरोप था कि काउंटिंग की प्रक्रिया में गड़बड़ी थी। इसी के खिलाफ फॉर्म 17 जमा करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग का रुख किया था। अब एक बार फिर निकाय चुनाव में उन्होंने मोर्चा खोला है। एसनीपी-एसपी का कहना है कि बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होने पर चुनाव की कोई विश्वसनीयता नहीं रहेगी।

वोट चोरी के दावों पर राहुल गांधी के समर्थन में उतरे थरूर बोले- समाधान करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी अनबन के चलते सुर्खियां बटोरने वाले सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी दावों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर प्रश्न है, निर्वाचन आयोग को इसका समाधान करने के लिए तत्काल ही कोई कदम उठाना चाहिए। पिछले काफी समय में यह पहली बार है, जब शशि थरूर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए किसी सवाल या दावे के समर्थन में आए हैं।एक्स पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ी एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए थरूर ने इसका समर्थन किया। थरूर ने लिखा, यह गंभीर प्रश्न हैं, जिनका सभी दलों और सभी मतदाताओं के हित में गंभीरता से समाधान किया जाना चाहिए। हमारा लोकतंत्र इतना मूल्यवान है कि इसकी विश्वसनीयता को अक्षमता, लापरवाही या जानबूझकर छेड़छाड़ से नष्ट नहीं होने दिया जा सकता। केरल से कांग्रेस सांसद थरूर ने आगे कहा, निर्वाचन आयोग को तत्काल कदम उठाना चाहिए और आयोग के प्रवक्ता को देश को इस बारे में सूचित करते रहना चाहिए। गौरतलब है कि इंडिया ब्लॉक की डिनर मीटिंग के दौरान राहुल गांधी ने अपने आवास पर वोट चोरी से जुड़ी एक प्रजेंटेशन दी थी। इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा में 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी की गई है। उन्होंने चुनाव आयोग से सीधा सवाल करते हुए कहा कि वह भाजपा के साथ मिला हुआ नहीं है तो वह इस बात को साबित करे। राहुल ने महादेव पुरा सीट का हवाला देते हुए कहा कि हमारी तरफ से बार-बार वोटरों का इलेक्ट्रॉनिक डेटा मांगे जाने के बाद भी चुनाव आयोग उसे उपलब्ध कराने में असमर्थ रहा है न ही हमें सीसीटीवी फुटेज दिए जा रहे हैं। इन बातों से स्पष्ट है कि दाल में कुछ काला जरूर है।

मुंबई कबूतरखाने में जारी रहेगी दाना खिलाने पर रोक, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सात अगस्त को कबूतरखानों को बंद करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को लेकर कोई राहत नहीं दी है। बीएमसी कोर्ट के फैसले में बाधा डालने वाले या नियम तोड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी। कोर्ट का यह फैसला 13 अगस्त तक लागू रहेगा। कोर्ट ने हेरिटेज कबूतर स्थलों को तोड़ने पर लगी रोक को भी बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि कबूतर और इंसान के टकराव से जुड़े स्वास्थ्य मामलों पर एक्सपर्ट्स की राय लेकर राज्य सरकार और बीएमसी को यह विवाद खत्म करना चाहिए। हाईकोर्ट 13 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही एक्सपर्ट्स कमेटी के नामों पर विचार करेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर कमेटी की राय में बीएमसी द्वारा कबूतरों को दाना डालने की जगह को बंद करना सही है, तब एक्सपर्ट्स की राय को माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पहले के आदेश अभी भी लागू हैं और याचिकाकर्ता चाहें, तब अंतरिम याचिकाएं दायर कर सकते हैं। कोर्ट ने दादर कबूतरखाना ट्रस्ट के वकील अनिल साखरे को यह अनुमति दी कि वे बीएमसी के सामने रोज सुबह 6 से 7 बजे कबूतरों को दाना डालने के लिए समय तय करने का अनुरोध कर सकते हैं। बेंच ने कहा कि उन्होंनें सिर्फ बीएमसी की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार किया है और जब याचिकाकर्ताओं ने बीएमसी की नीति को चुनौती दी थी, तब उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं दी थी।

जिंदा नवजात शिशु पॉलिथीन में मिला, मुस्लिम दंपति ने बचाई जान

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में इंसानियत को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां पॉलीथिन में जिंदा नवजात को पैककर फैंक दिया। पालीथीन को कुत्ता खींचने लगे तब बाइक से जा रहे मुस्लिम दम्पति की नजर पड़ गई। दंपति ने पालीथीन को खोलकर देखा, उनके होश उड़ गए। आनन फानन में दंपति पालीथीन में पैक नवजात को अस्पताल ले गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। गांव कुराना नया बांस निवासी फहीमुद्दीन पत्नी शमीना के साथ औरंगाबाद से वापस आ रहे थे। बीती रात करीब 11 बजे ऐंचाना के बीच सड़क किनारे एक झाड़ी से पॉलीथिन को खींचकर कुत्ता ले जाने का प्रयास कर रहा था। फहीमुद्दीन को कुछ अजीब लगा, तब बाइक रोककर कुत्ते को भगाकर पॉलीथिन के पास पहुंचे। फहीमुद्दीन ने देखा कि पॉलीथीन हिल रही थी। उन्होंने देखा उसमें एक नवजात बच्चा था। दंपति बच्चे को देर रात होने के कारण सबसे पहले डॉक्टर के यहां ले गए। चेकअप करा अपने घर ले आए। उसके बाद सुबह पूर्व प्रधान के जरिए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दंपति को बुलाकर बच्चे को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया है। नवजात की आयु एक दो दिन है। लावासिर बच्चा लड़का बताया गया है।

मामले में पुलिस ने बताया ग्राम प्रधान द्वारा सूचना प्राप्त हुई थाने बुलाकर बच्चों को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया गया है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह किस व्यक्ति ने ऐसी घटना को अंजाम दिया है।

गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में अब तक पाँच लोगों की मौत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आई थी। विस्फोट इतना ज़ोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। बात दें कि एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। सीएम हाऊस के अनुसार, ''मुख्यमंत्री नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। उन्होंने घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विशाखापट्टनम की उपायुक्त-2, ने बताया कि विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं। जबकि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद देश के हवाई अड्डों पर हाई अलर्ट जारी

हाथरस (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और दुर्गा पूजा (22 सितंबर से 2 अक्टूबर) को देखकर देशभर के सभी हवाई अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) सहित कई बड़े हवाई अड्डों पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने हवाई अड्डों को तीन सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। इसमें सभी हवाई अड्डों, एयरलाइंस, सीआईएसएफ और ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को तुरंत सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों की जांच और तलाशी बढ़ा दी गई है, जिससे लंबी लाइनें और कड़ा गेट नियंत्रण देखने को मिल सकता है। सभी हवाई अड्डों पर 100 प्रतिशत सीसीटीवी निगरानी और क्यूआरटी द्वारा गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। उड़ानों में सुरक्षा अधिकारी तैनात किए जाएंगे और विमानों की कड़ी तलाशी और जांच की जाएगी। कार्गो की स्क्रीनिंग बढ़ाई जाएगी और ग्राउंड हैंडलिंग कर्मचारियों की भी अतिरिक्त जांच होगी। 5 से 20 अगस्त तक सभी उड़ानों के लिए सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकिंग (एसएलपीसी) को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर के हवाई अड्डों के आसपास ड्रोन, हेलीकॉप्टर और गैर-निर्धारित उड़ानों की भी विशेष जांच के आदेश दिए गए हैं। यह कदम सुरक्षा के मद्देनज़र उठाया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

उपराष्ट्रपति पद के लिए तीन शख्स ने किया नामांकन... लेकिन हो गया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब देशभर में अगले उपराष्ट्रपति के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए ने जहां पीएम मोदी और सदन में नेता जेपी नड्डा को जिम्मेदारी सौंपी हैं, तब विपक्ष भी संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इस बीच, तीन शख्स के नामांकन भी दाखिल किया, लेकिन उन्हें झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन तीन लोगों ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था, उनके नाम तमिलनाडु के सलेम निवासी के. पद्मराजन, दिल्ली के मोती नगर निवासी जीवन कुमार मित्तल और आंध्र प्रदेश के श्रीमुखलिंगम गांव निवासी नायडूगरी राजशेखर थे। हालांकि, उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम की धारा 5बी की उपधारा (4) के तहत तीनों के नामांकन पेपर खारिज हो गए। पद्मराजन और मित्तल ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों की मतदाता सूची की प्रमाणित प्रतियां संलग्न कीं, जिसमें पंजीकृत मतदाता के रूप में उनके नाम थे, लेकिन ये चुनाव नोटिफिकेशन जारी होने से पहले की थीं। वहीं, तीसरे शख्स राजशेखर की प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा प्रमाणित नहीं थी। वह 15,000 रुपये की जमानत राशि भी जमा नहीं कर पाए। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी, राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी ने तीनों के नामांकन पत्र क्रम में न होने के कारण खारिज किए है। चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद के लिए तब तक निर्वाचित नहीं हो सकता जब तक वह भारत का नागरिक न हो, 35 वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो और राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के योग्य न हो। सत्तारूढ़ एनडीए को उपराष्ट्रपति चुनाव में स्पष्ट बढ़त हासिल है। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों द्वारा होता है, साथ ही उच्च सदन के मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र होते हैं।

प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग से सीधा सवाल... हलफनामा क्यों मांग रहे, जांच क्यों नहीं कर रहे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद अब और तीखा हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची में धांधली के आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में राहुल गांधी से शपथ पत्र (हलफनामा) की मांग की गई थी। इस पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया में चुनाव आयोग से सवाल किए हैं और हमला बोल दिया है।

सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान सवाल उठाते हुए कहा, कि अगर कोई शिकायत करता है तो उसकी जांच होनी चाहिए। यह क्या तरीका है कि आप उल्टा शिकायतकर्ता से हलफनामा मांग रहे हैं?

प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, कि हमने जो शपथ संसद में ली है, उससे बड़ी कौन सी शपथ होगी? आयोग हमें मतदाता सूची क्यों नहीं दे रहा? अगर जानबूझकर गलती हुई है, तो चुनाव आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि हमसे एफिडेविट मांगना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि याचिका के अनुसार हलफनामा देने की अवधि 30 दिन होती है, लेकिन उसके बावजूद आयोग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

सांसद प्रियंका गांधी ने फर्जी वोटर लिस्ट के मुद्दे को लेकर कहा कि राहुल गांधी ने विस्तार से बताया है कि एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट बिहार की कुछ विधानसभा सीटों में मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जब कोई चुनाव लड़ता है, तब उसे पता चलता है कि एक-एक वोट कितना जरूरी होता है। अगर एक लाख वोट फर्जी हैं, तो उसका असर सीधे नतीजे पर पड़ता है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा, अगर कोई बच्चा क्लास में जाकर कहे कि चीटिंग हो रही है, तो क्या टीचर उसे थप्पड़ मारेगी? या जांच करेगी कि क्या हो रहा है? आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि शिकायत करने वालों से एफिडेविट मांगना चाहिए।

क्या होगी आगे की रणनीति?

इंडिया गठबंधन की आगे की रणनीति को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि सभी दल मिलकर निर्णय लेंगे, लेकिन स्पष्ट है कि इस मुद्दे को लेकर वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, हर वोट की अहमियत होती है। अगर वोटरों को जानबूझकर हटाया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इससे पहले चुनाव आयोग के फैक्ट चेक हैंडल से कहा गया था कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। आयोग ने 1960 के वोटर रजिस्ट्रेशन नियम 20(3)(बी) का हवाला भी दिया है और शपथ पत्र मांगा है।

धराली में तबाही ने सब कर दिया बर्बाद, सीएम ने ग्राउंड जीरो पर संभाला मोर्चा

-कहा- राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाई और जरुरी सामान की कमी न हो

देहरादून (एजेंसी)। बादल फटने से हुई तबाह धराली की मलबे में रुंध गईं। आपदा के चलते सड़कों का नाता टूट गया। अलग-थलग पड़ा उच्च हिमालय का कातर को हमदर्द और हौसले की सख्त जरूरत थी। ऐसी विपदा में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दो दिन तक ग्राउंड जीरो पर मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सीएम धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर उनके कंधे पर सिर रखा रोने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे। उत्तरकाशी जिले में 2023 के नवंबर माह में सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 41 श्रमिक फंस गए थे। आपदा की उस घड़ी में भी धामी ने सरकार के नेतृत्वकर्ता के रूप में मौके पर डेरा डाला था। केंद्र से मिल रहा निरंतर सहयोग उनकी मौके पर मौजूदगी से और प्रभावी बन गया था। तब भी धामी ने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की थी।

धराली आपदा के मौके पर धामी एक बार फिर उत्तरकाशी जिले में प्रभावितों के बीच पहुंच गए। विगत मंगलवार को आंध्र प्रदेश का दौरा बीच में छोड़कर देर सायं देहरादून लौटे धामी सीधे राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। राहत को मिशन बनाकर सीएम दो दिन से ग्राउंड जीरो पर हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर सीएम की नजर है। परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन की पूरी मशीनरी 24 घंटे क्रियाशील है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के जरिए से सीएम के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय का प्रभाव साफ दिया।

इस पूरे आपरेशन में वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर लगाए गए। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है। जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इसके अलावा 814 अतिरिक्त जवानों को अन्य क्षेत्रों से सीधे प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है।

सीएम धामी ने गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर देहरादून या एम्स ऋषिकेश भेजने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरुरी सामान की कमी न हो, इस पर नजर रखी जा रही है। प्रभावितों के लिए 2000 से ज्यादा खाने पैकेट भेजे गए। ड्राइ राशन हवाई मार्ग से हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उसे दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जाएगा। बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा की बहाली, और बिजली, पेयजल की टूटी लाइन को भी जोड़ा जा रहा है। धामी ने गुरुवार को पौड़ी जिले आपदा प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और माताओं-बहनों से भेंट की।

चीन के विशाल डैम पर हमारी नजर... राज्यसभा में केंद्र सरकार ने दिया जबाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन तिब्बत के इलाके में जो विशाल डैम बना रहा है, उसपर मोदी सरकार ने सवाल के जवाब में पहली बार संज्ञान लिया है। चीन यह बांध ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में बना रहा है, इस तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहते हैं। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा है कि प्रोजेक्ट को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर विशाल बांध बनाने की तैयारियों में लगा है। चीन का यह प्रोजेक्ट इतना विशाल है कि इसकी वजह से भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक में सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

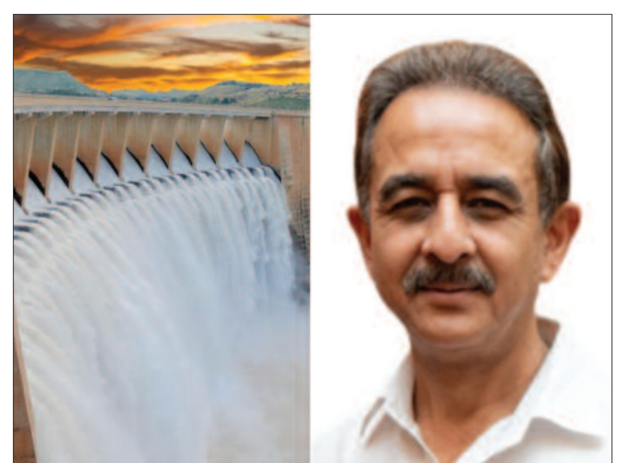

राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत ने चीन की ओर से तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के निचले क्षेत्र में बनाया जा रहे मेगा डैम प्रोजेक्ट के निर्माण शुरू करने की रिपोर्टों पर संज्ञान लिया गया है। उनके अनुसार चीन 1986 से ही इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि मोदी सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी सभी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है। इसके तहत चीन की ओर से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने की योजना के साथ-साथ हमारे हितों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करना शामिल है। सरकार की ओर से बताया गया हैं कि सीमा पार की नदियों से संबंधित विभिन्न मसलों पर चीन के साथ संस्थागत विशेषज्ञ स्तरीय मेकेनिज्म के तहत चर्चा होती है। इसकी स्थापना 2006 में की गई थी। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर भी चर्चा की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चीन को कहा है कि नदियों के पानी पर हमारा भी हक है। हम निचले क्षेत्र में हैं और यहां के लोगों का भी पानी पर अधिकार है। सरकार ने चीन से कहा है कि वो निचले हिस्से के देशों से भी सलाह करे और यह सुनिश्चित करे कि ऊपर के क्षेत्र की गतिविधियों से निचले हिस्से के क्षेत्रों के हितों को कोई नुकसान न हो। चीन के साथ सीमा पार की नदियों पर सहयोग के मामले में पानी से जुड़ी जानकारी फिर से देना भी शामिल है

खुफिया एजेंसियों ने किया अलर्ट: बांग्लादेश अब भारत में फैलाना चाहता है आतंकी गतिविधियां

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस अब अपने रंग में आते दिख रहे हैं। पाकिस्तान और तुर्की जैसे आतंकपरस्त देशों से हाथ मिलने वाले यूनुस अब भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को फिर से ऑक्सीजन देने में जुटे हैं। इससे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस का कट्टरपंथी चेहरा बेनकाब हो गया है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने इसका खुलासा किया है। इनके अनुसार, बांग्लादेश स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। बीते आठ साल से निष्क्रिय हो चुके इस संगठन की फिर से वापसी से भारत की पूर्वोत्तर सीमाओं और पश्चिम बंगाल पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जेएमबी अब अपनी ताकत बढ़ाने के लिए अल-कायदा का भी साथ मांग रहा है, ताकि उसकी विचारधारा का तेजी से प्रसार हो सके। जहां अल-कायदा रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी है, वहीं जेएमबी जमीनी स्तर पर काम करने में माहिर है। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कई अधिकारी बांग्लादेश पहुंचे और कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईएसआई चाहता है कि जेएमबी, अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) मिलकर भारत को निशाना बनाएं और एक-दूसरे के काम में बाधा न डालें। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की जेएमबी का बड़े स्तर पर फिर से सक्रिय किया जा रहा है। यह सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकता है। खासकर अवैध घुसपैठियों और शरणार्थियों का उपयोग जेएमबी अपने फुट सोल्जर के तौर पर कर रहा है, जिससे भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिशें रची जा रही हैं। शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद कट्टरपंथी समूहों को खुली छूट मिल गई है। इसी के चलते न केवल जेएमबी, बल्कि कई अन्य आतंकी संगठनों को भी फिर से संगठित किया जा रहा है।

भारत के खिलाफ जेएमबी की साजिश बेहद खतरनाक मानी जा रही है। ये संगठन रोहिंग्या और अवैध प्रवासियों की भर्ती कर रहा है और उन्हें भारत के मुस्लिम बहुल इलाकों में भेजकर वहां छोटे-मोटे उद्योगों में काम करने को कह रहा है, ताकि वे संदेह से बचे रहें। साथ ही, समय-समय पर गुप्त बैठकों के जरिए योजना बनाई जा रही है। गौरतलब है कि 2014 में पश्चिम बंगाल के बर्दवान में हुए विस्फोट में भी जेएमबी का हाथ था, जिसमें एक बम बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ था। तब भी इसमें शामिल अधिकतर लोग अवैध प्रवासी थे। वर्तमान में जेएमबी भारत-बांग्लादेश की पश्चिम बंगाल और असम सीमा की कमजोरी का फायदा उठा रहा है। मौजूदा परिस्थितियों में बांग्लादेश की अस्थिरता और भारत से ठंडी पड़ी कूटनीतिक रिश्तों के कारण भारत के लिए यह खतरा और भी गंभीर हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस चुनौती से निपटने के लिए बांग्लादेश सरकार के सहयोग की जरूरत है, जैसा कि शेख हसीना के कार्यकाल में देखने को मिला था। लेकिन, अब यूनुस सरकार का झुकाव पाकिस्तान की ओर अधिक है, जिससे भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव बना हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)